शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 53 | गुवाहाटी | रविवार, 17 सितंबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

गौरव गोगोई ने अपने चाचा के पीठ में घोंपा छूरा : पीयूष पेज 3
नई और पुरानी संसद अमृतकाल को लेकर बुलाए गए विशेष सत्र के लिए तैयार पेज 4
प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन की पूर्व संध्या पर उनके दीघ4 जीवन के लिए यज्ञ, हवन पेज 5
डबल इंजन सरकार से राजस्थान को बनाएंगे भारत का ग्रोथ इंजन : शेखावत पेज 8

सेना के अंदर विद्रोह पैदा करना चाहते हैं राहुल गांधी : हिमंत

कटनी। राहुल गांधी द्वारा दिए गए बयान की वन रैंक वन पेंशन योजना का लाभ सेना को कम और अधिकारियों को ज्यादा मिल रहा है। इस पर असम के सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि राहुल गांधी इस तरह के बयान से आर्मी के अंदर विद्रोह पैदा करना चाहते हैं। राहुल लद्दाख में जो रिकॉड किए, उसे रिलीज नहीं किया है। इसलिए राहुल पर भारत सरकार का नजर रखना ठीक है। वहीं, सीएम हिमंत विश्व ने कहा कि अग्निवीर में लाखों लोगों ने हिस्सा लिया, सेना का क्या हित है और क्या अहित है। वो सोचने के लिए वर्तमान और एक्स आर्मी के लोग हैं। इसमें राहुल गांधी से एडवाइज लेने की किसी को जरूरत नहीं। कांग्रेस ने कहा कि भाजपा ने 20 साल में काम किया होता तो आज जन आशीर्वाद लेने की आवश्कता नहीं पड़ती। इस पर सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि हिंदू संस्कृति के बारे में जानते ही नहीं आशीर्वाद और सनातन एक ही है। क्योंकि हर सुख-दुख में आशीर्वाद लेना सही है। -शेष पृष्ठ दो पर

विश्वकर्मा योजना से देश के शिल्पकारों के सामान को दुनिया में मिलेगी नई पहचान : पीएम

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर रविवार को सुबह करीब 11 बजे नई दिल्ली के द्वारका में स्थित इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर में *पीएम विश्वकर्मा* नाम से एक नई योजना का शुभारंभ करेंगे। इसके अलावा द्वारका सेक्टर-21 से यशोभूमि द्वारका सेक्टर-25 तक दिल्ली मेट्रो की एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन के विस्तार का उद्घाटन भी करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने इस संबंध में शनिवार को एक्स पोस्ट में कहा कि सामाजिक जीवन में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले हमारे हुनरमंद भाई-बहनों की खुशहाली और समृद्धि के लिए हम निरंतर प्रयासरत रहे हैं। इसी कड़ी में कल विश्वकर्मा जयंती के पावन अवसर पर हमें *पीएम विश्वकर्मा* को शुरू करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। इस योजना से ना सिर्फ देशभर के कारीगरों और शिल्पकारों का कौशल निखरेगा, बल्कि हमारे इन परिवारजनों की बनाई चीजों को दुनियाभर में नई पहचान भी मिलेगी। उन्होंने एक अन्य पोस्ट में कहा कि कल, 17 सितंबर को सुबह 11 बजे, मैं दिल्ली के द्वारका में एक अत्याधुनिक और आधुनिक सम्मेलन और एक्सपो सेंटर यशोभूमि के चरण-1 का उद्घाटन करूंगा। मुझे विश्वास है कि सम्मेलनों और बैठकों के लिए यह एक अत्यंत लोकप्रिय गंतव्य होगा। यह दुनिया भर से प्रतिनिधियों को आकर्षित करेगा। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि आप सभी को यह जानकर भी खुशी होगी कि यशोभूमि भी स्थिरता का पर्याय बनने जा रही है। इसमें एक आधुनिक अपशिष्ट जल उपचार प्रणाली है, वर्षा जल संचयन के प्रावधान हैं और परिसर को भारतीय हरित भवन परिषद से प्लेटिनम प्रमाणन प्राप्त हुआ है। एक नए मेट्रो स्टेशन, यशोभूमि द्वारका सेक्टर 25 का भी उद्घाटन किया जाएगा, जिससे यह प्रतिष्ठित स्थल दिल्ली मेट्रो हवाई अड्डे से जुड़ जाएगा। प्रधानमंत्री का पारंपरिक शिल्प में लगे लोगों को -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

दूध पीने के लिए गाय का बछड़ा अपनी मां के थनों पर प्रहार करता है।

– **आचार्य चाणक्य**

पीएम पद का फिक्स चेहरा नरेंद्र मोदी ही : अमित शाह

मधुबनी (हि.स.)। बिहार में मधुबनी जिला के झंझारपुर अनुमंडल स्थित ललित कर्पूरी स्टेडियम में गृहमंत्री अमित शाह ने शनिवार को विशाल जनसभा को संबोधित किया। जनसैलाब के बीच नरेंद्र मोदी जिंदाबाद की जयघोष पंडाल के बीच चहुंओर होती रही। गृहमंत्री अमित शाह ने उपस्थित लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। गृहमंत्री ने कहा कि नीतीश जी पीएम का पद खाली नही है। आपकी दाल वहां नही गलेगी, मोदी जी वहां फिक्स हैं। बिहार में भाजपा की सरकार बनेगी।आमजन 40 में से 40 लोकसभा सीट भाजपा को जिताएगी। गृहमंत्री ने अमित शाह ने कहा कि बिहार सरकार ने जन्माष्टमी की छुट्टी रद्द की तो जनता के आक्रोश के बाद वापस लिया। सभास्थल पर अगल-बगल के इलाके के 31 विधान सभा से आए हुए लोगों का मैं स्वागत करता हूं। मोदी सरकार ने देश के लोगों को चंद्रयान अभियान की सफलता से गौरवान्वित किया। सभी देशवासी का सर ऊंचा हुआ।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जी-20 में अफ्रीकी गठबंधन को शामिल कर देश का नाम रोशन हुआ। जी-20 में मधुबनी पेंटिंग और नालंदा का विशेष स्थान रहा। वर्तमान गठबंधन फिर से जंगलराज लायेगा।लालू जी फिर से एक्टिव और नीतीश जी इनएक्टिव हो गए हैं। शाह ने आश्चर्य लहजा में कहा कि यूपीए का नाम बदलने की जरूरत क्यों पड़ी ? नाम बदलने से बिहार को सालों तक पीछे ढकलने वाले नही बदलेंगे। रामचरितमानस की निंदा करने वाले, जन्माष्टमी की छुट्टी रद्द करने वाले और सनातन धर्म को कई सारी गंभीर बीमारी का नाम बताने वाले सही हैं क्या ? अमित शाह ने कहा कि लालू जी के काल में गुंडाराज की वापसी हो चुकी है। बालू माफिया घुस चुके हैं, बम बरामद हो रहे हैं। जदयू के मेल तेल और पानी के मेल जैसा है, ये एक नही हो सकते। तेल पानी को मैला कर देता है। आपने प्रधानमंत्री बनने के लिए जो गठबंधन किया वो आपको भी डूबा देगा।अयोध्या में राममंदिर को सालो तक कांग्रेस, लालू जैसे लोगो ने रोक कर रखा। जनवरी से आप रामलाला का दर्शन भव्य मंदिर में करेंगे। इसका उनको पेट में दर्द है। मोदी जी द्वारा धारा 370 समाप्त करने पर लालू नीतीश की जोड़ी और कांग्रेस को दर्द होता है। अमित शाह ने कहा कि दरभंगा एयरपोर्ट नरेंद्र मोदी जी ने बनाया। यहां 16 लाख लोग पिछले एक साल में यात्रा कर चुके हैं। नीतीश जी एम्स का दिया हुआ 81 एकड़ भूमि अगर वापस नहीं ली होती तो दरभंगा में एम्स बन गया होता। नीतीश जी नए जगह के जमीन को छूकर बताए की यहां एम्स बनाना है। नीतीश जी के कारण 1,250 करोड़ की लागत से बनने वाला एम्स नही बना। नीतीश जी द्वारा ठंडे बस्ते में डाला हुआ कोशी महा सेतु बनाया। नीतीश जी आपने बिहार -शेष पृष्ठ दो पर

सनातन धर्म पर हो रही बयानबाजी हिंदुओं के खिलाफ षड्यंत्र : डॉ. शर्मा

पटना। सनातन धर्म के खिलाफ रोजाना हो रही बयानबाजी को लेकर असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने इसे हिंदुओं के खिलाफ षडयंत्र करार दिया। उन्होंने कहा कि हिंदू सहनशील हैं। दूसरे धर्म के लिए बोलने पर सर तन से जुदा की बात आती है। मैं आपको सर तन से जुदा की धमकी नहीं दूंगा, मैं इतना गिरा नहीं हूं। भगवान से प्रार्थना करूंगा। पटना एयरपोर्ट पर संवाददाताओं से बातचीत करते हुए हिमंत ने कहा कि विपक्षी गठबंधन इंडिया का असली मकसद भारत और हिंदुत्व को कमजोर करना और सनातन के खिलाफ काम करना है। बता दें कि तमिलनाडु में द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेता उदयनिधि के बयान के बाद यह विवाद शुरू हुआ है। यह विवाद पूरे देश में फैल गया है और पक्ष और विपक्षी पार्टी के नेताओं के लगातार बयान आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि गठबंधन का मकसद ही हमारी सभ्यता और संस्कृति को बर्बाद करना है। हिमंत ने कहा कि अगले लोकसभा -शेष पृष्ठ दो पर

अरूणाचल में बादल फटने से आई बाढ़

इटानगर (हि.स.)। अरुणाचल प्रदेश में मेचुखा के पास ल्हालुंग गांव में शनिवार सुबह बादल फटने से विनाशकारी बाढ़ आ गई, जिससे क्षेत्र को काफी नुकसान हुआ है। कम से कम दो हाइडल स्टेशन (जल विद्युत स्टेशन) बुरी तरह प्रभावित हुए हैं, जिससे मेचुखा शहर और इसके आसपास के इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई है। बाढ़ से कृषि क्षेत्रों, खड़ी फसलों, घरों, जल आपूर्ति और पशुधन को काफी नुकसान हुआ है। हालांकि, किसी भी तरह की जनहानि की सूचना नहीं है। विधानसभा -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में स्थिति सामान्य हो रही है : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। पूर्वोत्तर डेमोक्रेटिक एलायंस (एनईडीए) के संयोजक तथा असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंत बिस्व शर्मा ने मणिपुर पर एक सवाल के जवाब में कहा कि राज्य में स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हो रही है। और तीन से चार महीने के भीतर स्थिति पूरी तरह से सामान्य हो जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में मणिपुर की समस्याओं को हल करने के प्रयास किए जा रहे हैं। स्थिति नियंत्रण में है। -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

त्रिपुरा के सीएम ने पीएम से की मुलाकात

नई दिल्ली (हि.स.)। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा ने शनिवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक्स पर मुलाकात की तस्वीर साझा करते हुए यह जानकारी दी। बाद में डॉ. माणिक साहा ने एक्स पर लिखा कि आज नई दिल्ली में भारत के आदर्श प्रधान सेवक नरेंद्र मोदी से मिलकर बेहद सम्मानित महसूस कर रहा हूं। जी20 की अध्यक्षता सफलतापूर्वक संभालने के लिए प्रधानमंत्री को बधाई दी और त्रिपुरा के समग्र विकास के लिए उनका मार्गदर्शन भी प्राप्त किया।

एनआईटी-सिलचर में छात्र की मौत, विरोध प्रदर्शन के हिंसक होने पर लाठीचार्ज, 40 घायल

सिलचर। एनआईटी-सिलचर के तीसरे वर्ष के एक छात्र की कथित तौर पर परिसर में आत्महत्या से मौत हो गई। इस घटना के बाद उसके सहपाठियों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया, जो अंतत: हिंसक हो गया, जिसके बाद पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा, जिसमें 40 लोग घायल हो गए। इसकी जानकारी अधिकारियों ने शनिवार को दी। अरुणाचल प्रदेश के मूल निवासी छात्र का शव शुक्रवार शाम उसके छात्रावास के कमरे में लटका हुआ मिला था। छात्र का शव मिलने के बाद उसके सहपाठियों ने पुलिस को शव उतारने से रोक दिया। सहपाठियों ने आरोप लगाते हुए कि कहा कि कॉलेज प्रशासन के कार्यों के कारण उसे आत्महत्या करने के लिए मजबूर -शेष पृष्ठ दो पर

बाढ़ : अबतक करीब 20 हजार की मौत, दफनाने के लिए कम पड़ी जमीन

ट्राइपोलि। लीबिया के शहर डर्ना में दो बांधों के टूटने के कारण आई भीषण बाढ़ में मरने वालों की संख्या बढ़कर 20,000 के करीब पहुंच गई है जबकि 10 हजार से अधिक लोग लापता हैं। लाशों के इतने ढेर लग गए हैं कि बॉडी बैग्स की कमी पड़ गई है। बाढ़ के लीबिया में भीषण तबाही देख पूरी दुनिया चिंता में पड़ गई है। लीबिया के अधिकारियों ने बाढ़ प्रभावित शहर डर्ना को शुक्रवार को सील कर दिया ताकि बचाव टीम कीचड़ और जमींदोज इमारतों -शेष पृष्ठ दो पर

देश के हर मेडिकल कॉलेज में 2024 के अंत तक होगी अंग प्रत्यारोपण की सुविधा : मांडविया

आगरा (हि.स.)। प्रधानमंत्री के जन्मदिन के उपलक्ष्य में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया और स्वास्थ्य राज्यमंत्री प्रो. एसपी सिंह बघेल की उपस्थिति में आगरा में देश में पहली बार अंगदान संकल्प कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने 23 एकीकृत सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयोगशालाओं और 87 ब्लॉक सार्वजनिक स्वास्थ्य इकाइयों की आधारशिला रखी तथा सरोजिनी नायडू मेडिकल कॉलेज में सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक का उद्घाटन और अंगदान रजिस्ट्री का अनावरण किया। आगरा के जीआईसी ग्राउंड में आयोजित अंगदान संकल्प कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. मांडविया ने कहा कि अंगदान से बड़ा कोई पुण्य का काम नहीं है। जीते जी देश के नागरिकों को रक्तदान करना चाहिए और मृत्यु के बाद अंगदान -शेष पृष्ठ दो पर

हिमंत परिवार ने कृषि भूमि खरीदी और उसे औद्योगिक संपत्ति में तब्दील किया : गौरव

गोलाघाट। लोकसभा में कांग्रेस के उप नेता गौरव गोगोई ने मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के परिवार के स्वामित्व वाली एक मीडिया कंपनी द्वारा कृषि भूमि खरीदे जाने और बाद में कम समय में ही उसे औद्योगिक भूमि में तब्दील कर देने के आरोपों की जांच की मांग की है। गोगोई ने संवाददाताओं से कहा कि जमीन का अधिग्रहण और मुख्यमंत्री की पत्नी के स्वामित्व वाली कंपनी को सरकारी अनुदान देना बहुत ही गंभीर मामला है। उन्होंने कहा कि हालिया घटनाक्रम के मद्देनजर शर्मा को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना चाहिए। गोगोई ने कहा कि जिस तेजी से इस मामले में लेन देन हुई, उसे देखते हुए विस्तृत जांच की जरूरत है ताकि पारदर्शिता कायम रखी -शेष पृष्ठ दो पर

भोपाल में इंडिया गठबंधन की पहली रैली रद्द

नई दिल्ली। सोनिया गांधी, राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लीकार्जुन खरगे हैदराबाद पहुंच चुके थे। पार्टी के प्रवक्ता पवन खेड़ा पत्रकारों से बात कर रहे थे। एक न्यूज चैनल के पत्रकार ने पूछा हैदराबाद में ही कांग्रेस की वर्किंग कमेटी की बैठक क्यों ? इसके जवाब में उन्होंने कहा तेलंगाना में चुनाव है। फिर दूसरा सवाल आया चुनाव तो भोपाल में भी है। खेड़ा ने कहा भोपाल में इंडिया गठबंधन की पहली साझा रैली हो रही है। उसी समय भोपाल में कांग्रेस पार्टी की एक प्रेस कांफ्रेंस हो रही थी। एमपी के प्रभारी और पार्टी के सीनियर लीडर रणदीप सूरजेवाला पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। इसी दौरान एक सवाल आया कि भोपाल में गठबंधन की रैली कब होगी ? सूरजेवाला ने बताया कि अभी रैली की तारीख तय नहीं हुई है। जब फाइनल हो जाएगा तो आप सबको बता दिया जाएगा। प्रेस कान्फ्रेंस खत्म होने के बाद एमपी के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ मंच से नीचे उतरे तो कुछ टीवी पत्रकारों ने उनके सामने माइक लगा दिया। सवाल जवाब होने लगे। एक पत्रकार ने पूछा भोपाल वाली रैली कब होगी तो एमपी कांग्रेस के अध्यक्ष कमलनाथ ने कहा रैली नहीं होगी। फिर पूछा गया कि रैली नहीं होगी तो कमलनाथ ने जवाब में कहा कि रैली कैंसिल हो गई है। ये सुनकर सब हैरान रह गए। जिस समय हैदराबाद में ये दावा किया जा रहा था कि भोपाल -शेष पृष्ठ दो पर

सनातन धर्म के खिलाफ बोलने से पहले इसे समझ लेना चाहिए : आरएसएस

पुणे। सनातन धर्म को लेकर जारी राजनीतिक विवाद के बीच राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संयुक्त महासचिव मनमोहन वैद्य ने शनिवार को कहा कि जो लोग सनातन धर्म को खत्म करने की बातें कर रहे हैं, उन्हें ऐसी बयानबाजी से पहले इसकी परिभाषा समझनी चाहिए। पुणे में संघ की समन्वय बैठक हुई। इस बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए मनमोहन वैद्य ने कहा कि भारत एक अध्यात्मिक लोकतंत्र है। बता दें कि हाल ही में डीएमके नेता उदयनिधि स्टालिन और ए राजा ने दावा किया था कि सनातन धर्म, समाज में बंटवारे को बढ़ावा देता है, इसलिए -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD,
S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866,
94018-06952

संसद के विशेष सत्र की पूर्व संध्या पर सर्वदलीय बैठक

सभी दलों के नेताओं से विचार-विमर्श करेगी सरकार

नई दिल्ली। संसद के आगामी विशेष सत्र से पहले सरकार ने रविवार को एक सर्वदलीय बैठक बुलाई है। इस बैठक में पांच दिवसीय विशेष सत्र के बारे में सरकार सभी दलों के नेताओं को जानकारी देगी और उनके साथ विचार-विमर्श करेगी। बता दें कि विशेष सत्र के एजेंडे को लेकर सियासत गर्मायी हुई है और इस बात पर जमकर चर्चा हो रही है कि सरकार कोई चौंका देने वाला प्रस्ताव पेश कर सकती है। हालांकि, सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि पांच दिवसीय सत्र में कौन-कौन से विधेयकों पर चर्चा होगी। सोमवार से शुरू होने वाले सत्र ने सभी को आश्चर्यचकित कर दिया है, भले ही सूचीबद्ध एजेंडे में संविधान सभा से शुरू होने वाली संसद की 75 वर्षों की यात्रा पर एक विशेष चर्चा होगी। सरकार के एजेंडे में मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति पर विधेयक को भी सूचीबद्ध किया गया है। यह विधेयक पिछले मानसून सत्र के दौरान राज्यसभा में पेश किया गया था। हालांकि, सरकार को संसद में कुछ नए कानून या अन्य आइटम पेश करने का विशेषाधिकार भी प्राप्त है और यह सूचीबद्ध एजेंडे का हिस्सा नहीं हो सकते हैं, लेकिन किसी भी संभावित नए कानून पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। परंतु लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिला आरक्षण सुनिश्चित करने वाले विधेयक पर थोड़ी बहुत चर्चा जरूर हुई है। भारत की अध्यक्षता में राष्ट्रीय राजधानी स्थित *भारत मंडपम* में जी-20 शिखर सम्मेलन का सफल आयोजन हुआ। ऐसे में सत्ता पक्ष के बीच जी-20 शिखर सम्मेलन का मुद्दा चर्चा के केंद्र में रहने वाला है। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने सत्र का एलान करते हुए इसे *विशेष सत्र* बताया था, लेकिन सरकार ने बाद में इसे नियमित सत्र करार दिया था।

31 शहरों में एनआईए की रेड

अरबी सिखाने की आड़ में चल रही आईएसआईएस के आतंक की पाठशाला

नई दिल्ली। दक्षिण भारत के कई राज्यों में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की छापेमारी में *आतंक* की पाठशाला को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। वैश्विक आतंकी संगठन, आईएसआईएस-प्रेरित भर्ती अभियान को विफल करने के लिए जांच एजेंसी ने तमिलनाडु और तेलंगाना में 31 स्थानों पर छापेमारी की है। छापों के दौरान जो भी आपत्तिजनक सामग्री बरामद हुई है, उससे मालूम पड़ता है कि आईएसआईएस, भारत में भोले-भाले युवाओं को गुमराह कर उन्हें कट्टरपंथ के रास्ते पर लाने की कोशिश कर रहा है। युवाओं की भर्ती के लिए नए-नए तरीके खोजे जा रहे हैं। इसके लिए विभिन्न शहरों में स्टडी सेंटर खोले गए हैं। वहां पर *अरबी* सिखाने की आड़ में *आईएसआईएस* आतंकी की पाठशाला चलती है। इन पाठशालाओं में *खिलाफत* विचारधारा का प्रचार-प्रसार हो रहा था। बाद में इन्हीं पाठशालाओं से निकले युवा, आतंक के रास्ते पर चलते हैं। वे भारत की एकता और अखंडता को तोड़ने की कोशिश करते हैं। एनआईए के मुताबिक, आईएसआईएस के भर्ती अभियान और उसकी भावी प्लानिंग के मद्देनजर, शनिवार को तमिलनाडु व तेलंगाना में 31 स्थानों पर रेड की गई है। छापेमारी में भारतीय और विदेशी मुद्रा के साथ-साथ कई डिजिटल उपकरण और दस्तावेज जब्त किए गए हैं। आतंकवाद रोधी एजेंसी ने तमिलनाडु और तेलंगाना में मोबाइल फोन, लैपटॉप और हार्ड डिस्क बरामद की है। इसमें मौजूद डाटा की जांच की जा रही है। तलाशी के दौरान भारतीय मुद्रा में 60 लाख रुपए और 18,200 अमेरिकी डॉलर के अलावा स्थानीय और अरबी भाषाओं में कई आपत्तिजनक किताबें भी जब्त की गई हैं। यह छापेमारी टीएन आईएसआईएस कट्टरपंथ और भर्ती मामले (आरसी-01/2023/एनआईए/सीएचई) में शामिल संदिग्धों के परिसरों पर की गई है। कोयंबटूर में 22 स्थानों, चेन्नई में तीन और तमिलनाडु के तेनकासी जिले के कदैयानल्लूर में एक स्थान पर छापेमारी की गई है।

मंत्री पीजूष का अखिल गोगोई से सवाल

तरुण गोगोई की जमीन को लेकर आपका क्या कहना है?

गुवाहाटी (हिंस)। राज्य के सूचना एवं प्रसारण आदि मामलों के मंत्री पीयूष हजारिका ने कृषक नेता और वर्तमान विधायक अखिल गोगोई की जमकर आलोचना की है। उन्होंने कहा कि अखिल गोगोई कभी कांग्रेस और तत्कालीन मुख्यमंत्री तरुण गोगोई के विरुद्ध प्रेस कांफ्रेंस करके तरुण गोगोई के पास नामी और बेनामी अपार संपत्ति होने का दवा रहे थे। इस सिलसिले में मंत्री हजारिका ने सोशल मीडिया पर अखिल गोगोई के प्रेस कांफ्रेंस का एक पुराना वीडियो साझा करते हुए पूछा, *अखिल गोगोई, इस संबंध में आपकी वर्तमान स्थिति क्या है?* संवाददाता सम्मेलनों में किसान नेता ने तत्कालीन मुख्यमंत्री तरुण गोगोई के बारे में कुछ विस्फोटक टिप्पणी की थी। संवाददाता सम्मेलन में दिवंगत मुख्यमंत्री तरुण गोगोई पर निशाना साधते हुए विधायक अखिल गोगोई ने तथ्यों के साथ यह साबित करने की कोशिश की थी कि कैसे दिवंगत मुख्यमंत्री ने विदेश में करोड़ों रुपए की संपत्ति अर्जित की है। फोटो और अन्य तथ्यों और सबूतों का हवाला देते हुए अखिल गोगोई ने दावा किया था कि गोगोई की सफेद पोशाक पर काले धब्बे हैं। अखिल के मुताबिक, तरुण गोगोई के पास अपनी बेटी चंद्रिमा गोगोई, दामाद प्रसेनजीत फुकन और पत्नी डॉली गोगोई के नाम पर अमेरिका के अलग-अलग संभ्रांत इलाकों में पांच घर है। अखिल गोगोई ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा था कि अमेरिका में तरुण गोगोई की संपत्ति 17 करोड़ 88 लाख 45 हजार 50 रुपए की है। इस विस्फोटक जानकारी को साझा करते हुए, अखिल गोगोई ने दावा किया था कि कई असमिया प्रवासियों ने विदेश में इस संपत्ति को हासिल करने में तरुण गोगोई की मदद की थी।

गुवाहाटी में 5 और साइबर अपराधी गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। लोगों को ठगने वाले गिरोह के खिलाफ गुवाहाटी पुलिस का अभियान जारी है। असम पुलिस की सुरक्षा और अपराध शाखा ने शुक्रवार की रात राजधानी के के एबीसी स्थित जुपिटर पैलेस में स्थित एक कॉल सेंटर पर छापेमारी की। संयुक्त अभियान के दौरान ठगी में शामिल कम से कम पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अरिंदम सिन्हा नामक व्यक्ति लंबे समय से इस कॉल सेंटर में काम कर रहा था। इस चैंबर से एक लंबी सूची तैयार की गई है। इस सूची के आधार पर कई युवाओं को हिरासत में लिए जाने की संभावना है। इसके अलावा गुवाहाटी में 8 जगहों पर स्थित अवैध कॉल सेंटर को हटा दिया गया है। इन कॉल सेंटरों पर पहले भी ऑनलाइन मोड के जरिए देश-विदेश में लोगों को ठगने के आरोप लगते रहे हैं। इस शिकायत के आधार पर पुलिस और क्राइम ब्रांच ने दो दिन तक इसके खिलाफ संयुक्त अभियान जारी रखा। पुलिस पहले भी ठगी करने वाले एक बड़े गिरोह का पर्दाफाश कर चुकी है। उल्लेखनीय है कि साइबर जालसाज पिछले दो साल से ऑनलाइन मोड के जरिए अलग-अलग लोगों से पैसे निकाल रहे हैं। पुलिस इस मामले में तीन लोगों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। आरोपितों के नाम राजन सिदाना, दिव्यम अरोड़ा और देबज्योति दे है।

पुष्कर में इजरायली मना रहे रोश हशनाह

अजमेर/ पुष्कर (हिंस)। तीर्थनगरी पुष्कर स्थित इजरायलियों के धार्मिक स्थल बेदखबाद पर इजरायल का प्रमुख त्योहार रोश हशनाह धार्मिक उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। बेदखबाद पर राजस्थान भ्रमण के लिए आए इजरायली सैलानियों का जमावड़ा है। रोश हशनाह की पूर्व संध्या पर शुक्रवार को बेदखबाद में उत्सव की शुरुआत हुई। इजरायली परम्परा के अनुसार पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुए। इजरायली पर्यटक इस खास अवसर पर बेदखबाद में मौजूद रहे। देररात सामूहिक भोज हुआ। आज पूजा-अर्चना, सांस्कृतिक कार्यक्रम और सामूहिक भोज के बाद त्योहार का समापन होगा।

आपराधिक प्रकरण लंबित रहने के चलते नियुक्ति नहीं देने पर मांगा जवाब

जयपुर (हिंस)। राजस्थान हाईकोर्ट ने चयन के बाद भी आपराधिक प्रकरण लंबित रहने के चलते टेक्निकल हेल्पर के पद पर नियुक्ति नहीं देने पर विद्युत विभाग के सीएमडी और अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के अधिकारियों से जवाब तलब किया है। जस्टिस सुदेश बंसल की एकलपीठ ने यह आदेश राजेंद्र कुमार की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने इन अधिकारियों से पूछा है कि क्यों ना याचिकाकर्ता को पद पर नियुक्त करने के आदेश दिए जाए। याचिका में अधिवक्ता सुनीता सैनी ने अदालत को बताया कि अजमेर डिस्कॉम ने टेक्निकल हेल्पर के पद पर वर्ष 2019 में भर्ती निकाली थी। जिसमें याचिकाकर्ता का चयन हो गया था। इसके बावजूद भी अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड ने उसे यह कहते हुए नियुक्ति देने से मना कर दिया कि उसके खिलाफ थाने में आपराधिक मामला दर्ज है। इसे चुनौती देते हुए अदालत को बताया गया कि याचिकाकर्ता के खिलाफ सामान्य मारपीट को लेकर मामला दर्ज किया गया था। सिर्फ आपराधिक प्रकरण लंबित रहने के आधार पर ही किसी को चयन से वंचित नहीं किया जा सकता। नियमानुसार जब तक अदालत किसी आपराधिक प्रकरण में अभ्यर्थी को दोष सिद्ध ना कर दे, तब तक उसे नियुक्ति से वंचित नहीं किया जा सकता।

पृष्ठ एक का शेष

सेना के अंदर ...

वहीं, कांग्रेस भी हिंदुत्व की राह चल रही है। इस सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि राहुल गांधी आज हिंदू हृदय सम्राट बन सकते हैं, बस वो अनाउंस कर दें कि डीएमके के साथ हमारा कोई संबंध नहीं, उदयनिधि स्टालिन के साथ चुनाव नहीं लड़ेंगे। प्रियंक खड़गे को हम मंत्री बने नहीं रहने देंगे। इतना ही बोल दे राहुल गांधी, तो मैं भी उनको प्रणाम करूंगा। अगर आज मुस्लिम के खिलाफ स्टालिन ऐसा बोले होते तो राहुल गांधी सुबह ही बोल देते थे हमारा उनसे कोई संबंध नहीं है। क्या हिंदू सिर तन से जुदा नहीं कर सकता तो ऐसे ही हिंदू को गाली देते रहेंगे। राहुल जी आप कभी हिंदू के पास वोट मांगने मत जाइएगा, जब तक डीएमके के साथ गठबंधन है। एनसीपी लीडर जितेंद्र अवाना भाजपा के सनातन सनातन कहने पर बयान दिया कि गांधी को मारने वाले को हिंदू सनातनी थे। इस पर पलटवार करते हुए सीएम विश्व शर्मा ने कहा कि इस देश में मुंबई में बॉम ब्लॉस्ट किया वो भी तो मुसलमान हैं। कसाब मुसलमान है तो मैं मानता हूं गांधी जी को मारने वाले हिंदू थे। लेकिन टेरर फैलाने वाले मुसलमान भी थे, अच्छे और बुरे सभी जगह है। कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने कहा था कि कमलनाथ की चमचा गिरी करते असम के सीएम हिमंत को देखा है। इस पर पलटवार करते हुए शर्मा ने कहा कि चमचागिरी क्या होता है, लेकिन कमलनाथ जी मैं चमचागिरी करूं तो मैं तैयार हूं, बस वो भाजपा में आ जाएं। उधर जन आशीर्वाद यात्रा में शामिल होने आए असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होने कांग्रेस नेताओं पर जमकर महिला बोला। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व शर्मा ने कहा कि कमलनाथ जन्मदिन पर हनुमान जी की फोटो लगे केक काटते हैं और खुद को हनुमान भक्त बताते हैं। हनुमान जी भी देखते होंगे तो राम जी से बोलेंते होंगे कि भगवान राम मुझे इतनी शक्ति दीजिए कि ऐसा भक्त ना मिले जो कहीं श्रीराम मंदिर बनने नहीं देता है। उनको हनुमान का नाम लेने का क्या अधिकार है? मैं कमलनाथ जी से पूछना चाहता हूं कि आप जब केंद्र में मिनिस्टर थे तो उस समय अपने अयोध्या में राम मंदिर बनाने का काम क्यों नहीं किया? वहीं राहुल गांधी पर हमला बोलते हुए असम के सीएम ने कहा कि राहुल गांधी कहते हैं मैं मोहब्बत की दुकान चलाता हूं, लेकिन तुम ही लोगों ने भारत में नफरत फैलाया। भारत का माहौल हिंदू लोगों के विरोध में बनाया। तुम ही लोग आज भारत का माहौल खराब कर रहे हो और बोलते हो कि मैं मोहब्बत की दुकान चलाता हूं। भाई तुम्हारी दुकान में कोई कस्टमर नहीं जाएगा। अपनी मोहब्बत की दुकान घर में रखो। हमारा तुम्हारी मोहब्बत की दुकान से कोई संबंध नहीं है। हमारा देश प्यार और मोहब्बत के ऊपर ही चलता था, है और रहेगा।

विश्वकर्मा योजना से ...

सहायता प्रदान करने पर निरंतर ध्यान केंद्रित रहा है। यह फोकस न केवल कारीगरों और शिल्पकारों को आर्थिक रूप से सहायता प्रदान करने बल्कि स्थानीय उत्पादों, कला और शिल्प के माध्यम से सदियों पुरानी परंपरा, संस्कृति और विविध विरासत को जीवित और समृद्ध बनाए रखने की इच्छा से भी प्रेरित है। पीएम विश्वकर्मा को 13,000 करोड़ रुपए के परिव्यय के साथ केंद्र सरकार द्वारा पूरी तरह से वित्त पोषित किया जाएगा। इस योजना के तहत, बायोमेट्रिक आधारित पीएम विश्वकर्मा पोर्टल का उपयोग करके सामान्य सेवा केंद्रों के माध्यम से विश्वकर्माओं का निःशुल्क पंजीकरण किया जाएगा। उन्हें पीएम विश्वकर्मा प्रमाण पत्र और आईडी कार्ड, मूलभूत और उन्नत प्रशिक्षण से जुड़े कौशल उन्नयन, 15,000 रुपए का टूलकिट प्रोत्साहन, 5 प्रतिशत की रियायती ब्याज दर पर 1 लाख रुपए (पहली किश्त) और 2 लाख रुपए (दूसरी किश्त) तक संपार्श्विक-मुक्त ऋण सहायता, डिजिटल लेनदेन के लिए प्रोत्साहन और विपणन सहायता के माध्यम से मान्यता प्रदान की जाएगी। इस योजना का उद्देश्य गुरु-शिष्य परंपरा या अपने हाथों और औजारों से काम करने वाले विश्वकर्माओं द्वारा पारंपरिक कौशल के परिवार-आधारित प्रथा को मजबूत और पोषित करना है। पीएम विश्वकर्मा का मुख्य फोकस कारीगरों और शिल्पकारों के उत्पादों और सेवाओं की पहुंच के साथ-साथ गुणवत्ता में सुधार करना और यह सुनिश्चित करना है कि वे घरेलू और वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं के साथ एकीकृत हों। यह योजना पूरे भारत में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के कारीगरों और शिल्पकारों को सहायता प्रदान करेगी। पीएम विश्वकर्मा के अंतर्गत अठारह पारंपरिक शिल्पों को शामिल किया जाएगा। इनमें बढ़ई, नाव निर्माता, कवचधारी, लोहार, हथौड़ा और टूल किट निर्माता, ताला बनाने वाला, सुनार, कुम्हार, मूर्तिकार, पत्थर तोड़ने वाला, मोची (जूता/जूता कारीगर), मेसन (राजमिस्त्री), टोकरी/चटाई/झाड़ू निर्माता/कॉयर बुनकर, गुड़िया और खिलौना निर्माता (पारंपरिक), नाई, माला बनाने वाला, धोबी, दर्जी, और मछली पकड़ने का जाल बनाने वाले शामिल हैं।

पीएम पद का ...

को 10 साल में 2 लाख दिया। मोदी जी ने 5,92,000 करोड़ 9 साल में दिया।गंगा नदी पर महात्मा गांधी सेतु और मोकामा के राजेंद्र पुल के समानांतर पुल हम बनवा रहे हैं। 1500 करोड़ से कोशी पर एक और पुल बनवा रहे हैं। हमने 9 करोड़ लोगो को मुफ्त में अनाज दिया। 40 लाख लोगो को आवास व गैस दिया। पूरे देश में सभी को फ्री में कोरोना का टीका लगवाया। गृहमंत्री ने कहा कि च पर क्षेत्रीय विधायक पूर्व मंत्री नीतीश मिश्रा ने गृहमंत्री को भव्य स्वागत किया व पेंटिंग भेंट की। दरभंगा मधुबनी सहरसा जिला के भाजपा जनप्रतिनिधि मुस्तैद दिखे।

सनातन धर्म पर ...

चुनाव में सभ्यता की लड़ाई होगी और भारत के लोग सनातन को सुरक्षित रखेंगे। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म के खिलाफ दिए गए बयान से साफ है कि विपक्षी पार्टियों का गठबंधन हमारी सभ्यता और संस्कृति को समाप्त करना चाहता है और इसी इरादे से गठबंधन बनाया गया है। वास्तव में लोकसभा का यह चुनाव सभ्यता की लड़ाई है, जिसे लोग बचाने के लिए वोट देंगे। हिमंत के मुताबिक विपक्ष चाहे जितनी भी कोशिश कर ले लोकसभा चुनाव में उन्हें कुछ हासिल होने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि मेरा यह मानना है कि अभी देश में जो माहौल बना है, उस माहौल में गलती से कांग्रेस आ गई। तमिलनाडु से जो माहौल बना है, वो पूरे देश में माहौल हो जाएगा। उन्होंने कहा कि जबसे यह गठबंधन बना है, तब से हिंदुओं के खिलाफ एक मोर्चा खोल लिया है। अब यह चुनाव हमारी पांच हजार साल पुरानी सभ्यता की लड़ाई हो गया है। यह बड़ा मुद्दा बन गया है। कुछ मीडिया एंकरों पर बैन लगाने पर हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि यह उनका एक नशा है। मीडिया को सेंसर करने का ये नया नहीं है, लेकिन ठीक समय में इसरो ने चंद्रयान बना लिया है। पूरी कांग्रेस पार्टी को मैं चांद पर भेज दूंगा। वहीं जाकर सरकार बनाओ और उधर ही जाकर मीडिया को बैन करो। ये बच्चों की तरह हरकतें कर रहे हैं। मीडिया के साथ विपक्ष कट्टी-कट्टी खेल रहा है। इस अवसर राज्य मंत्री लेखी ने भी सनातन धर्म को लेकर विपक्षी दलों को आड़े हाथ लिया। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म प्रजातंत्र एवं स्वतंत्रता को बढ़ावा देता है। सभी इस रास्ते को चुनने के लिए स्वतंत्र हैं, लेकिन विपक्षी पार्टियां वंशवाद पर विश्वास करती है। इसलिए उन्हें यह अलोकतांत्रिक लगता है।

अरूणाचल में बादल ...

अध्यक्ष एवं स्थानीय विधायक पीडी सोना ने स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए जिला प्रशासन को तत्काल कार्रवाई करने और प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया है। उन्होंने जिला प्रशासन को तत्काल क्षति का आकलन करने का भी निर्देश दिया। इसके अलावा, विधायक ने पॉवर एंड पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट (पीएचईडी) को जल्द से जल्द सामान्य स्थिति को बहाल करने की प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया। इस बीच उन्होंने फोन पर मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री को भी स्थिति के बारे में बताया और इस संकट से निपटने के लिए तत्काल सहायता मांगी। ल्हालुंग गांव में स्थित हाइडल स्टेशन मेचुखा शहर और इसके आसपास के क्षेत्रों के लिए बिजली आपूर्ति की जीवन रेखा के रूप में काम करता है।

मणिपुर में स्थिति ...

मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने कहा कि मणिपुर का संघर्ष कोई नया नहीं है। मणिपुर में संघर्षों का लंबा इतिहास रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के दिनों में वहां 12 से 15 बार इस प्रकार के संघर्ष हो चुके हैं। इन संघर्षों में 16 सौ तक लोग मारे जा चुके हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि वे कांग्रेस और भाजपा की बात कह कर मणिपुर की समस्या पर राजनीति करना नहीं चाहते हैं। मणिपुर में भूमि को लेकर कुछ अलग समस्याएं हैं। वहां की भौगोलिक सीमा के साथ ही म्यांमार की सीमा से जुड़े होने के कारण विभिन्न प्रकार के अलग-अलग मुद्दे हैं। इन्ही मुद्दों की वजह से बीच-बीच में इस प्रकार के संघर्ष हुआ करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इस समस्या का स्थायी समाधान करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। वहां शीघ्र ही सांप्रदायिक सौहार्द लौट आएगा।

एनआईटी-सिलचर में ...

होना पड़ा। दो घंटे बाद, जैसे ही पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने में कामयाब रही, छात्रों ने परिसर में शिक्षाविदों के डीन बीके रॉय के आधिकारिक आवास के सामने प्रदर्शन शुरू कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि रॉय ने उस पीड़ित छात्र का अपमान किया था, जिसे पहले सेमेस्टर की परीक्षा में छह बैकलॉग मिले थे, जो महामारी के कारण 2021 में ऑनलाइन आयोजित की गई थी। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन के कारण, वह घर पर था और इंटरनेट कनेक्टिविटी की कमी के कारण ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेने में विफल रहा, जिसके परिणामस्वरूप बैकलॉग हो गया। उन्होंने अधिकारियों से एक विशेष परीक्षा आयोजित करने की अपील की थी ताकि वह बैकलॉग को क्लियर कर सकें लेकिन रॉय ने कथित तौर पर उनका अपमान किया। उन्होंने बताया कि इस घटना के बाद उन्होंने खुद को अपने कमरे में बंद कर लिया और बाद में उनका शव लटका हुआ पाया गया। कछार के पुलिस अधीक्षक नुमल महत्ता ने कहा कि मौत पर विरोध बढ़ गया और छात्रों ने कथित तौर पर रॉय के आवास में तोड़फोड़ की। उन्होंने कहा, उन्होंने पुलिस और अन्य अधिकारियों पर भी हमला किया। एक समय तो स्थिति को नियंत्रित करने के लिए हमें लाठीचार्ज करना पड़ा। हम अब मामले की जांच कर रहे हैं। लाठीचार्ज में 40 छात्र घायल हो गए और उन्हें इलाज के लिए सिलचर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (एसएमसीएच) भेजा गया। अधिकारियों ने बताया कि कुछ छात्रों की हालत गंभीर बताई जा रही है। एनआईटी-सिलचर के निदेशक दिलीप कुमार बैद्य ने कहा कि उन्हें मरने वाले छात्र के प्रति सहानुभूति है, लेकिन उनका शैक्षणिक रिकॉर्ड खराब था। घटना पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि कुछ छात्र असफल हो जाते हैं और वे नाजायज मांगें लेकर आते हैं। कछार के जिला आयुक्त रोहन कुमार झा ने परिसर का दौरा किया और एक समिति का गठन किया जो घटना की जांच करेगी। हालांकि, छात्रों ने कहा कि वे लोकतांत्रिक तरीके से अपना विरोध जारी रखेंगे। एसपी ने कहा कि सीआरपीएफ की एक कंपनी के साथ परिसर में एक बड़ी पुलिस टुकड़ी तैनात की गई थी।

बाढ़ : अबतक करीब 20 ...

के मलबे से उन 10 हजार लोगों को खोज पाएं, जिनके लापता होने या मारे जाने की आशंका है। इस बीच, बाढ़ के चलते मरने वालों की संख्या बढ़कर 20 हजार से ज्यादा हो गई है। बांध टूटने से आई बाढ़ कारण लीबिया का रेगिस्तानी शहर डर्ना पानी में डूब गया और घरों में पानी और कीचड़ भर गया। शहर में दफनाने के लिए जमान कम पड़ने कारण मिट्टी और मलबे दबे शव सड़ते-गलते जा रहे हैं जिस कारण यहां बीमारियां फैलने का खतरा मंडरा रहा है। विदेशी मीडिया इसे किसी परमाणु बम हमले की तरह मान रही है।सवा लाख की आबादी वाला डर्ना शहर अब पूरी तरह से बर्बाद हो चुका है। चारों तरफ टूटी इमारतें, कीचड़, कारों के ऊपर लदी कारें दिख रही हैं। अधिकारियों ने मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई है। सोमवार तड़के भूमध्यसागर से उठे तूफान *डेनियल* के कारण हुई मूसलाधार बारिश के चलते डर्ना में दो बांध ढह गए थे। पूर्वी लीबिया में एम्बुलेंस और आपातकालीन सेवा के महानिदेशक सलाम अल-फरगनी ने गुरुवार देर रात घोषणा की कि आपातकालीन कर्मचारियों को उनका काम करने देने के लिए, निवासियों को शहर से निकाला जा रहा है और केवल खोज व बचाव टीमों को ही प्रवेश करने की अनुमति दी जाएगी। बाढ़ में 40 हजार से ज्यादा लोगों के मरने की आशंका जताई जा रही है। लीबियाई रेड क्रिसेंट ने कहा कि गुरुवार तक डर्ना में 20,300 लोग मारे गए हैं और अन्य 10,100 लोग लापता बताए गए हैं। तूफान के चलते देश के अन्य हिस्सों में भी लगभग 170 लोगों की मौत हो गयी। अधिकारियों ने कहा है कि लीबिया की राजनीतिक अराजकता के चलते ज्यादा लोगों की जान गई है। संयुक्त राष्ट्र की एक अधिकारी लोरी हाइबर गिरार्डेट ने गुरुवार को एसोसिएटेड प्रेस से कहा कि सरकारी संस्थान उस तरह से काम नहीं कर रहे हैं जिस तरह उन्हें करना चाहिए।

देश के हर मेडिकल...

करना चाहिए। अंगदान के माध्यम से किसी व्यक्ति की मृत्यु के बाद दूसरे व्यक्ति को नया जन्म मिलता है। उन्होंने कहा कि 2024 के अंत तक देश के हर मेडिकल कालेज में अंग प्रत्यारोपण की सुविधा मिल सके, इसके लिए मशीनों की खरीद, डाक्टरों की उपलब्धता और ट्रेनिंग सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि जो भी अस्पताल अंग प्रत्यारोपण की सुविधा अपने यहां खोलना चाहेंगे उन्हें केद्र सरकार की तरफ से सवा करोड़ रुपए की आर्थिक मदद दी जाएगी। उन्होंने कहा कि अंगदान के बाद मरीज को जीवन भर दवाइयां खानी पड़ती हैं, कई टेस्ट कराने पड़ते हैं इसके लिए उस मरीज को केंद्र सरकार की तरफ से प्रतिमाह 10 हजार रुपए की आर्थिक मदद दी जाएगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य अंगदान को 02 से बढ़ाकर 60 प्रतिशत करना है। डॉ. मांडविया ने कहा कि देश के 60 करोड़ लोगों को 5 लाख तक की मुफ्त इलाज की गारंटी मोदी सरकार दे रही है। आयुष्मान भव: अभियान के तहत 17 सितंबर से 2 अक्तूबर तक सेवा पखवाड़ा चलेगा जिसमें अधिक से अधिक लोगों को आयुष्मान कार्ड बनवाना चाहिए। पहले देश के युवाओं को एमबीबीएस की पढ़ाई के लिए विदेश जाना पड़ता था लेकिन मोदी सरकार में पिछले नौ साल में एमबीबीएस की सीटों की संख्या दो गुनी हो गयी है। पहले 54000 सीटें थीं जो कि अब बढ़कर एक लाख सात हजार हो गई हैं। वीडियो संदेश के माध्यम से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सरकार ने हमेशा नागरिकों के स्वास्थ्य और भलाई को सर्वोच्च महत्व दिया है। अंगदान प्रतिज्ञा पहल की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि अंगदान करने से दूसरे व्यक्ति को नया जीवन मिल सकता है।

हिमंत परिवार ने कृषि...

जा सके और नैतिक मानक अक्षुण्ण रहे। मुख्यमंत्री की पत्नी की कंपनी को कथित तौर पर एक योजना के तहत केंद्र सरकार द्वारा 10 करोड़ रुपए की *क्रेडिट सब्सिडी* दिए जाने का मामला बुधवार को सामने आने के बाद से ही गोगोई और शर्मा के बीच सोशल मीडिया मंच *एक्स* परजुबानी जंग चल रही है। मुख्यमंत्री शर्मा का कहना है कि न तो उनकी पत्नी को और न ही जिस कंपनी से वह जुड़ी हैं, उसे भारत सरकार से रकम मिली है। उन्होंने कहा कि अगर सब्सिडी मिलने का आरोप साबित हो जाता है तो वह सार्वजनिक जीवन से सन्यास लेने सहित कोई भी सजा भुगतने को तैयार हैं।

भोपाल में इंडिया...

में इंडिया गठबंधन की पहली रैली होगी, ठीक उसी समय भोपाल में कमलनाथ बता रहे थे कि रैली अब नहीं होगी। आखिर ऐसा क्या हो गया कि अब रैली न करने का ऐलान हो गया है। फिर सवाल ये उठता है कि इस फैसले की जानकारी कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक के लिए हैदराबाद पहुंचे कुछ नेताओं को क्यों नहीं थी। भोपाल में रैली रद्द करने के कांग्रेस के फैसले की जानकारी इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों को भी नहीं थी। न तो समाजवादी पार्टी के नेता को ये पता था और न ही जेडीयू के नेताओं को। आम आदमी पार्टी के नेता भी सन्नाटे में थे। जितने मुंह, उतनी ही बातें। जनाक्रोश यात्रा निकालने को लेकर भोपाल में जो प्रेस कांफ्रेंस बुलाई गई थी, उसमें रणदीप सूरजेवाला ने खुद बताया था कि अभी रैली की तारीख तय नहीं हुई। इसका मतलब तो यही निकाला जा सकता है कि तब तक रैली होने की बात थी। फिर अचानक ऐसा क्या हुआ कि दस मिनट बाद कमलनाथ ने रैली कैंसिल होने की घोषणा कर दी। जबकि इंडिया गठबंधन की सर्वोच्च संस्था कोआर्डिनेशन कमेटी ने अपनी पहली बैठक में भोपाल में पहली रैली करने का ऐलान किया था। इस फैसले की जानकारी भी कांग्रेस के संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल ने दी थी। गठबंधन की कोआर्डिनेशन कमेटी की पहली बैठक दिल्ली में शरद पवार के घर पर 13 सितंबर को हुई थी। इंडिया गठबंधन की कई सहयोगी पार्टियों के नेताओं ने सुझाव दिया कि साझा रैली चुनावी राज्यों में न किया जाए। गठबंधन की कैंपेन कमेटी की मीटिंग में आम आदमी पार्टी से लेकर समाजवादी पार्टी तक का यही सुझाव था। एमपी में समाजवादी पार्टी और आप ने भी कुछ सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े कर दिए हैं। ऐसे में कुछ सीटों पर इंडिया गठबंधन के घटक दलों में ही चुनावी लड़ाई तय है। जबकि वहां असली मुकाबला कांग्रेस और बीजेपी में है। इसीलिए कांग्रेस को छोड़ कर बाकी पार्टियां चुनावी राज्यों में रैली न कराने के पक्ष में थी। कैंपेन कमेटी में फैसला नहीं हो पाया तो तीसरी बैठक रद्द कर दी गई। आखिरी फैसला कोआर्डिनेशन कमेटी पर छोड़ दिया गया। कमेटी ने भोपाल में पहली रैली करने का फैसला कर लिया। एमपी में बीजेपी की जन आशीर्वाद यात्रा के मुकाबले में कांग्रेस जन आक्रोश यात्रा निकाल रही है। 19 सितंबर से शुरू होने वाली ये यात्रा राज्य की सभी 230 विधानसभा सीटों से होकर गुजरेगी। पार्टी के सात बड़े नेता सात जगहों से इस यात्रा का नेतृत्व करेंगे। एमपी के पूर्व मुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ नहीं चाहते थे कि चुनावी गहमागहमी के बीच भोपाल में इंडिया गठबंधन की रैली हो। रैली में आने वाले सभी नेताओं के ठहरने वगैरह की व्यवस्था उन्हें करनी पड़ती। भीड़ जुटाने की जिम्मेदारी भी उनकी थी। कमलनाथ इन दिनों अर्जुन की आंख की तरह सिर्फ विधानसभा चुनाव पर फोकस हैं। उन्होंने दिन रात एक कर रखा है। उनके एक करीबी नेता की मानें तो भोपाल में रैली करने के कारण उनका फोकस बंट जाता। चुनावी तैयारी के बदले रैली में अपना संसाधन लगाना वे उचित नहीं मानते हैं। इसीलिए कमलनाथ रैली के लिए तैयार नहीं हुए।

सनातन धर्म के खिलाफ ...

इसे खत्म हो जाना चाहिए। उन्होंने इसकी तुलना डेंगू, मलेरिया और कोरोना वायरस से की थी। इस पर खूब हंगामा हुआ और जमकर राजनीतिक बयानबाजी हुई। जब इस बारे में संघ के नेता मनमोहन वैद्य से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि कुछ लोग सनातन धर्म को खत्म करने की बात कर रहे हैं लेकिन क्या ये लोग इसका सही मतलब भी जानते हैं। उन्हें ऐसे शब्द बोलने से पहले सनातन धर्म की परिभाषा को भी समझना चाहिए। संघ नेता ने कहा कि सनातन का मतलब शाश्वत है और यह भारत के अध्यात्मिक जीवनचर्या का आधार है। इसी के चलते भारत ने आकार लिया। मनमोहन वैद्य ने डीएमके नेताओं को राजनीतिक कहकर खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि इतिहास में कई लोगों ने सनातन धर्म को खत्म करने की कोशिश की लेकिन असफल रहे। भगवान कृष्ण ने कहा था कि जब भी धर्म पर संकट आएगा तो वह अवतार लेंगे। आरएसएस भी उसी राह पर चल रहा है। देश के नाम को लेकर जारी विवाद पर वैद्य ने कहा कि भारत नाम में सभ्यतागत मूल्य हैं। दुनिया में कोई देश नहीं है, जिसके दो नाम हो, इसलिए भारत को भारत कहा जाना चाहिए। संघ की इस बैठक में आरएसएस से संबद्ध 36 संगठनों के 250 प्रतिनिधि शामिल हुए। इस दौरान महिला सशक्तिकरण, स्वदेशी को बढ़ावा, पारिवारिक मूल्यों को बढ़ावा, सांप्रदायिक सद्भाव और आरएसएस के विस्तार के मुद्दों पर चर्चा हुई। मनमोहन वैद्य ने कहा कि आरक्षण का समर्थन किया और कहा कि समाज में कुछ तबकों से भेदभाव किया गया, इसलिए आरक्षण के जरिए उन तबकों को लाभ दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि 2014 के बाद से देश अपनी सांस्कृतिक पहचान पर धीरे-धीरे खड़ा हो रहा है। देश की विदेश, रक्षा और शिक्षा नीतियों में भी बड़े बदलाव हुए हैं। दुनिया भी इन बदलावों को देख रही है। अब सभी मानते हैं कि देश सही दिशा में आगे बढ़ रहा है।

फिल्म *कंडारी* ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज

गुवाहाटी (विभास)। असम आधारित फीचर फिल्म कंडारी ओटीटी प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होने के लिए पूरी तरह तैयार है। फिल्म को गुवाहाटी के काहिलीपाड़ा में स्थित ज्योतिचित्रबन में मीडिया और विशिष्ठ अतिथियों की उपस्थिति में रिलीज किया गया। असमिया और हिंदी में एक साथ रिलीज किया गया फिल्म *कंडारी* अब सीएनडी प्ले पर उपलब्ध है। डेब्यू डायरेक्टर आर के द्वारा पहली बार निर्देशित इस फिल्म की कहानी एक मर्डर मिस्ट्री है, जिसमें गुंजन भारद्वाज, उदयन दुवारा, चिन्मय कटकी, निशा कश्यप, प्रदीप निसिथ और डेब्यू एक्ट्रेस नितुमणि सिंह ने अभिनय किया है। फिल्म के विशेष स्क्रीनिंग समारोह में नवागंतुक अभिनेत्री नितुमणि सिंह को मेहमानों द्वारा बहुत सराहा गया और वह अपने मनमोहक प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचने में कामयाब रहीं। लोकप्रिय अभिनेता उत्पल दास के साथ एक संगीत वीडियो से अपने अभिनय करियर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री नितुमणि कई सफल संगीत एल्बम और धारावाहिकों में अपनी अभिनय प्रतिभा दिखाने में कामयाब रही हैं। फिल्म के निर्देशक आर के को भी उनके निर्देशन कौशल और कहानी के लिए सराहा गया। फिल्म को आर के और जुल्फिकार परवेज द्वारा लिखा गया है। फिल्म के डीओपी हैं बितुल दास। असिस्टेंट सिनेमेटोग्राफर माधुर्य डेका, श्यामल दास की डीआई और एडिटिंग, रिदीप दास के संगीत और दीपक छेत्री के एक्शन ने फिल्म की गुणवत्ता में सुधार किया है। इसके अलावा, गुवाहाटी स्थित जनसंपर्क संगठन सेवन सेंस कम्युनिकेशंस के संस्थापक शुभांकर बनर्जी ने पूरी योजना के अनुरूप एक मजबूत जनसंपर्करक्षी की भूमिका निभाई।

फकीराग्राम सहकारी समिति की वर्षिक साधारण सभा 21 को

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ जिले के फकीराग्राम थाना अंतर्गत फकीराग्राम सहकारी समिति का वर्ष 2022 -23 की वर्षिक साधरण सभा आगामी 21 सितंबर 2023 गुरुवार सुबह 10 बजे से कोकराझाड़ जिले के फकीराग्राम प्रतापखाता वीसीडीसी के सभा कक्ष में आयोजित की जाएगी। सभा में समिति के अध्यक्ष जमइउल हक एवं सचिव मन दे ने सभी सदस्य, डीलर एंव हिस्सेदारों से सभा में हिस्सा लेने का आह्वान किया है। इसकी जानकारी आज फकीराग्राम सहकारी समिति के कार्यलय में आयोजित एक संवाद सम्मेलन में दोनों पदाधिकारियों ने दी।

नगालैंड के डीजीपी ने पुलिस को दी कड़ी चेतावनी

कोहिमा (हिंस)। नगालैंड के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) रूपिन शर्मा ने ड्रग्स के दुरुपयोग, तस्करी और शराब के खिलाफ राज्य की पुलिस को कड़ी चेतावनी दी है। डीजीपी शर्मा ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा कि मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल कर्मियों के लिए यह आखिरी चेतावनी है।

गौरव गोगोई ने अपने चाचा के पीठ में घोंपा छूरा : पीयूष

गुवाहाटी (हिंस)। राज्य के सूचना प्रसारण आदि मामलों के मंत्री पीयूष हजारिका ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने अपने ही चाचा के पीठ में छूरा घोंप कर राजनीति की शुरुआत की थी। राज्य की जनता से कुछ छिपा हुआ नहीं है। मंत्री ने कहा कि गौरव गोगोई विदेश में पढ़ रहे थे। वे न तो कांग्रेस के किसी इकाई के सदस्य थे, ना ही पार्टी के किसी अनुसांगिक शाखा से जुड़े हुए थे। अचानक वे विदेश से आए और अपने चाचा दीप गोगोई से संसद की कोलियाबर सीट छीन ली। मंत्री ने आरोप लगाया कि सांसद गौरव गोगोई आज अखिल गोगोई के साथ मिल रहे हैं। इसी अखिल गोगोई ने एक समय गौरव गोगोई को मूर्ख कहा था। इसी अखिल गोगोई ने

प्रेस कांफ्रेंस करके कहा था कि तरुण गोगोई ने किस तरह अपने परिवार वालों के नाम पर विदेशों में अपार संपत्ति अर्जित की है। मंत्री पीयूष ने कहा कि डॉक्टर हिमंत विश्व शर्मा के पीछे अखिल गोगोई शुरू से ही लगे हुए हैं। लेकिन, आज तक कुछ बिगाड़ नहीं पाए। अगले चुनाव में फिर साबित हो जाएगा कि जनता हिमंत विश्व शर्मा पर विश्वास करती है या अखिल गोगोई पर। पत्रकारों के एक अन्य प्रश्न के उत्तर में पीयूष हजारिका ने आरोप लगाया कि भरत नरह आज लंबी-लंबी बातें किया करते हैं। लेकिन, मंत्री रहते हुए भरत नरह ने 210 बीघा सरकारी जमीन अपनी पत्नी सांसद रानी नरह के नाम पर करवा ली। रानी नरह के नाम पर चाय बागानें हैं। उन्होंने कहा अखिल गोगोई जैसे नेताओं से वे किसी उत्तर की उम्मीद नहीं करते हैं। क्योंकि, अखिल गोगोई कभी भी अपनी बात पर कायम नहीं रहते। इस दौरान मंत्री हजारिका ने संवाददाताओं के कई अन्य प्रश्नों के सीधे-सीधे उत्तर दिए।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता की मां का निधन

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भवेश कलिता की मां जमुना बाला डेका का निधन हो गया है। उनके निधन पर मुख्यमंत्री डॉक्टर हिमंत विश्व शर्मा ने शोक जताया है। मुख्यमंत्री ने शोक संदेश में कहा कि भवेश कलिता की अत्यंत सम्मानित मां और एक धर्मपरायण महिला जमुनाबाला डेका के निधन के समाचार से मैं अत्यंत दुखी हूं। मैं दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करता हूं। शोक संतप्त परिवार और रिश्तेदारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं।

26 एनएससीएन (के) कैडर रिफार्मेशन ग्रुप में शामिल

कोहिमा (हिंस)। संघर्ष के कारण जर्जर म्यांमार स्थित एनएससीएन खापलांग समूह के स्वयभू ब्रिगेडियर फोलाई पंगलाहामे के नेतृत्व में 26 सशस्त्र कैडर एनएससीएन सुधार समूह में शामिल हो गए। यह पता चला है कि म्यांमार स्थित एनएससीएन (के) के 26 सशस्त्र कैडर, जो नेतृत्व के बीच संघर्ष में विभाजित थे, वांचो क्षेत्र में एनएससीएन रिफार्मेशन ग्रुप में शामिल हो गए। एनएससीएन रिफार्मेशन ग्रुप के गृह विभाग ने कहा है कि सामूहिक औपचारिक रूप से अध्यक्ष वाई वनेतिन नगा और सचिव पी टिखकर के समक्ष औपचारिक रूप से शामिल हो गया। ग्रुप के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि नगालैंड और वांचो क्षेत्र में अब स्थायी शांति लौटेगी। रिफार्मेशन ग्रुप के नेताओं ने

स्वागत समारोह में कहा कि तीन दशक से अधिक समय से नगा राष्ट्र की सेवा कर रहे नगा समूहों के भीतर विभाजन के मुद्दे ने उन्हें परेशान कर दिया है। हालांकि, एनएससीएन रिफार्मेशन के अध्यक्ष ने लंबे समय से चली आ रही भारत-नगा समस्या को हल करने के लिए भारत सरकार और नगा समूह के प्रयासों की भी सराहना की है।

आलोपति चर में विद्यार्थियों समेत ग्रामीणों का बिजली विभाग के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन

नगरबेड़ा (विभास)। ग्वालपाड़ा जिले के धूपधारा विद्युत उपमंडल के अंतर्गत दक्षिण बरपेटा के चरइलाकों में आम जनता बिजली की बार-बार लुका-छिपी से तंग आ चुकी है। दिन और रात में ज्यादातर समय बिजली नहीं रहती है। कभी-कभी लाइन लगने पर भी रात में वोल्टेज नहीं होता है। गर्मी चर क्षेत्र के लोगों को झुलसा रही है। इस बात के गंभीर आरोप लगते रहे हैं कि दक्षिण बरपेटा के चर इलाकों में रहने वाले लोगों को सही समय पर बिजली बिल दिए जाने के बाद भी सही रूप में बिजली नहीं मिल रही है। हाल ही में बिजली के ठिकाने में उलझने के बाद बीती रात अलोपती मंडलपाड़ा में छात्रों के एक समूह के साथ लोगों के एक वर्ग ने बिजली विभाग के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी छात्रों के साथ-साथ स्थानीय लोगों ने बिजली विभाग हाय हाय, लोडिंग शेडिंग बंद करो, बिजली से खेलना बंद करो आदि नारे लगाए।उनकी मांगों में से एक को नियमित आधार पर बिजली प्रदान की जानी चाहिए। बिजली विभाग की इतनी घोर अव्यवस्था के कारण ये छोटे छात्र भीषण गर्मी में पढ़ाई नहीं कर पाए हैं। इसलिए कुछ छात्रों सहित लोगों के एक समूह ने बिजली विभाग के खिलाफ प्रदर्शन कर अपना गुस्सा जाहिर किया। स्थानीय लोगों के साथ-साथ कुछ छात्रों ने सरकार से दक्षिण बरपेटा के चर क्षेत्रों में बिजली की आपूर्ति को जल्द से जल्द नियमित करने की मांग की। यह देखना दिलचस्प होगा कि सरकार और विभागीय अधिकारी बिजली आपूर्ति को नियमित करने के लिए क्या कदम उठाते हैं।

फरीग्राग्रम शक्ति आश्रम में मनाई गई शंकर देव की पुण्यतिथि

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ जिले के फकीराग्राम थाना अंतर्गत शक्तिआश्रम में श्रीमंत शंकरदेव की पुण्यतिथि मनाई गई। शिशु निकेतन विधालाय में आज आयोजित 455वां पुण्यतिथि में स्कूल प्राधानाध्यापक शिक्षक तथा विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस मोके पर अवकासप्राप्त प्रिंसिपल परेश चंद्र राय, शक्तिआश्रम हायर सेकेंडरी विद्यालय के प्रिंसिपल एलसी दास, शंकर देव शिशु निकेतन विद्यालय के संचालन समिति के अध्यक्ष मानस प्रीतम राय, सचिव निरंजन राय के अलावा 600 से अथिक लोगों ने भाग लिया। जिसमें विद्यार्थी व उनके अभिभावक मौजूद थे।

रंगिया : लघु फिल्म *अभिशप्त उपहार* रिलीज

रंगिया (विभास)। पंकज पल्लव शर्मा लिखित और निर्देशित लघु फिल्म *अभिशप्त उपहार* शुक्रवार को रिलीज की गई। रंगिया प्रेस क्लब प्रांगण में आयोजित समारोह के दौरान इस फिल्म के पोस्टर का आधिकारिक रूप से रंगिया प्रेस क्लब के सचिव फारूक हुसैन द्वारा अनावरण किया गया। इस मौके पर अपने उद्धघाटन भाषण में फारूक हुसैन ने कहा कि पैसा कमाने के बारे में सोचे बिना हर पल समाज और राष्ट्र के लिए सोचने वाले अभिनेता पंकज पल्लव शर्मा एक के बाद एक लघु फिल्में बना रहे हैं। जोकि *अभिशप्त उपहार* इसका एक उदाहरण है। फिल्म खूबसूरती से दर्शाती है कि कैसे अनुशासन की कमी या बहुत अधिक प्यार एक संभावित परिवार को नष्ट कर सकता है। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रेस क्लब के पूर्व सचिव नसीउर रहमान उपस्थित थे। आमंत्रित अतिथि एवं असम साहित्य सभा मातृभाषा-राज्यभाषा प्रयोग समिति के संयोजक हेमन्त कलिता ने आशा

व्यक्त की कि सरकार पंकज पल्लव शर्मा जैसे विशिष्ठ गुणों वाले संस्कृतिकर्मियों को सुविधाएं प्रदान करेगी। बताया गया है कि यह फिल्म केवल छह (6) मिनट लंबी है और यह सामाजिक जीवन की कठोर वास्तविक कहानी के सामने रखकर समाज को एक विशेष संदेश देती है। दूसरी ओर शिक्षक जयंत कुमार शर्मा भी अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस मौके पर उन्होंने इस लघु फिल्म को ज्यादा से ज्यादा शेयर करने का आह्वान किया। जानकारी दी गई है कि यह फिल्म पंकज पल्लब शर्मा के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध है।

प्रतिबंधित कफ सिरप के साथ दो लोग गिरफ्तार

करीमगंज (हिंस)। करीमगंज पुलिस का ड्रग्स के खिलाफ अभियान लगातार जारी है। इसी कड़ी में पुलिस ने प्रतिबंधित कफ सिरप के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया है। करीमगंज पुलिस के अनुसार पुलिस ने करीमगंज के चुराइबारी में एक वाहन को रोका और जांच की। वाहन से कोडीन फॉस्फेट कफ सिरप की 38 हजार 2 सौ बोतलें बरामद कीं। इस घटना में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। वहीं इतनी भारी मात्रा में प्रतिबंधित कफ सिरप जब्त करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने सोशल मीडिया के जरिए करीमगंज पुलिस को धन्यवाद दिया है।

आदाबाड़ी इलाके में सफाई अभियान

मालीगांव। सृष्ठि वेस्ट मैनेजमेंट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड की ओर से नगर के आदावारी इलाके में एक स्वच्छता अभियान चलाया गया। विश्व सफाई दिवस, के साथ संगति राखकर, गुवाहाटी नगर निगम के साथ साझेदारी में आदाबारी, में असम ट्रंक रोड पर इस सफाई अभियान चलाया गया। इस अवसर पर परियोजना समन्वयक, शुभम बैरागी ने अभियान का नेतृत्व किया और अबुल अहमद, पुलक मोरल, राहुल दे और दीप्ति कुमारी ने उनकी सहायता की। सफाई अभियान में 154 प्रतिभागी शामिल थे। आदाबाड़ी में मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी साइट के पास का क्षेत्र, आदाबाड़ी बस स्टैंड और असम ट्रंक रोड के लगभग 500 मीटर हिस्से को साफ किया गया और एकत्र किए गए कचरे को मटेरियल रिकवरी सुविधा में लाया गया। स्वच्छता अभियान के अंत में प्रतिभागियों ने प्लास्टिक मुक्त और स्वच्छ वातावरण का संकल्प भी लिया। प्रतिभागियों में सेनेटरी इंस्पेक्टर दीप तालुकदार, मंडल अध्यक्ष, जालुकबारी के पियल शंकर दे, पांडु कॉलेज के 40 हरित स्वयंसेवक, गुवाहाटी नगर निगम के सफाई साथी और 5 स्वयं सहायता समूहों के सदस्य शामिल थे। गुवाहाटी नगर निगम ने इस सफाई अभियान में महत्वपूर्ण सहायता प्रदान की।

रंगिया महकमा सिविल अस्पताल में योग प्रशिक्षण शिविर आयोजित

रंगिया (विभास)। डिवाइन योगा एंड थेरेपी सेंटर की ओर से शुक्रवार को रंगिया में एक नि:शुल्क योग थेरेपी एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। रंगिया महकमा सिविल अस्पताल प्रांगण में आयोजित इस योग उपचार एवं स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन अस्पताल के एसडीएम डॉ. पद्मेश्वर कलिता ने किया। इस मौके पर डॉ. कलिता ने योग के लाभ, योग द्वारा शरीर की बीमारियों से राहत और योग अभ्यास के शारीरिक और मानसिक प्रभावों पर बहुमूल्य भाषण भी दिया। शिविर में डिवाइन योग और थेरेपी सेंटर की संस्थापक और योग प्रशिक्षक हिमाज्योति तालुकदार ने योग चिकित्सा प्रदान की। वहीं महकमा सिविल अस्पताल में आयोजित इस योग चिकित्सा शिविर में 100 से भी अधिक लोगों ने भाग लिया। उल्लेखनीय है कि शिविर को सफल बनाने में अस्पताल के उप- अधीक्षक डॉ. दिलीप कुमार वैश्य एवं अस्पताल कर्मचारी अमूल्य वैश्य का भरपूर सहयोग रहा।

गुवाहाटी बायोटेक पार्क में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय ओजोन स्तर संरक्षण दिवस

वायुमंडल में ओजोन परत सुरक्षित नहीं हुई तो जैव विविधता का अस्तित्व खतरे में पड़ जाएगा : मंत्री केशव महंत

गुवाहाटी। राज्य सरकार के विज्ञान प्रौद्योगिकी जलवायु परिवर्तन विभाग के सौजन्य से असम में भी आज अंतर्राष्ट्रीय ओजोन स्तर संरक्षण दिवस मनाया गया। इस दिन का आयोजन असम विज्ञान, प्रौद्योगिकी और पर्यावरण परिषद द्वारा अमिनगांव स्थित बायोटेक पार्क में आयोजित इस दिवस के राज्य स्तरीय कार्यक्रम राज्य के विज्ञान, प्रौद्योगिकी और जलवायु परिवर्तन विभाग के मंत्री केशव महंत ने मुख्य अतिथि और उत्तर पूर्व महाकाश प्रयोग केंद्र के महाकाश तथा वायुमंडल विभाग ने मुख्य अधिकारी डॉ. श्यामसुंदर कुंडू ने मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया। अंतर्राष्ट्रीय ओजोन स्तर संरक्षण दिवस के इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम में विज्ञान प्रौद्योगिकी जलवायु परिवर्तन विभाग के मंत्री महंत ने कहा कि वायुमंडल में ओजोन की परत या ओजोन आवरण ने भूपृष्ठ पर सूर्य के प्रकाश के साथ आई घातक पराबैंगनी रश्मि 97 से 99 प्रतिशत अवशोषित कर पृथ्वी पर जीवन

की रक्षा करती आ रही हैं। पराबैंगनी किरणें मानव शरीर में कैंसर, मोतियाबिंद सहित गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं पैदा करती हैं और आनुवंशिक परिवर्तन के साथ-साथ पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंचाती हैं। इसलिए, यदि पूरी दुनिया वायुमंडल में ओजोन परत को क्षरण से बचाकर स्थिर नहीं कर सकती, तो मानव जाति और संपूर्ण जीव-जंतु खतरे में पड़ जाएंगे। हालांकि, मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि दुनिया के सामने ओजोन परत की कमी, जलवायु परिवर्तन आदि जैसे संकट मानव समाज द्वारा ही पैदा किए गए हैं और ओजोन परत की कमी को रोकने के लिए पूरी दुनिया के लिए एकजुट और आंतरिक प्रयास करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। मंत्री ने सभी से ओजोन परत को नुकसान से बचाकर पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली अपनाने और पेड़ लगाकर हरित आवरण बढ़ाने और पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय रूप से सहयोग करने का आग्रह किया। कार्यक्रम में निर्दिष्ठ वक्ता के रूप में आमंत्रित वैज्ञानिक डॉ. कुंडू ने इस वर्ष के दिन की थीम *मॉन्ट्रियल समझौता: सुरक्षित ओजोन परत और जलवायु परिवर्तन शमन* को छात्रों और आम जनता के लिए आसानी से समझने योग्य तरीके से समझाया। वैज्ञानिक कुंडू ने उपग्रह और अंतरिक्ष विज्ञान के आंकड़ों की मदद से ओजोन परत और वायुमंडल की संरचना को समझाया और मानव जाति सहित संपूर्ण प्रजातियों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए ओजोन परत को स्थिर रूप में संरक्षित करने की तत्काल आवश्यकता से सभी को अवगत कराया। कार्यक्रम में विज्ञान प्रौद्योगिकी और जलवायु परिवर्तन विभाग की सचिव लया मादुरी, अतिरिक्त सचिव किम्नेई चांगसन, विशेष सचिव तथा असम राज्य अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र के संचालक पीएलएन राजू, असम विज्ञान प्रौद्योगिकी और पर्यावरण परिषद के संचालक डॉ. जयदीप बरुआ सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में अधिकारियों, बायोटेक पार्क अधिकारियों, कई शैक्षणिक संस्थानों के शिक्षकों और छात्रों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के संयोजन में आयोजित ओपन क्विज प्रतियोगिता के विजेताओं को समारोह में विभागीय मंत्री द्वारा पुरस्कार प्रदान किए गए। तथा इस मौके पर एसटेक के सौजन्य से प्रकाशित *सिंथेसिस* नामक विज्ञान प्रौधोगिकी विषयक इ वार्ता आलोचनी का उन्मोचन किया गया।

नई और पुरानी संसद अमृतकाल को लेकर बुलाए गए विशेष सत्र के लिए तैयार

– पुराने भवन में एक दिन और संसद के नए भवन में दो दिनों तक रिहर्सल किया गया

नई दिल्ली (ईमएस)। संसद के 18 सितंबर से शुरू होने जा रहे है विशेष सत्र के लिए इस बार तीन दिनों तक रिहर्सल किया गया और अब संसद भवन की नई और पुरानी दोनों ही इमारत अमृतकाल को लेकर बुलाए गए संसद के विशेष सत्र के लिए तैयार हैं सूत्रों के मुताबिक संसद के विशेष सत्र के लिए पुराने भवन में एक दिन और संसद के नए भवन में दो दिनों तक रिहर्सल किया गया। संसद के पुराने भवन में संसद सत्र को लेकर तमाम व्यवस्थाएं पहले से ही मौजूद हैं। चूंकि इस बार विशेष सत्र के पहले ही दिन 18 सितंबर को संसद भवन की पुरानी इमारत में ही फोटो सेशन होना है, इसलिए वहां भी खास तैयारी की गई है। जबकि संसद के नए भवन के लिए, यह पहला सत्र होगा इसलिए नई इमारत में संसद सत्र को लेकर तमाम व्यवस्थाओं और सुविधाओं को चेक करने के लिए दो दिनों तक रिहर्सल किया गया। खासतौर से मंत्रियों एवं सांसदों के बैठने की व्यवस्था, सीट, माइक और डिस्पले सहित तमाम तकनीकी व्यवस्थाओं का ट्रायल कर यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया कि सत्र के दौरान नए संसद भवन में किसी को भी किसी तरह की असुविधा या दिक्कत न हो। दिलचस्प बात यह रही कि रिहर्सल और ट्रायल के दौरान संसद भवन के कर्मचारियों को ही सांसदों की जगह सीट पर बैठाकर बार-बार

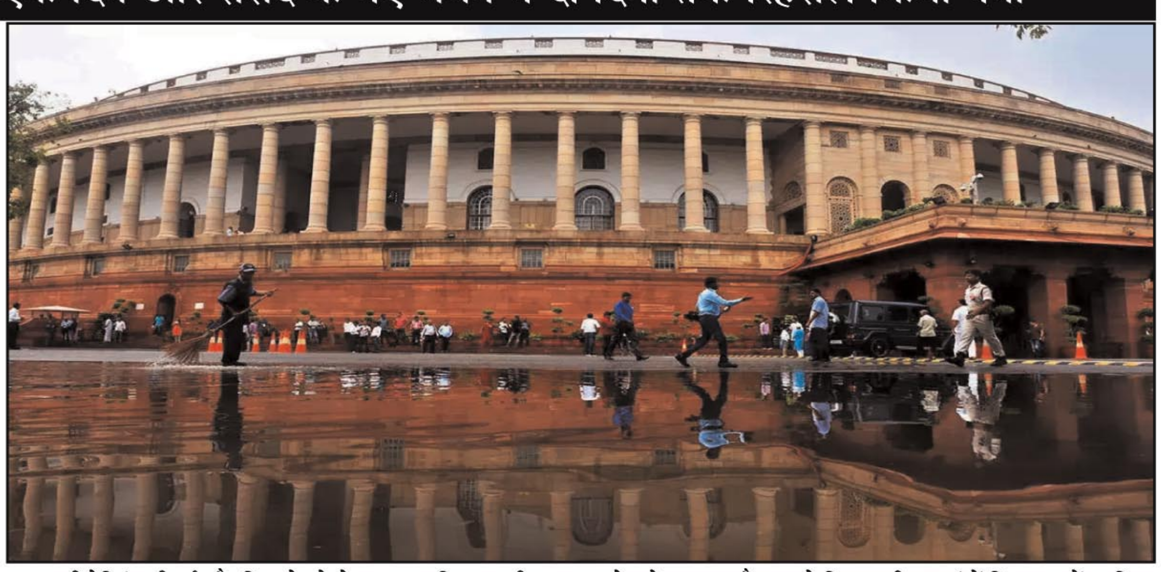

माइक की टेस्टिंग की गई और डिस्पले को चेक किया गया।बताया जा रहा है कि 18 से 22 सितंबर के दौरान पांच दिन तक चलने वाले संसद के इस विशेष सत्र के आखिरी तीन दिनों 20, 21 और 22 सितंबर के बीच ही सरकार सदन में विधेयक पेश करेगी। गौरतलब है कि भाजपा ने 18 सितंबर से शुरू होने जा रहे संसद के विशेष सत्र को लेकर पहले ही तीन लाइन का व्हिप जारी कर अपने लोकसभा और राज्यसभा के सभी सांसदों को 18 से 22 सितंबर तक, पांचों दिन सदन की कार्यवाही के दौरान सारे दिन पूरे समय सदन में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहकर सरकार के पक्ष का समर्थन करने का निर्देश दे दिया है। वहीं सरकार की तरफ से भी सभी मंत्रियों को सत्र के दौरान सदन में मौजूद रहने का निर्देश जारी कर दिया गया है। सांसदों को व्हिप जारी कर पांचों दिन सदन में उपस्थित रहने का निर्देश देने के बाद विशेष सत्र के दौरान सभी मंत्रियों की स्पेशल ड्यूटी लगाने के सरकार के फैसले से फिर एक बार इन कयासों को बल मिलने लगा है कि भले ही सरकार ने सत्र के एजेंडे को सार्वजनिक कर दिया हो, लेकिन सरकार इस सत्र के दौरान कोई बड़ा और महत्वपूर्ण बिल या प्रस्ताव लाना चाहती है।

प्रधानमंत्री, शाह और योगी सहित कई नेताओं ने धामी को जन्मदिन पर दी बधाई

–मुख्यमंत्री धामी ने प्रधानमंत्री का आभार जताया

देहरादून, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को जन्मदिन पर बधाई देते कहा है कि आप उत्तराखंड के विकास के लिए सराहनीय कार्य कर रहे हैं। इसके अलावा कई केंद्रीय मंत्रियों, नेताओं और अन्य राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने धामी को जन्मदिन की बधाई दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक्स पर अपने ट्वीट संदेश में शुभकामनाएं देते हुए कहा कि, "उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी युवाओं की आकांक्षाओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए उत्तराखंड के विकास के लिए सराहनीय प्रयास कर रहे हैं। उनके लंबे और स्वस्थ जीवन के लिए प्रार्थना करता हूं।" मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि आपके मार्गदर्शन में हम उत्तराखंड को देश के अग्रणी राज्यों में शामिल करने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। उत्तराखंड के प्रति आपके विशेष लगाव और चुनौतियों का सामना करने में आपका सानिध्य मुझे सदैव "सशक्त उत्तराखण्ड" के लक्ष्य

की प्राप्ति को नई ऊर्जा और प्रेरणा प्रदान करता है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री धामी को जन्मदिन पर बधाई देते हुए कहा कि देवभूमि के विकास और जनता के कल्याण के लिए आप ऐसे ही निरंतर समर्पित भाव से कार्य करते रहें। ईश्वर से आपके उत्तम स्वास्थ्य और दीघार्यु की कामना करता हूं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देवभूमि उत्तराखंड के मुख्यमंत्री धामी को कर्मठ राजनेता, कुशल वक्ता बताते हुए कहा कि बाबा केदारनाथ से दीघार्यु जीवन की कामना की है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, स्मृति ईरानी, गजेंद्र सिंह शेखावत, डॉ. मनसुख सिंह मांडविया, गिरिराज सिंह, जितेंद्र सिंह, जनजातीय मामले के मंत्री अर्जुन मुंडा, हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, असम के मुख्यमंत्री हिमन्त बिस्व सरमा, महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडनवीस, उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक, प्रह्लाद सिंह पटेल,पेमा खांडू, सर्वदानंद सोनेवाल, तरुण चुघ ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए भगवान से स्वस्थ, सुखी और दीघार्यु जीवन की कामना की है।

खेल मंत्री की दो टूक, अब नहीं होगी पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय सीरीज

–अनंतनाग एनकाउंटर के बाद सरकार ने अपनाया कड़ा रुख, बीसीसीआई ने लिया फैसला

नई दिल्ली (ईएमएस)। पाकिस्तान सीमा पार से आतंकवाद जब तक बंद नहीं करेगा तब तक भारत द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेलेगा। यह बात खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कही है। गौरतलब है कि श्रीलंका में एशिया कप खेला जा रहा है। अगले महीने भारत एकदिवसीय क्रिकेट विश्वकप की मेजबानी करेगा। इस बीच केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय सीरीज को लेकर बड़ा बयान दिया है। उहोंने कहा कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने पहले फैसला किया था कि भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट की द्विपक्षीय सीरीज तब तक नहीं होगी, जब तक पाकिस्तान आतंकवाद और सीमापार घुसपैठ पर रोक नहीं लगाता। अनुराग ठाकुर ने कहा कि बीसीसीआई ने बहुत पहले ही फैसला कर लिया था कि हम पाकिस्तान के साथ तब तक द्विपक्षीय मैच नहीं खेलेंगे जब तक वे

आतंकवाद, सीमा पार हमलों और घुसपैठ को खत्म नहीं कर देते। मुझे लगता है कि देश और देश की भावनाएं जनता भी वैसी ही है। उनका यह बयान अनंतनाग में हुए एनकाउंटर के बाद आया है, जिसमें भारत ने तीन अफसरों को खो दिया। इस घटना के बाद पूरे देश में गम और गुस्से का माहौल है। बता दें कि अनंतनाग जिले में चल रही एनकाउंटर में राष्ट्रीय राइफल्स की क्यूआरटी की कमान संभाल रहे सेना के एक कर्नल की जान चली गई। सेना के एक मेजर और जम्मू-कश्मीर पुलिस के एक उपाधीक्षक भी कोकेरनाग क्षेत्र में दुश्मन की गोलीबारी में शहीद हो गए। शहीद जवानों की पहचान वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों और डीएसपी की पहचान कर्नल मनप्रीत सिंह, मेजर आशीष धोनक और हुमायूं भट के रूप में की गई। गौरतलब है कि भारत और पाकिस्तान ने साल 2012 के बाद से कोई द्विपक्षीय श्रृंखला नहीं खेली है, उस श्रृंखला के बाद दोनों पड़ोसियों के बीच बढ़े राजनयिक तनाव के कारण भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय क्रिकेट संबंध निलंबित कर दिए गए हैं।

अमित शाह ने देशवासियों को दी श्री गुरुग्रंथ साहिब जी के प्रकाश पर्व की शुभकामना

अजय कुमार

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह एवं सहकारितामंत्री अमित शाह ने देशवासियों को श्री गुरुग्रंथ साहिब जी के प्रकाश पर्व की शुभकामनाएं दी हैं। शाह ने एक्स पर कहा कि श्री गुरुग्रंथ साहिब जी विश्व को समरसता और मानवता के प्रति समर्पण की शिक्षा देते हैं। उनकी शिक्षाएं हमें सदैव शांति और सामंजस्य के मूल सिद्धांत को प्रोत्साहित कर एक बेहतर समाज के निर्माण की दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करती रहेंगी। उल्लेखनीय है कि श्री गुरुग्रंथ साहिब जी का प्रकाश पर्व

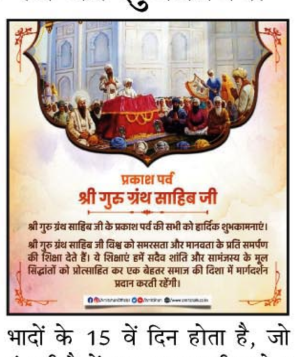

भादों के 15 वें दिन होता है, जो पंजाबी कैलेंडर का छठा महीना होता है। श्री गुरुग्रंथ साहिब जी दुनिया के महान ग्रंथों में अद्वितीय हैं।

मुंबई के जंबो कोविड सेंटर घोटाला केस में ईडी ने 6 लोगों के खिलाफ दायर की चार्जशीट

मुंबई, (हि.स.)। मुंबई में कोरोना कालखंड के दौरान हुए जंबो कोविड सेंटर घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने विशेष अदालत में शिवसेना नेता संजय राउत के करीबी सुजीत पाटकर समेत 6 लोगों के खिलाफ 75 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की है। चार्जशीट में आरोप लगाया गया है कि सुजीत पाटकर समेत 6 लोगों ने 32 करोड़ रुपये का गबन किया है। उल्लेखनीय है कोरोना कालखंड के दौरान लाइफ लाइन हॉस्पिटल मैनेजमेंट सर्विस कंपनी को एनएससीआई वर्ली और दहिसर में डॉक्टर और मेडिकल स्टाफ उपलब्ध कराने का ठेका दिया गया। कोरोना मरीजों को स्वास्थ्य सुविधा देने के नाम पर कथिततौर पर वित्तीय अनियमितता की गई। जांच के दौरान

ईडी ने पाया कि कंपनी की ओर से मुंबई नगर निगम को सौंपा गया उपस्थिति पत्रक और दस्तावेज फर्जी थे। ईडी की जांच में सामने आया है कि यह सब संजय राउत के करीबी सुजीत पाटकर के कहने पर किया गया। साथ ही कंपनी को कॉन्ट्रैक्ट दिलाने में भी सुजीत पाटकर ने अहम भूमिका निभाई। ईडी ने यह भी दावा किया है कि इस गड़बड़ी से प्राप्त बड़ी रकम पाटकर के बैंक खाते में जमा की गई। ईडी सूत्रों के अनुसार इस मामले में सुजीत पाटकर, डॉ. हेमन्त गुप्ता, संजय शाह, राजीव सालुंखे, डॉ. किशोर बिसुरे, लाइफ लाइन हॉस्पिटल मैनेजमेंट सर्विस कंपनी एवं डॉ. अरविंद सिंह के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया गया है।

नेशनल हेराल्ड घोटाले में भाजपा की चुप्पी पर कविता ने उठाया सवाल

हैदराबाद(ईएमएस)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सोनिया गांधी की संलिप्तता वाले नेशनल हेराल्ड घोटाले को लेकर भाजपा की चुप्पी पर के कविता ने सवाल उठाये है। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की विधान परिषद की सदस्य कविता ने इस मामले में ईडी की जांच पर जानकारी मांगी है। बीआरएस नेता ने पूछा कि ईडी कांग्रेस नेताओं से पूछताछ क्यों नहीं कर रही है, जबकि उनके विरुद्ध जांच पर कोई रोक नहीं है। उन्होने आरोप लगाया कि भाजपा और कांग्रेस के बीच एक मौन सहमति है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव की पुत्री कविता ने कहा, कि वह इस देश के लोगों को उस मुद्दे की याद दिलाना चाहती हैं जब करीब डेढ़ वर्ष पहले राहुल गांधी, सोनिया गांधी और उनके पूरे शीर्ष नेतृत्व से ईडी ने 5,000 करोड़ रुपये के नेशनल हेराल्ड घोटाले में पूछताछ की थी। लेकिन ईडी उस मामले पर आगे क्यों नहीं बढ़ी? क्या भाजपा और कांग्रेस के बीच कोई सहमति है?

मुंबई हवाई अड्डे इलाके में अब तक हुए भीषण हादसों में 150 लोगों ने गंवाई है जान, आधे हादसे बारिश के दौरान

मुंबई, (ईएमएस)। मुंबई का हवाई अड्डा आजादी के पहले से ही काम कर रहा है। प्रारंभ में इस हवाई अड्डे को सांताक्रूज या सहार हवाई अड्डे के नाम से जाना जाता था। मुंबई हवाई अड्डे पर या उसके आसपास अब तक जितने भी हादसे हुए हैं उनमें से आधे मानसून के दौरान हुए हैं. वहीं रनवे पर चार दुर्घटनाओं में 19 लोग मारे गए और हवाई अड्डे से उड़ान भरने के बाद तीन बड़ी दुर्घटनाओं में 150 से अधिक लोग मारे गए। दरअसल गुरुवार 14 सितंबर को मुंबई हवाई अड्डे पर एक छोटे विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद यह मुद्दा चर्चा में आ गया है. जानकारी के अनुसार मुंबई हवाई अड्डे के रनवे या हवाई क्षेत्र में अब तक 12 बड़े हादसे हो चुके हैं. इनमें से छह हादसे बरसात के मौसम में हुए हैं। वहीं रनवे पर तीन दुर्घटनाएं हो चुकी हैं. रनवे पर पहली दुर्घटना 19 जुलाई 1959 को हुई। लॉकहीड मार्टिन कंपनी का सुपर कॉन्स्टेलेशन विमान भारी बारिश के कारण रनवे से फिसल गया। सौभाग्य से, 46 यात्री बाल-बाल बच गए। इसके बाद 21 जून 1982 को एयर इंडिया की फ्लाइट 403 कुआलालंपुर-मद्रास से आते समय बारिश में रनवे पर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस दुर्घटना में 111 में से 19

लोग मारे गये। वहीं 1 जुलाई 2019 को जब बारिश हो रही थी तो रात के अंधेरे में स्पाइस जेट विमान रनवे पर फिसलकर कीचड़ में फंस गया. हालाँकि इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ. उधर तीन अन्य मानसून दुर्घटनाएँ अधिक गंभीर थीं। 12 जुलाई 1949 को, एक लॉकहीड एल 249 कॉन्स्टेलेशन विमान बारिश के दौरान रनवे के पास आते समय घाटकोपर और पवई के बीच एक पहाड़ी से टकरा गया। विमान में सवार सभी 44 लोगों की मौत हो गई. 28 जुलाई, 1963 को टोक्यो-मुंबई-कराची-काहिरा जा रही फ्लाइट यूएई 869 बारिश के कारण रनवे के पास आते समय अरब सागर में दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसमें 63 लोगों की मौत हो गई। 4 अगस्त 1979 को हॉकर सीडले 41 विमान खराब मानसून के मौसम में रनवे के पास आते समय एक पहाड़ी से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसमें 45 लोगों की मौत हो गई. गुरुवार शाम मुंबई हवाई अड्डे पर दुर्घटनाग्रस्त हुए लीअरजेट विमान के टूटे हिस्सों को प्रशासन ने तुरंत उठवा लिया. हादसे के बाद रनवे को करीब दो घंटे के लिए बंद कर दिया गया था और विमान के टूटे हिस्सों को रनवे से दूर ले जाया गया. इसे उठाने के लिए विशेष सामग्रियों की आवश्यकता होती है। केवल एयर इंडिया के पास ही वह सामग्री है। शुक्रवार, 15 सितंबर को दोपहर 2 बजे से शाम 7 बजे के बीच जब हिस्से उठाए जा रहे थे तब पायलटों को एक विशेष सावधानी नोटिस (नोटम) जारी किया गया था।

निपाह वायरस को लेकर एडवाजरी जारी, कोविड-19 जैसा खतरा लौटने का डर

कोझिकोड (ईएमएस)। निपाह वायरस के संक्रमण से एक बार फिर कोविड-19 जैसा खतरा लौटने का डर सता रहा है। हाल ही में केरल के कोझिकोड जिले में निपाह संक्रमण के एक और मामले की पुष्टि हुई है। यहां निपाह वायरस के मामले लगातार बढ़ते जा रहे है। मामलों को देखते हुए कर्नाटक सरकार ने एडवाइजरी जारी की है। इसके मुताबिक कर्नाटक सरकार ने कहा है कि आम जनता केरल की अनावश्यक यात्रा ना करे। खासतौर से केरल के प्रभावित इलाकों की यात्रा ना की जाए। इस एडवाइजरी में केरल के सीमावर्ती इलाकों और कर्नाटक के सभी एंट्री पॉइंट्स पर निगरानी तेज करने के निर्देश दिए गए है। सर्कुलर में कहा गया कि केरल के कोझीकोड में 2 की मौत हो गई है जबकि 4 मामलों में निपाह की पुष्टी हुई है। संक्रमण के संचरण को रोकने के लिए केरल राज्य की सीमा से लगे जिलों में निगरानी गतिविधियों को तेज किया गया है। इसे लेकर जिला प्रशासन ने पहले ही तीन दिन के लिए कोझिकोड में सभी शिक्षा संस्थानों के लिए छुट्टी घोषित की है। हाल ही में केरल के कोझिकोड जिले में निपाह वायरस से संक्रमण के एक और मामले की पुष्टि हुई है। राज्य की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज के कार्यालय ने कहा कि 39 वर्षीय व्यक्ति के नमूने में निपाह वायरस से संक्रमण की पुष्टि हुई है। वह एक अस्पताल में निगरानी में है। एक बयान में कहा गया कि व्यक्ति ने एक निजी अस्पताल में इलाज की मांग की थी। नए मामले के साथ ही कोझिकोड में निपाह संक्रमण के कुल मामलों की संख्या छह हो गई है। उन्होंने कहा कि कोझीकोड के अलावा पड़ोसी जिलों को भी सतर्कता बरतनी चाहिए। निपाह वायरस के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए कोझीकोड के लगभग 11 वार्डों को बुधवार शाम तक निषिद्ध क्षेत्र घोषित किया गया है। निपाह के प्रकोप के मद्देनजर आईसीएमआर ने इससे निपटने के लिए राज्य के आग्रह पर एंटीबॉडी उपलब्ध करा दी है। राज्य को संदिग्ध संक्रमितों के नमूनों की जांच के लिए एक सचल प्रयोगशाला भी भेजी गई है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने पिछले दिनों कोझिकोड में मोनोक्लोनल एंटीबॉडी की आपूर्ति की। वायरस से संक्रमित लोगों का इलाज करने के लिए एंटीवायरल ही सरकार के पास उपलब्ध एकमात्र विकल्प है, हालांकि इसकी प्रभावकारिता अभी तक चिकित्सकीय रूप से सिद्ध नहीं हुई है।

कांग्रेस सरकार में कानून व्यवस्था राम भरोसे, माफिया हावी : राजीव बिंदल

शिमला, (हि.स.)। प्रदेश में कानून व्यवस्था के मुद्दे पर विपक्षी दल भाजपा ने कांग्रेस की सुक्खू सरकार की घेराबंदी की है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष राजीव बिन्दल ने आरोप लगाया कि राज्य में माफिया हावी है और लोगों की सुरक्षा व कानून-व्यवस्था राम भरोसे है। बिन्दल ने शनिवार को कहा कि नौ महीने की कांग्रेस सरकार में कानून व्यवस्था तार तार हुई है। कांग्रेस के नेताओं की आपसी खींचतान में प्रदेश की जनता पिस रही है। चम्बा में एक दलित युवक की बेरहमी से हत्या करके शव टुकड़े-टुकड़े करके नाले में फेंक दिया। इस नृशंस हत्याकांड से पूरे देश में हिमाचल शर्मसार हुआ। ऐसी घटना पहले कभी नहीं हुई थी। उसके बावजूद कांग्रेस की वर्तमान प्रदेश सरकार ने कोई सबक नहीं लिया। हजार धरने प्रदर्शन हुए परन्तु सरकार नहीं चेती। उन्होंने कहा कि चम्बा के बाद जिला सोलन निशाने पर आया जहां बद्दी बरोटीवाला नालागढ़ में दबंगों का राज हो गया। दिन दिहाड़े बंदूकें लेकर और हवा में लहराते हुए फायरिंग करना आम बात हो गई। मामला यहीं नहीं रुका दो सगे भाइयों की नृशंस हत्या दिन दिहाड़े कर अपराधी फरार हो गए। बद्दी बरोटीवाला में कबाड़ व खनन माफिया पूरी सरकार पर हावी हो गया। कानून व्यवस्था की धज्जियां उड़ाते हुए जिला सिरमौर में ग्रामवासियों की कनपटी पर रिवालवर तानकर उन्हें मारने की धमकी दी जाती है और खनन माफिया सिर चढ़कर बोलता है। उन्होंने कहा कि ऊना और कांगड़ा जिलों में अपराध का ग्राफ तेज गति से बढ़ता है। पिछले कल की हमीरपुर जिला के भोरंज की घटना दिल दहला देने वाली है जिसमें एक साधारण ग्रामीण महिला के बाल काटे जाते हैं, मुंह पर कालिख पोथ कर उसे गांव में घुमाया जाता है और 15 दिन तक पुलिस मामले को दर्ज नहीं करती। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि मणिपुर की घटना पर भाषण देने वाली कांग्रेस आज हमीरपुर में हुए अत्याचार पर मौन है। मुख्यमंत्री का जिला इस प्रकार की भयावह घटना का साक्षी बना है।

सेक्स रीअसाइनमेंट सर्जरी की अनुपलब्धता की शिकायत पर दिल्ली महिला आयोग ने दिल्ली और केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली महिला आयोग ने सरकारी अस्पतालों में मुफ्त सेक्स रीअसाइनमेंट सर्जरी उपलब्ध न होने की शिकायत पर राम मनोहर लोहिया अस्पताल (आरएमएल) के साथ-साथ राज्य और केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया है। आयोग को दिल्ली के आरएमएल में सेक्स रिअसाइनमेंट सर्जरी (एसआरएस) की अनुपलब्धता के संबंध में एक शिकायत मिली। शिकायतकर्ता ने कहा है कि उसने मुफ्त सेक्स रीअसाइनमेंट सर्जरी के लिए आरएमएल अस्पताल से संपर्क किया था। उसने बताया कि भले ही सरकारी अस्पतालों में मुफ्त एसआरएस शुरू हो गया है, लेकिन वह अस्पताल में अपनी सर्जरी नहीं करा पा रही है। इसके अलावा, दिल्ली महिला आयोग द्वारा विभाग के समक्ष मुद्दा उठाने के बाद नवंबर 2022 में दिल्ली के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ने एक परिपत्र जारी किया था, जिसमें दिल्ली के अस्पताल में 'बर्न और प्लास्टिक

वार्ड' के साथ-साथ प्लास्टिक सर्जन की सुविधा रखने वाले सभी सरकारी अस्पतालों को मुफ्त सेक्स रीअसाइनमेंट सर्जरी प्रदान करने का निर्देश दिया गया था। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने आरएमएल अस्पताल के साथ-साथ दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय को नोटिस जारी किया है। आयोग ने अस्पताल से शिकायतकर्ता की सर्जरी न करने का कारण पूछा है और साथ ही इसे पूरा करने के लिए उठाए गए कदमों का विवरण भी मांगा है। इसके अलावा, आयोग ने राज्य और केंद्र सरकार से 2022 के बाद से दिल्ली में सरकारी अस्पतालों द्वारा किए गए एसआरएस की संख्या के बारे में जानकारी मांगी है। आयोग ने उनसे दिल्ली में सरकारी अस्पतालों में मुफ्त सेक्स रीअसाइनमेंट सर्जरी सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए कदमों का विवरण भी देने को कहा है। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने कहा, हमें एक प्रमुख अस्पताल में सेक्स रीअसाइनमेंट सर्जरी की अनुपलब्धता के बारे में शिकायत मिली है। सभी सरकारी अस्पतालों में निःशुल्क सेक्स रीअसाइनमेंट सर्जरी की सुविधा उपलब्ध होनी चाहिए। दिल्ली महिला आयोग के प्रयासों के बाद दिल्ली सरकार ने दिल्ली सरकार के सभी अस्पतालों को मुफ्त एसआरएस उपलब्ध कराने का निर्देश दिया था। मैंने अस्पताल और स्वास्थ्य विभाग को नोटिस जारी किया है। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि ट्रांसजेंडरों को सभी सरकारी अस्पतालों में मुफ्त सेक्स रीअसाइनमेंट सर्जरी का लाभ मिल सके।"

सनातन को समाप्त करने की बात कहने वाले देश से क्षमा याचना करें : शान्ता कुमार

शिमला, (हि.स.)। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री शान्ता कुमार ने शनिवार को कहा कि सनातन को समाप्त करने की बात कहने वालों को प्रभु सद्बुद्धि दें। शान्ता कुमार ने कहा कि ऐसा कहने वालों को स्वंय पता नहीं है कि वे क्या कह रहे हैं। जब समझ आएगा तो शर्म से उनका सिर झुक जाएगा। उन्होंने सनातन को समाप्त करने वालों से निवेदन किया कि बहुत जल्दी पूरे भारत से क्षमा याचना करें, गंगा में नहाएं और देश उनको क्षमा कर देगा। शान्ता कुमार ने एक बयान में कहा कि भारत का सनातन है वेद उपनिषद, राम, कृष्ण, रामायण और महाभारत। ॠग्वेद को देख कर जर्मन के महान विद्वान मैक्समूलर आकर्षित हुए। जीवन के 20 साल ॠगवेद अध्ययन में लगाये। उस पर पहली मीमांसा लिखी जिसे छपने के लिए उस समय की ईस्ट इंडिया कंपनी ने एक लाख रुपये दिए।

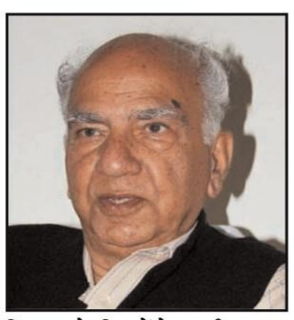

विश्वभर के विद्वानों ने उसकी सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत का सनातन वो है जिसे स्वामी विवेकानंद ने 1893 में अमेरिका के शिकागो में विश्व धर्मसभा में रखा था। दुनियाभर के सभी धर्मों के विद्वान सभा में मौजूद थे। दस हजार विद्वानों की सभा में जब स्वामी विवेकानन्द ने सनातन की व्याख्या की तो पूरी सभा तालियों की गड़गड़ाहट से स्वागत करती रही। स्वामी विवेकानन्द को विश्वभर से सम्मान मिला। अमेरिका जैसे देश में जगह-जगह उनको बुलाया गया। विश्वभर के सभी विद्वानों ने एकमत से भारत के सनातन की प्रशंसा की। शान्ता कुमार ने कहा कि मैक्समूलर ने कहा है कि भारत के ऋषियों ने अध्यात्मिकता की सबसे ऊंची चोटी को छू लिया था। भाजपा के वरिष्ठ नेता शान्ता कुमार ने कहा कि हजारों वर्षों के जीवन के बाद भारतीय समाज में कुछ कुरीतियां आई हैं, छुआछूत है, जाति प्रथा ऊंच नीच, दलित इस प्रकार की कुरितियां सनातन नहीं हैं। यह समय के साथ समाज से आई हुई सामाजिक बीमारियां हैं। स्वामी दयानन्द और विवेकानन्द जैसे महापुरुष सदा इनका विरोध करते रहें। इन कुरीतियों को ही कुछ लोग सनातन समझने की मूर्खता करते है। उन्होंने सनातन को समाप्त करने वाले मित्रों से निवेदन किया कि बहुत जल्दी पूरे भारत से क्षमा याचना करें, गंगा में नहाएं और देश उनको क्षमा कर देगा।

कोलकाता नगर निगम में भाजपा और तृणमूल पार्षदों में हाथापाई

कोलकाता, (हि.स.)। कोलकाता नगर निगम में शनिवार को सत्र के दौरान भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के पार्षदों के बीच जमकर हाथापाई हुई है। मारपीट को रोकने में विफल रहने पर नगर निगम की चेयरपर्सन और तृणमूल सांसद माला राय निगम से बाहर चली गईं। बाद में पार्षदों के अनुरोध पर वह वापस लौटीं। शनिवार को कोलकाता नगर निगम का मासिक सत्र था। सबसे पहले भाजपा पार्षद सजल घोष के साथ तृणमूल पार्षद असीम बसु की मारपीट हुई। दोनों के बीच पहले बहस हो रही थी जिसके बाद आरोप है कि तृणमूल पार्षद ने सजल को धक्का मारा। इसी बीच भाजपा के एक और पार्षद विजय ओझा और तृणमूल के बोरो चेयरमैन सुदीप पोले में भी हाथापाई होने लगी। बाद में जब चेयरपर्सन माला राय और मेयर फिरहाद हकीम ने जैसे तैसे हालत को संभाला तो फिर से सदन में चर्चा शुरू हुई लेकिन पार्षद सजल घोष पर हमले का आरोप लगाकर भाजपा के पार्षदों ने वाकआउट किया। नगर निगम में भाजपा की ओर से टेंडर भ्रष्टाचार पर चर्चा की मांग की जा रही थी। इधर मारपीट की घटना के बाद सजल और असीम दोनों ही पार्षदों से चेयरपर्सन ने जवाब तलब किया है। उन्होंने कहा है कि संतोषजनक उत्तर नहीं होने पर कड़ा कदम उठाया जाएगा।

केशव प्रसाद मौर्य और अजय राय ने लगाये आरोप-प्रत्यारोप

लखनऊ, (हि.स.)। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के वाराणसी दौरे के दौरान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को नया मुल्ला कहे जाने पर अजय राय ने पलटवार करते हुए केशव प्रसाद मौर्य को जनपद को सम्भालने की सलाह दी। दोनों नेताओं के एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप से उनके समर्थकों में भारी आक्रोश व्याप्त है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने अपने बयान का एक वीडियो जारी किया। अजय राय ने कहा कि उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव मौर्या से कहना चाहूंगा कि आप जिस तरह की भाषा का उपयोग कर रहे हैं, वह आपके पद को शोभा नहीं देता। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि उनके जनपद में तीन हत्यायें हुई हैं, उपमुख्यमंत्री उस पर ध्यान दें। अजय राय ने कहा कि हमसे बड़ा धार्मिक कोई नहीं है। जब साधु संतों पर लाठियां चली थीं, उस वक्त हम लोगों ने प्रतिरोध किया था। इस पर हम लोगों पर कार्रवाई भी हुई थी। सनातनी हैं, बाबा विश्वनाथ के भक्त हैं। इससे पहले उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री के लिए अच्छे शब्द उपयोग नहीं करने वाले कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अभी नए मुल्ला की तरह हैं, प्याज ज्यादा खा रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष की पहले क्या छवि रही है, यह बात सभी जानते भी हैं। राजनीतिक विश्वलेषक और वरिष्ठ पत्रकार के. विक्रम राव ने दोनों नेताओं के बयानबाजी पर कहा कि दोनों नेताओं को मयार्दा बनाकर रखनी चाहिए। अजय राय तो सरकार में नहीं हैं लेकिन केशव प्रसाद मौर्य सरकार में है। इन्हें ज्यादा बड़प्पन दिखाना होगा।

लखनऊ में जर्जर मकान की छत गिरने से पांच की मौत, मुख्यमंत्री योगी ने जताया शोक

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के आलमबाग स्थित पुरानी रेलवे कॉलोनी में शनिवार को एक जर्जर मकान की छत ढह गई। हादसे में तीन बच्चों समेत पांच लोगों की मौत हो गई। घटना की जानकारी पर पहुंची एनडीआरएफ की टीम ने राहत बचाव कार्य करते हुए सभी को मलवे से बाहर निकाला। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना में हुई जनहानि का शोक जताते हुए अधिकारियों को पीड़ितों को हर संभव मदद करने के निर्देश दिए हैं। उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल की फतेह अली रेलवे कॉलोनी में तकरीबन दो सौ परिवार रहते हैं। कॉलोनी के अधिकांश मकान इतने जर्जर हो गए हैं कि वे कभी भी गिर सकते हैं। बावजूद इसके लोग अपनी जान को जोखिम में डालकर उन मकानों में रहने को मजबूर हैं। शनिवार को एक मकान की जर्जर छत भरभराकर गिर गई। मलवे में परिवार के लोग दब गए। सूचना पाकर पुलिस और राहत बचाव कार्य के लिए एनडीआरएफ की टीम को बुलाया गया। टीम ने मलबा हटकार पांच लोगों को बाहर निकाला और इलाज के लिए लोकबंधु अस्पताल भेजा। डॉक्टर ने सभी को मृत घोषित कर दिया। मृतकों में सतीश चंद्र (40), सरोजनी देवी (35), हर्षित (13), हर्षिता (10) और अंश (05) शामिल हैं। डीसीपी पूर्व हृदेश कुमार ने बताया कि पुरानी रेलवे कॉलोनी में घर की छत ढह गई। मलबे में दबकर परिवार के पांच लोगों की मौत हुई है। इनमें तीन बच्चे हैं। सतीश चन्द्र के पिता रामचंद्र रेलवे में नौकरी करते थे। सतीश अपने परिवार को लेकर यहां रहते थे। सतीश को अनुकंपा पर नौकरी मिलने की उम्मीद थी। सतीश के भाई अमित भी रेलवे में नौकरी करते हैं। इस हादसे पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आलमबाग में हुई घटना का संज्ञान लिया है। मृतकों के शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन को मौके पर पहुंचकर राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने घटना का संज्ञान लेते हुए तुरंत ही स्थानीय अधिकारियों से वार्ता कर राहत एवं बचाव कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। पीड़ित परिवार के शेष परिजनों को सरकार की ओर से हर संभव मदद मुहैया कराई जाएगी।

राजनाथ सिंह ने अपने संसदीय क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों का किया निरीक्षण

लखनऊ, (हि.स.)। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को अपने संसदीय क्षेत्र लखनऊ में निमार्णाधीन इंफ्रा प्रोजेक्ट्स और अन्य विकास परियोजनाओं की प्रगति की मौके पर जाकर जानकारी ली। रक्षामंत्री ने इंफ्रा प्रोजेक्ट्स के कार्यों को पूरा करने में लगे श्रमिकों से भी बातचीत की। राजनाथ ने सभी विकास कार्यों को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। लखनऊ के तीन दिवसीय दौरे के दूसरे दिन रक्षामंत्री सिंह ने अपने संसदीय क्षेत्र में आने वाले इंदिरा नगर सेक्टर-25 के खुर्रम नगर में निमार्णाधीन पुल और मुंशी पुलिया पर बन रहे ओवर ब्रिज का निरीक्षण किया। इसके अलावा उन्होंने गोमती नगर में बन रहे उच्चस्तरीय रेलवे स्टेशन के विकास कार्यों का जायजा लिया। रक्षामंत्री के साथ लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल, लखनऊ महानगर भाजपा अध्यक्ष आनंद द्विवेदी और एमएलसी मुकेश शर्मा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। राजनाथ सिंह रविवार, 17 सितंबर को विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विश्वकर्मा कौशल सम्मान योजना के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। कार्यक्रम के बाद वह दिल्ली रवाना होंगे।

गुमला में चौकीदार हत्याकांड में शामिल नक्सली 20 साल बाद गिरफ्तार

गुमला, (हि.स.)। चौकीदार हत्याकांड और अन्य कई नक्सली वारदातों में शामिल प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा माओवादी का पूर्व सदस्य सोमरा उरांव अंततः चैनपुर पुलिस के गिरफ्त में आ ही गया। वह पिछले 15-20 वर्षों से फरार था और दिल्ली में अपना ठिकाना बनाये हुए था। चैनपुर पुलिस को यह गुप्त सूचना मिली कि पूर्व नक्सली सोमरा उरांव कुछ दिन पूर्व अपना गांव रातु जामटोली आया हुआ है। चैनपुर पुलिस की टीम ने शनिवार की सुबह तिगावल मोड़ के पास घुम रहे पूर्व नक्सली सोमरा उरांव को धर दबोचा। इस संबंध में चैनपुर के पुलिस इंस्पेक्टर बैजू उरांव ने थाना परिसर आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में पुलिस को मिली इस सफलता की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सोमरा उरांव वर्ष 2007 में चैनपुर थाना के चौकीदार जोसेफिन कुजूर हत्याकांड में संलिप्त था। वर्ष 2007-08 में माओवादी संगठन में सक्रिय भूमिका निभाते हुए चैनपुर डुमरी एवं कुरुमगढ़ इलाके में कई माओवादी वारदातों में शामिल था। सोमरा उरांव चैनपुर एवं डुमरी थाने में विस्फोटक पदार्थ रखने, आर्म्स एक्ट, सीएलए एक्ट जैसे सात मामलों में वांछित रहा है। इसके खिलाफ न्यायालय के द्वारा 7 स्थाई वारंट भी निर्गत है। पिछले 15-20 वर्षों से माओवादी संगठन को छोड़कर दिल्ली में रहता था। कुछ दिन पूर्व सोमरा उरांव अपना गांव रातू जामटोली आया हुआ था। इसकी गुप्त सूचना चैनपुर पुलिस को मिली थी। इसके बाद शनिवार को चैनपुर पुलिस ने एक टीम गठित कर छापामारी करते हुए तिगांवल मोड के पास से सोमरा उरांव को धर दबोचा। इधर चैनपुर पुलिस ने सोमरा उरांव को गिरफ्तार कर शनिवार को जेल भेज दिया।

राजद के प्रदेश महासचिव ने चलाया जनसंपर्क अभियान, महागठबंधन के कार्यकर्ताओं के साथ की बैठक

पश्चिम चम्पारण (बगहा), (हि.स.)। वाल्मीकिनगर स्थित होटल "जेपी इन" में शनिवार के दोपहर, राजद के प्रदेश महासचिव एवं पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष अमर यादव ने महागठबंधन के कार्यकताओं के साथ वाल्मीकिनगर में जनसंपर्क अभियान चलाया। 2024 में होने वाले लोकसभा व 2025 की विधानसभा चुनाव प्रचार को लेकर कई रणनीतियां बनाई। बैठक दौरान प्रदेश महासचिव अमर यादव ने कहा कि 2024 की चुनाव में महागठबंधन की महाजीत होगी और केंद्र में महागठबंधन की सरकार बनेगी। उन्होंने बूथ स्तर के कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि महागठबंधन के प्रति लोगों में जन जागरूकता फैलाएं एवं एनडीए सरकार की कूटनीतियों को जनता तक पहुंचाने का काम करें। उन्होंने बताया कि एनडीए की सरकार जातिवाद पर चुनाव जीती है और हमें सभी धर्म के लोगों को साथ लेकर चलना है। अपनी उम्मीदवारी के बाबत प्रदेश महासचिव ने बताया कि हाई कमान का जो भी आदेश होगा, उसका पालन किया जायेगा। वाल्मीकिनगर के विकास के बाबत उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार की सुशासन की सरकार वाल्मीकिनगर संसदीय क्षेत्र में निरंतर विकास कर रही है और आगे भी होता रहेगा। वाल्मीकिनगर बिहार का एकलौता कश्मीर है और यहां आने वाले पर्यटकों के लिए बहुत सी सुविधा सरकार की तरफ से मुहैया कराई गई है।बैठक के दौरान राजद के जिला अध्यक्ष सुमंत कुमार महतो, जिला परिषद सदस्य बृज बिहारी यादव, नेयाज हसन, विनोद राम, फूल मोहम्मद गद्दी, इंजीनियर रवि यादव, अफरोज आलम, नसीम अहमद, बालकृष्ण प्रसाद, सीपीएम के नेता जगन्नाथ यादव आदि उपस्थित रहें।

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन की पूर्व संध्या पर उनके दीर्घ जीवन के लिए यज्ञ, हवन

वाराणसी, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन को लेकर उनके संसदीय क्षेत्र वाराणसी में भाजपा कार्यकताओं में जबरदस्त उत्साह है। जन्मदिन की पूर्व संध्या पर शनिवार को प्रधानमंत्री के स्वस्थ दीर्घ जीवन के लिए कार्यकर्ता जगह–जगह हवन पूजन करते रहे। भाजपा ओबीसी मोर्चा काशी क्षेत्र के उपाध्यक्ष अनूप जायसवाल के अगुवाई में कार्यकताओं ने गोदौलिया स्थित बड़ादेव मंदिर में भोलेनाथ का जलाभिषेक करने के बाद यज्ञ,हवन कर प्रधानमंत्री मोदी के यशस्वी दीर्घ जीवन और देश को विकास के पथ पर आगे बढ़ने की कामना की। इस दौरान अनूप जायसवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के पूर्व संध्या पर बाबा विश्वनाथ से उनके दीर्घ जीवन के लिए प्रार्थना की गई। कार्यक्रम में सोमनाथ विश्वकर्मा,दीपक आर्या व ओम प्रकाश यादव,धीरेंद्र शर्मा, मनीष चौरसिया, अजय गुप्ता आदि शामिल रहे।

नमामि गंगे ने पीएम मोदी की लंबी उम्र के लिए की गंगा आरती – प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर नमामि गंगे के सदस्यों ने लंबी उम्र के लिए उनके तस्वीर संग मां गंगा की आरती उतारी। दशाश्वमेध घाट पर जन्म दिवस की पूर्व संध्या पर एक ओर गंगा तट की सफाई की गई। तो दूसरी ओर पीएम मोदी के दिघार्यु की कामना से मां गंगा का दुग्धाभिषेक कर पूजन अर्चन किया गया। राष्ट्र ध्वज तिरंगा लेकर पीएम मोदी और केंद्र सरकार के लिए मां गंगा से आशीर्वाद मांगा गया। स्वच्छता को संस्कार के रूप में शामिल करने का आग्रह किया गया। इस दौरान मां गंगा से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में देश को आत्मनिर्भर बनाने , सुशासन और गरीब कल्याण के लिए सरकार की प्रतिबद्धता के लिए प्रार्थना की गई । नमामि गंगे काशी क्षेत्र के संयोजक राजेश शुक्ला ने कहा कि प्रधानमंत्री ने 2014 के लोकसभा चुनाव में जब अपने संसदीय क्षेत्र के तौर पर काशी को चुना था, तब भी उन्होंने कहा था कि उन्हें मां गंगा ने बुलाया है । तब से अब तक मां गंगा के पुत्र के रूप में पीएम मोदी की नमामि गंगे के तहत प्राथमिकता गंगा सफाई एवं यह सुनिश्चित करना है कि शहरों की गंदगी गंगा में न गिरे । प्रधानमंत्री मोदी का सपना है कि भारत आत्मनिर्भर बने इस निमित्त हमने मां गंगा की आरती और दुग्धाभिषेक कर आशीर्वाद मांगा है।

संविधान आधारित सामान्य ज्ञान परीक्षा में उत्साह से विद्यार्थियों ने की भागीदारी

–सामाजिक संस्था आशा ट्रस्ट की पहल, सनातन धर्म और आर्य महिला इंटर कॉलेज के बच्चों ने लिया भाग

वाराणसी, (हि.स.)। भारतीय संविधान को लागू हुए 74 वां वर्ष चल रहा है। इस अवसर पर बच्चों को संविधान की प्रमुख विशेषताओं से परिचित कराने के उद्देश्य से सामाजिक संस्था आशा ट्रस्ट ने खास पहल की है। संस्था ने शनिवार को शहर के दो विद्यालयों सनातन धर्म इंटर कॉलेज एवं आर्य महिला इंटर कॉलेज में संविधान आधारित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया। जिसमें लगभग 800 बच्चों ने भाग लिया। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक डॉ. इंदु पाण्डेय ने बताया कि यदि किशोरावस्था में ही संविधान से मूल तत्वों, अधिकारों के साथ साथ हम मौलिक कर्तव्यों से भी विद्यार्थियों को परिचित कराएं तो निश्चित रूप से वे एक जिम्मेदार और संवेदनशील नागरिक बन सकेंगे। हमारी कोशिश है कि इस प्रक्रिया में हम अधिकतम विद्यालयों तक पहुंचे और बच्चों को रुचिकर ढंग से संविधान की विशेषताओं से परिचित कराएं। डॉ. इन्दु ने बताया कि संस्था नवीं से बारहवीं तक के विद्यालयों में विद्यार्थियों को संविधान से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्यों, मौलिक अधिकार एवं कर्तव्य से परिचित कराने के लिए सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन कर रही है। इस कार्यक्रम की शुरूआत संविधान दिवस 26 नवम्बर 2022 से हुई। वाराणसी और आसपास के जिलों के लगभग 50 माध्यमिक विद्यालयों में इस परीक्षा का आयोजन हो चुका है। जिसमें लगभग 14 हजार से अधिक बच्चे शामिल हो चुके हैं। प्रदर्शन करने वाले लगभग 700 बच्चों को संस्था ने प्रशस्ति पत्र एवं उपहार दिया है। सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के आयोजन में मुख्य रूप से विशाल, विनय सिंह, रैनी सिंह, अदिति, अर्पित, निकिता, काव्या आदि का प्रमुख योगदान रहा। डॉ. योगिता, डॉ. आशुतोष पाण्डेय, डॉ. सुनीता सहित अन्य शिक्षकों ने प्रतियोगिता आयोजन में सहयोग दिया।

देश के हर मेडिकल कॉलेज में 2024 के अंत तक होगी अंग प्रत्यारोपण की सुविधा : मांडविया

आगरा, (हि.स.)। प्रधानमंत्री के जन्मदिन के उपलक्ष्य में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया और स्वास्थ्य राज्यमंत्री प्रो. एसपी सिंह बघेल की उपस्थिति में आगरा में देश में पहली बार अंगदान संकल्प कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने 23 एकीकृत सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयोगशालाओं और 87 ब्लॉक सार्वजनिक स्वास्थ्य इकाइयों की आधारशिला रखी तथा सरोजिनी नायडू मेडिकल कॉलेज में सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक का उद्घाटन और अंगदान रजिस्ट्री का अनावरण किया। आगरा के जीआईसी ग्राउंड में आयोजित अंगदान संकल्प कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. मांडविया ने कहा कि अंगदान से बड़ा कोई पुण्य का काम नहीं है। जीते जी देश के नागरिकों को रक्तदान करना चाहिए और मृत्यु के बाद अंगदान करना चाहिए। अंगदान के माध्यम से किसी व्यक्ति की मृत्यु के बाद दूसरे व्यक्ति को नया जन्म मिलता है। उन्होंने कहा कि 2024 के अंत तक देश के हर मेडिकल कालेज में अंग प्रत्यारोपण की सुविधा मिल सके, इसके लिए मशीनों की खरीद, डाक्टरों की उपलब्धता और ट्रेनिंग सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि जो भी अस्पताल अंग प्रत्यारोपण की सुविधा अपने यहां खोलना चाहेंगे उन्हें केद्र सरकार की तरफ से सवा करोड़ रुपये की आर्थिक मदद दी जाएगी। उन्होंने कहा कि अंगदान के बाद मरीज को जीवन भर दवाइयां खानी पड़ती हैं, कई टेस्ट कराने पड़ते हैं इसके लिए उस मरीज को केंद्र सरकार की तरफ से प्रतिमाह 10 हजार रुपये की आर्थिक मदद दी जाएगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य अंगदान को 02 से बढ़ाकर 60 प्रतिशत करना है। डॉ. मांडविया ने कहा कि देश के 60 करोड़ लोगों को 5 लाख तक की मुफ्त इलाज की गारंटी मोदी सरकार दे रही है। आयुष्मान भवः अभियान के तहत 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा चलेगा जिसमें अधिक से अधिक लोगों को आयुष्मान कार्ड बनवाना चाहिए। पहले देश के युवाओं को एमबीबीएस की पढ़ाई के लिए विदेश जाना पड़ता था लेकिन मोदी सरकार में पिछले नौ साल में एमबीबीएस की सीटों की संख्या दो गुनी हो गयी है। पहले 54000 सीटें थीं जो कि अब बढ़कर एक लाख सात हजार हो गई हैं। वीडियो संदेश के माध्यम से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सरकार ने हमेशा नागरिकों के स्वास्थ्य और भलाई को सर्वोच्च महत्व दिया है। अंगदान प्रतिज्ञा पहल की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि अंगदान करने से दूसरे व्यक्ति को नया जीवन मिल सकता है।

आईएसआईएस के आतंकी राहुल सेन को कोर्ट में किया गया पेश, भेजा गया जेल

रांची, (हि. स.)। एनआईए के विशेष न्यायाधीश एमपी वर्मा की अदालत में शनिवार को मध्य प्रदेश के रतलाम जिले से गिरफ्तार आईएसआईएस के झारखंड मॉड्यूल से जुड़े संदिग्ध आतंकी राहुल सेन उर्फ उमर को पेश किया गया। अदालत ने राहुल को न्यायिक हिरासत में बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार (जेल) भेज दिया। अब राहुल सेन उर्फ उमर को एनआईए रिमांड पर लेकर पूछताछ करेगी। इसके लिए एनआईए ने अदालत में आवेदन भी दिया है। उल्लेखनीय है कि झारखंड में आतंकी संगठन आईएसआईएस की मॉड्यूल को लेकर एनआईए ने 14 सितंबर को कई राज्यों के नौ ठिकानों पर छापेमारी की थी। छापेमारी के दौरान एनआईए ने मध्यप्रदेश के रतलाम से एक संदिग्ध राहुल सेन उर्फ उमर को गिरफ्तार किया था। इसके पास से लैपटॉप, पेन ड्राइव, मोबाइल फोन सहित आईएसआईएस से जुड़े दस्तावेज भी बरामद किये गये थे।

'चलो करें आवास पूरा अभियान' शुरू, 10 अक्टूबर तक चलेगा कार्यक्रम

पलामू, (हि.स.)। जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत अभियान चलाकर अपूर्ण आवासों को पूर्ण किया जायेगा। इसे लेकर शनिवार को समाहरणालय ब्लॉक सभागार में बैठक आयोजित कर ह्यचलो करें आवास पूरा अभियानह्ल का शुभारंभ किया गया। बैठक में जिला परिषद अध्यक्ष प्रतिमा कुमारी, उपविकास आयुक्त रवि आनन्द सभी प्रखंडों के प्रमुख, उपप्रमुख, परियोजना पदाधिकारी, जिला समन्वयक प्रशिक्षण समन्वयक बैठक में उपस्थित रहे एवं सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, प्रखंड समन्वयक वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लिए। बैठक में उपविकास आयुक्त ने अभियान से संबंधित विस्तृत जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य आवास योजना अंतर्गत सभी अपूर्ण आवासों को 10 अक्टूबर तक पूर्ण कराना है। सभी से अनुरोध किया गया कि अभियान को सफल बनाने के लिए अपूर्ण आवास के लाभुक को आवास पूर्ण करने हेतु प्रेरित करें, पंचायत, गांव, टोला स्तर पर लाभुकों को आवास पूर्ण करने के निमित्त हर सहायता मुहैया करायें। उपविकास आयुक्त ने अपूर्ण आवासों के लाभुकों से डोर-टू-डोर संपर्क करने का निर्देश दिया एवं प्रत्येक गुरुवार को अनिवार्य रुप से लाभुक दिवस मनाकर लाभुक के समस्या का निराकरण करने का निर्देश दिया। साथ ही अभियान का जिला, प्रखण्ड एवं पंचायत स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार का निर्देश दिया गया। अभियान के दौरान पूर्ण किए गए आवासों में स्थानीय जन प्रतिनिधियों की उपस्थिति में गृह प्रवेश कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। 100 प्रतिशत आवास पूर्ण करनेवाले पंचायत के मुखिया एवं प्रखंड में सर्वाधिक आवास पूर्ण करनेवाले प्रखण्ड विकास पदाधिकारी एवं प्रखण्ड समन्वयक को सम्मानित भी किया जायेगा।

कल्पवास मेला एवं अर्द्धकुंभ की तैयारी दस अक्तूबर तक पूरा करने का निर्देश

बेगूसराय (हि.स.)। बिहार में सिमरिया गंगा तट पर 18 अक्तूबर से 27 नवंबर तक चलने वाले एशिया प्रसिद्ध राजकीय कल्पवास मेला एवं अर्द्धकुंभ की तैयारी काफी तेज हो गई है। मेला का उद्घाटन करने के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के संभावित आगमन को लेकर जिला प्रशासन ने युद्धस्तर पर तैयारी शुरू कर दिया है। शनिवार डीएम रोशन कुशवाहा एवं एसपी योगेंद्र कुमार ने सिमरिया आकर अधिकारियों को हर हाल में दस अक्तूबर तक कल्पवासियों को मिलने वाली सुविधा और मेला की तैयारी पूरी करने का निर्देश दिया है। डीएम ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए ट्रांसफार्मर के साथ मेला क्षेत्र में पांच हाई मास्क लगाने, स्वच्छ पेयजल के लिए हर खालसा में चापाकल एवं जगह–जगह नल लगाने के निर्देश दिए गए हैं। पार्किंग बनाने, सड़क एवं परिक्रमा मार्ग तैयार करने सहित गंगा तट पर चल रहे कई अन्य विकास कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया गया है। निरीक्षण के दौरान डीएम एवं एसपी ने सभा स्थल, हेलीपैड स्थल, पार्किंग, निर्माणाधीन कल्पवास क्षेत्र का भी जायजा लिया। इस दौरान बन रहे सिक्सलेन सड़क

पुल के नीचे बिखरे समान, पाइलिंग सीट को हटाने, स्नान घाट जाने वाली मुख्य सड़क पर फ्लाई ऐश के ऊपर मोरंग डालने का निर्देश दिया। डीएम रोशन कुशवाहा ने बताया कि राजकीय कल्पवास मेला एवं अर्ध कुंभ के तैयारी की समीक्षा किया है। कल्पवास क्षेत्र के विस्तार का सभी कार्य दस अक्तूबर तक पूरा करने का निर्देश दिया गया है। यहां आने वाले कल्पवासियों के लिए पीने के पानी एवं शौचालय की समस्या आती रहती है। इसके संबंध में आदेश अधिकारियों को दिया गया है। कल्पवास एवं अर्ध कुंभ में अधिक से अधिक लोग आएं, इसके मद्देनजर उनके सुविधा की तैयारी चल रही है। एसपी योगेंद्र कुमार ने बताया कि सिमरिया गंगा घाट में स्थाई पुलिस स्टेशन खोला जा रहा है। कल्पवास मेला एवं अर्ध कुंभ को लेकर पेट्रोलिंग की विशेष व्यवस्था की जाएगी। रात में बाइक पेट्रोलिंग व्यवस्था की जाएगी। मेला क्षेत्र में सुरक्षा, सीसीटीवी एवं श्रद्धालुओं के मूवमेंट व्यवस्था पर नजर रखी जा रही है। इसके अलावा कमांड कंट्रोल सेंटर भी खोला जाएगा। 2017 के महाकुंभ मेले में जितने पुलिस बल की तैनाती की गई थी, इस बार उससे अधिक मजिस्ट्रेट, पुलिस पदाधिकारी एवं बल की तैनाती की जाएगी। उल्लेखनीय है कि सिमरिया कार्तिक कल्पवास–सह–अर्ध कुंभ मेला का ध्वजारोहण 19 अक्तूबर को होगा।

संपादकीय

शहादत मांगे प्रतिशोध

जम्मू कश्मीर के अनंतनाग इलाके में, आतंकियों के खिलाफ ऑपरेशन के दौरान, राष्ट्रीय राइफल्स के कमांडिंग अफसर कर्नल मनप्रीत सिंह, मेजर आशीष, राज्य पुलिस के डीएसपी हुमायूं भट्ट और राइफलमैन रवि कुमार जिस तरह 'शहीद' हुए, वह अत्यंत त्रासद और मर्माहत घटना है। ऐसी शहादतों का खालीपन भरना बेहद मुश्किल होता है, क्योंकि एक सैनिक या जवान को प्रशिक्षित करने में अनथक मशक्कत और ढेरों संसाधन लगते हैं। चार परिवारों के आंगन में 'शहीदों' के पार्थिव शरीर रखे थे और परिजन न चाहते हुए भी शोक-संतप्त हैं। जिन बच्चों ने कुछ समय पहले ही अपनी आंखें खोली हैं, वे पिता के साये से अनाथ हो चुके हैं। उनकी नियति शायद यही थी! आतंकवाद और ऑपरेशन इन व्यथाओं को महसूस ही नहीं कर सकते। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद का सफाया कर दिया गया है, हमारा राजनीतिक नेतृत्व बार-बार यही दावे करता है, लेकिन यह विराट अद्र्धसत्य है। आतंकवादी नई रणनीति, नई साजिश और नई चुनौतियों के साथ अचानक हमले करते हैं। शहादत पर देश को गर्व हो सकता है, मां भारती सुरक्षित रहती है, लेकिन घरों के चिराग भी बुझते हैं। आतंकवाद को क्या हासिल होता है? क्या इसे ही जेहाद कहते हैं? बेशक कश्मीर में आतंकवाद की बुझती, आखिरी लौ हो सकती है, लेकिन पाकपरस्त लश्कर-ए-तैयबा और उसके छद्म नाम वाले आतंकी गुट 'द रजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) के दहशतगर्द अपने नापाक मंसूबों में तो कामयाब रहे हैं। बेशक 95 फीसदी आतंकवाद, उनके नेटवर्क, घुसपैठ और पाकिस्तान का छाया-युद्ध समाप्त हो रहा है, लेकिन शेष 5 फीसदी के उन्मूलन में हमें न जाने कितनी शहादतें देनी पड़ेंगी? इस घटना के साथ संघ शासित क्षेत्र के 'पीर पंजाल' इलाके पर फोकस हो गया है, क्योंकि वह आतंकी गतिविधियों के नए इलाके के तौर पर उभर रहा है। 'पीर पंजाल' में ही जनवरी, 2021 से 30 मई, 2023 के बीच 24 सुरक्षाकर्मी 'शहीद' हुए और 75 नागरिक मारे जा चुके हैं। अगस्त माह तक यह आंकड़ा अधिक हो सकता है, क्योंकि कश्मीर में सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ें थमी नहीं हैं। कम जरूर हुई हैं। राजौरी जिले के इस इलाके में घने जंगल और कुदरती गुफाएं हैं। वे आतंकियों के लिए 'पनाहगार' साबित हो रहे हैं। इस इलाके में सुरक्षा स्थितियां बेहतर मानी जाती थीं, लेकिन 2020 के बाद यह आतंकियों का नया गढ़ बन गया है और आतंकी गतिविधियां लगातार जारी रही हैं। पाकिस्तान की सीमा भी करीब लगती है। घने जंगलों के कारण ऑपरेशन चलाने में दिक्कतें होती हैं। चूंकि आतंकी घात लगाए बैठे रहते हैं, लिहाजा हमारे सैनिक और जवान गोलीबारी के सहज निशाने पर रहते हैं। केंद्रीय मंत्री एवं पूर्व सेना प्रमुख जनरल वीके सिंह का मानना है कि पाकिस्तान को पूरी तरह अलग-थलग कर देना चाहिए। कैसे किया जा सकता है? हमारे क्रिकेट, कूटनीतिक और कुछ कारोबारी संबंध तो हैं। उन्हें खत्म करेंगे, तो पाकिस्तान अलग-थलग किया जा सकता है। लेकिन फारूक अब्दुल्ला और सैफुद्दीन सोज सरीखे कश्मीरी नेता पुराना राग अलापते रहे हैं कि पाकिस्तान से बातचीत करनी चाहिए। संवाद से ही आतंकवाद का सफाया किया जा सकता है, अमन-चैन आ सकता है, लेकिन मुठभेड़ों से आतंकवाद को समाप्त नहीं किया जा सकता। हमारा मानना है कि शहादतों की प्रतिक्रिया में पलटवार किए जाने चाहिए। सेना और सुरक्षा बल प्रतिशोध लें। ऐसा वे कर भी रहे होंगे, क्योंकि हमारे सैनिकों और जवानों के हाथ पूरी तरह स्वतंत्र हैं। बेशक बीते साल में 1.88 करोड़ पर्यटक कश्मीर की सरजमीं पर आए, बेशक जी-20 देशों की बैठक भी वहीं आयोजित की गई, बेशक कश्मीर में 'तिरंगा' ऊंची इमारतों पर लहराता है, लेकिन पाकपरस्त आतंकी गुट लगातार रणनीति बदलते रहे हैं, ताकि सुरक्षा-व्यवस्था को चकमा दिया जा सके। वैसे सेना के ही जनरलों का कहना है कि पंजाब और नेपाल के रास्ते भी आतंकी कश्मीर में घुस रहे हैं। हालांकि स्थानीय स्तर पर आतंकी गुटों में भर्तियां, पत्थरबाजी, गिरोह बहुत कम हुए हैं, लेकिन अब भी हैं और उन्हीं से आतंकवाद जिंदा है।

आतंकवादी नई रणनीति, नई साजिश और नई चुनौतियों के साथ अचानक हमले करते हैं। शहादत पर देश को गर्व हो सकता है, मां भारती सुरक्षित रहती है, लेकिन घरों के चिराग भी बुझते हैं। आतंकवाद को क्या हासिल होता है? क्या इसे ही जेहाद कहते हैं? बेशक कश्मीर में आतंकवाद की बुझती, आखिरी लौ हो सकती है, लेकिन पाकपरस्त लश्कर-ए-तैयबा और उसके छद्म नाम वाले आतंकी गुट 'द रजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) के दहशतगर्द अपने नापाक मंसूबों में तो कामयाब रहे हैं। बेशक 95 फीसदी आतंकवाद, उनके नेटवर्क, घुसपैठ और पाकिस्तान का छाया-युद्ध समाप्त हो रहा है, लेकिन शेष 5 फीसदी के उन्मूलन में हमें न जाने कितनी शहादतें देनी पड़ेंगी? इस घटना के साथ संघ शासित क्षेत्र के 'पीर पंजाल' इलाके पर फोकस हो गया है, क्योंकि वह आतंकी गतिविधियों के नए इलाके के तौर पर उभर रहा है। 'पीर पंजाल' में ही जनवरी, 2021 से 30 मई, 2023 के बीच 24 सुरक्षाकर्मी 'शहीद' हुए और 75 नागरिक मारे जा चुके हैं। अगस्त माह तक यह आंकड़ा अधिक हो सकता है, क्योंकि कश्मीर में सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ें थमी नहीं हैं। कम जरूर हुई हैं।

कुछ अलग

'इंडिया' की अदालत में मीडिया

'कभी तेरे नाम से ही खबर पर ऐतबार होता था, आज तेरे लिखे पे नफरत फैलाने का इल्जाम है।' पत्रकारिता ने अपने महत्त्व को इतना गिरा दिया है कि अब बहस का विषय बनकर कोई एंकर कठघरे में खड़ा है। विपक्षी एकता के नाम पर बन चुका गठबंधन लोकतंत्र की गांठ से मीडिया के एक हिस्से को अलहदा करके आखिर कहना क्या चाहता है और यह परिस्थितियां क्यों पैदा हुईं कि 'कल तक जो हाशियों के बाहर कर रहे थे, आज अपनी ही महफिल से कट गए।' मोदी सरकार के खिलाफ चुनावी चौपाल में हो रहे फैसलों का एक नज़ला अगर मीडिया पर गिर रहा है तो यह पत्रकारिता के गिरते मानदंड की चेतावनी भर नहीं, बल्कि भविष्य की मांद में एक खतरनाक आदेश पलने लगा है। मीडिया बनाम राजनीति का वर्तमान मुकाबला केवल 14 एंकरों का बहिष्कार नहीं कर रहा, बल्कि लोकतंत्र के तमाम स्तंभों के बीच जर्जर होते विश्वास, आपसी संतुलन और पारस्परिक भूमिका के क्षरण का भी संदेश दे रहा है। इसमें दो राय नहीं कि पिछले कुछ सालों में मीडिया खासतौर पर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने अपनी भाषा, शब्दावली, नैतिकता, संयम, विवेक, स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक चरित्र को कहीं तो चोट पहुंचाई है, जिससे संपूर्ण पत्रकारिता में अस्थिरता, मौका परस्ती और कारपोरेटीकरण का बोलबाला हो गया। आश्चर्य यह कि कुछ चेहरे हाई प्रोफाइल या पंच सितारा पत्रकार बनकर, मीडिया व्यापार की पेशकश में कारिंदे हो गए। कुछ राजनीतिक बिचौलिए और कुछ समाज के भीतर नफरत के बीज बोने के माहिर हो गए। पिछले सालों में जो मीडिया परिदृश्य उभरा है, उसमें पत्रकारिता ने अपनी गुणवत्ता, विश्वसनीयता और सत्यनिष्ठा में अत्यंत गिरावट के साक्ष्य सौंपे हैं। आज अगर विपक्षी गठबंधन की अदालत में मीडिया जगत के 14 चिन्हित चेहरे अछूत घोषित हो रहे हैं, तो यह असाधारण घटनाक्रम है और जिसके प्रभाव में पत्रकारिता के मनोबल को कहीं न कहीं चोट पहुंचेगी। विडंबना यह है कि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की पार्टियां जहां सत्तारूढ़ हैं, वहां भी पत्रकारिता से अपेक्षाएं भिन्न या स्वतंत्र नहीं हैं। मीडिया स्वतंत्रता की कीमत या तो किसी आपराधिक केस में उलझ कर चुकानी पड़ रही है या सरकारी विज्ञापनों से किनारे लगाकर मिलती है। लोकसभा में दी गई जानकारी के अनुसार केंद्र सरकार ने 2014-15 से दिसंबर 2022 तक प्रिंट मीडिया को 3138 करोड़ तथा इलेक्ट्रॉनिक को 3260 करोड़ के विज्ञापन बांटे हैं। जाहिर है इस धन का आबंटन मीडिया की छाती पर नहीं, घुटने टेकने की वजह से कहीं अधिक हुआ है। लेकिन यही परिदृश्य अब राज्य सरकारें भी बना रही हैं। दिल्ली में आप सरकार अगर छह सौ करोड़ के विज्ञापन बांट कर अपना प्रचार करती है, तो मीडिया के बीच कतारबद्ध होने की वजह भी है।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत एकला चलो राह पर मैदान में उतर चुके हैं

एकला चलो की राह पर गहलोत

रमेश सर्राफ

चुनाव के लिए गठित किसी भी कमेटी की कमान सचिन पायलट को नहीं दी गई है। चुनाव कमेटियों में उन्हें मात्र एक सदस्य के तौर पर ही शामिल किया गया है। सचिन के अधिकांश समर्थकों को भी कमेटियों से दूर रखा गया है। यह कर गहलोत ने दिखा दिया है कि राजस्थान में कांग्रेस के वही एक छत्र नेता हैं। उन्हीं के नेतृत्व में चुनाव लड़ा जाएगा। टिकटों के वितरण में भी उन्हीं की चलेगी।

राजस्थान में विधानसभा चुनाव होने में अब मात्र दो माह का समय रह गया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत एकला चलो राह पर मैदान में उतर चुके हैं। पूरे चुनाव की कमान अपने हाथों में थाम कर व्यूह रचना में जुट गए हैं। अपने प्रतिद्वंद्वी सचिन पायलट को चुनाव रणनीति से पूरी तरह दूर कर दिया है। चुनाव के लिए गठित किसी भी कमेटी की कमान सचिन पायलट को नहीं दी गई है। चुनाव कमेटियों में उन्हें मात्र एक सदस्य के तौर पर ही शामिल किया गया है। सचिन के अधिकांश समर्थकों को भी कमेटियों से दूर रखा गया है। यह कर गहलोत ने दिखा दिया है कि राजस्थान में कांग्रेस के वही एक छत्र नेता हैं। उन्हीं के नेतृत्व में चुनाव लड़ा जाएगा। टिकटों के वितरण में भी उन्हीं की चलेगी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पिछले दिनों राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए कोर कमेटी, कोऑर्डिनेशन कमेटी, चुनाव कम्पेनिंग कमेटी, मेनिफेस्टो कमेटी, स्ट्रेटजी कमेटी, मीडिया एंड कम्युनिकेशन कमेटी, पब्लिसिटी एंड पब्लिकेशन कमेटी और प्रोटोकॉल कमेटी सहित कुल आठ कमेटियों का गठन किया है। इनमें कांग्रेस वर्किंग कमेटी का सदस्य होने के नाते सचिन पायलट को तो शामिल किया गया है। मगर उनके समर्थकों को विशेष तवज्जो नहीं दी गई। चुनाव में सबसे महत्वपूर्ण कोर कमेटी का संयोजक कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा को बनाया गया है। इस कमेटी में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, कांग्रेस कार्य समिति के सदस्य भंवर जितेंद्र सिंह, सचिन पायलट, पंजाब के प्रभारी हरीश चौधरी, महेंद्रजीत मालवीया, मोहन प्रकाश, विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी, कैबिनेट मंत्री गोविंद राम मेघवाल को शामिल किया गया है। इस कमेटी में पायलट को छोड़कर बाकी सभी गहलोत समर्थक हैं। विधानसभा चुनाव के दौरान महत्वपूर्ण निर्णय लेने में कोर कमेटी की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसमें समर्थन न होने से पायलट अकेले पड़ गए हैं। दूसरी सबसे महत्वपूर्ण कोऑर्डिनेशन कमेटी में कुल 26 लोगों को शामिल किया गया है। इसमें मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सहित सभी पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष, विधायक दल के पूर्व नेता, कांग्रेस कार्य समिति के सदस्यों को शामिल किया गया हैं। इसमें कई मंत्री व प्रमुख नेताओं को भी जगह दी गई है। इस कमेटी में कैबिनेट मंत्री शांति धारीवाल को भी शामिल किया गया है। उन्होंने पिछले साल 25 सितंबर को कांग्रेस पर्यवेक्षक मल्लिकार्जुन खड़गे व अजय माकन द्वारा बुलाई गई कांग्रेस विधायक दल की

बैठक का बहिष्कार करवाया था। धारीवाल को कांग्रेस अनुशासन समिति द्वारा उस घटना पर कारण बताओ नोटिस भी दिया गया था। जिस पर अभी तक कोई फैसला नहीं हुआ है। उसके उपरांत भी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपने सबसे निकटवर्ती मंत्री शांति धारीवाल को उक्त महत्वपूर्ण कमेटी में शामिल करवा कर यह बता दिया है कि कांग्रेस में वही होगा जो वह चाहेंगे। कैंपेनिंग कमेटी का अध्यक्ष कैबिनेट मंत्री गोविंद राम मेघवाल को बनाया गया है। मेघवाल बीकानेर संभाग में गहलोत के कट्टर समर्थक नेता माने जाते हैं। पूर्व में वह भाजपा विधायक व संसदीय सचिव रह चुके हैं। उन्होंने कांग्रेस टिकट पर 2013 और 2018 का विधानसभा चुनाव लड़ा था जिसमें 2013 में हार गए थे। मंत्री बनने से पहले उन्हें प्रदेश कांग्रेस का उपाध्यक्ष भी बनाया गया था। पहले सचिन पायलट को चुनाव कम्पेनिंग कमेटी का अध्यक्ष बनाए जाने की चर्चा थी। मगर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने दलित नेता गोविंदराम मेघवाल का नाम आगे कर पायलट का पत्ता साफ कर दिया। मेनिफेस्टो कमेटी का अध्यक्ष विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी को बनाया गया है। इस कमेटी में 21 सदस्यों को शामिल किया गया है। कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य होने के नाते सचिन पायलट को एक्स ऑफिस मेंबर के रूप में इस कमेटी का सदस्य बनाया गया है। पंजाब के प्रभारी व बाड़मेर से आने वाले जाट नेता हरीश चौधरी को स्ट्रैटेजिक कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया है। इस कमेटी में कुल 26 लोगों को शामिल किया गया है। कैबिनेट मंत्री ममता भूपेश को मीडिया एंड कम्युनिकेशन कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया है। इस कमेटी में 22 लोगों को शामिल किया गया है। मीडिया एंड पब्लीसिटी कमेटी का राज्य मंत्री मुरारीलाल मीणा को अध्यक्ष बनाया गया है। इस कमेटी में 21 लोगों को शामिल किया गया है। मुरारीलाल मीणा की गिनती कट्टर पायलट समर्थकों में होती है। दौसा जिले से आने वाले मुरारीलाल मीणा समाज के प्रभावशाली नेता है तथा पायलट के समर्थन में मुखर होकर बात रखते हैं। प्रोटोकॉल कमेटी का अध्यक्ष कैबिनेट मंत्री प्रमोद जैन भाया को बनाया गया है इस कमेटी में 21 सदस्य शामिल है। कोटा के सांगोद से विधायक व पूर्व मंत्री भरतसिंह प्रमोद जैन भाया के भ्रष्टाचार को लेकर अक्सर मुख्यमंत्री को पत्र लिखते रहते हैं। भारत सिंह के विरोध के बावजूद प्रमोद जैन भाया को कमेटी का अध्यक्ष बनाकर गहलोत ने भरतसिंह की बोलती बंद कर दी है। हाल ही में गठित की गई चुनाव कमेटियों में अशोक गहलोत ने अपने विश्वास के नजदीकी लोगों को शामिल करवाया है। मुरारीलाल मीणा को छोड़कर बाकी सभी कमेटियों के अध्यक्ष गहलोत की पसंद के हैं। मुख्यमंत्री के पुत्र वैभव गहलोत भी कैंपेनिंग कमेटी के सदस्य बनाए गए है। हाल ही में कांग्रेस अध्यक्ष ने भीलवाड़ा में बड़े किसान सम्मेलन को संबोधित किया था। मगर सचिन पायलट वहां भी अनुपस्थित रहे थे। कुछ महीने पहले तक बगावती रुख अपनाये हुए सचिन पायलट को कांग्रेस आला कमान ने कांग्रेस कार्य समिति का सदस्य बनाकर चुनाव तक शांत रहने के लिए तो मना लिया था। मगर राजस्थान में अशोक गहलोत किसी भी स्थिति में सचिन पायलट को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं हैं। उन्हें जहां भी मौका मिलता है वह पायलट के पर कतर देते हैं। कांग्रेस आला कमान के समझाने पर सचिन पायलट ने राजस्थान लोक सेवा आयोग में व्याप्त भ्रष्टाचार, शिक्षक भर्ती में घोटाला, पेपर लीक प्रकरण को लेकर युवा वर्ग के पक्ष में पांच दिनों तक अजमेर से जयपुर तक पदयात्रा निकालने के बाद शुरू किए गए जन आंदोलन को भी समाप्त कर दिया था। लेकिन मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य से लगता है कि राजस्थान कांग्रेस में पायलट को कोई महत्वपूर्ण भूमिका नहीं मिलने वाली है। अशोक गहलोत को राजनीति का जादूगर कहा जाता है। वह कब कौन सी बाजी पलट दे किसी को नहीं पता होता है। जब कांग्रेस आलाकमान ने उनका नाम कांग्रेस अध्यक्ष के लिए घोषित कर दिया था तब उन्होंने अचानक विधायकों से बगावत करवा कर सचिन पायलट के मंसूबों पर पानी फेर दिया। उन्होंने कांग्रेस आलाकमान के निर्देशों की अवहेलना कर कांग्रेस अध्यक्ष के बजाय मुख्यमंत्री ही बने रहना बेहतर माना।

कानूनी बाध्यता के बगैर अप्रभावी है जी-20

जी-20 की अब तक की सबसे बड़ी उपलब्धि साल 2008 के आर्थिक संकट को मैनेज करना था। तब आर्थिक संकट को काबू करने में इस समूह ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वहीं जी-20 ने आईएमएफ और वल्ड बैंक में कुछ सार्थक बदलाव भी किए। इसके बावजूद जलवायु परिवर्तन जैसे मसले हैं जिन पर पेरिस समझौते के बाद भी कुछ नहीं हुआ। जिस तरह यूनाइटेड नेशन्स में बातचीत होती है, लेकिन उनके पास धन है जिसका इस्तेमाल कुछ मामलों में किया जा सकता है। जी-20 में ऐसा नहीं है। ऊपर से देखें तो जी-20 की बैठक में खूब तडक़-भडक़ नजर आती है। 20 बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देशों के प्रमुखों का जुटना, एजेंडा तय करना, लेकिन गहराई से देखें तो अभी तक जी-20 से कुछ भी हासिल नहीं हुआ है। इस तरह के आर्थिक प्लेटफॉर्म तभी ज्यादा कामयाब होते हैं जब दुनिया में भू-राजनीतिक तनाव कम हों। अभी ऐसी स्थिति है कि यह तनाव बहुत ज्यादा हावी है। बड़ी शक्तियां आपस में एक-दूसरे के साथ काम करने को तैयार नहीं हैं।

द्विपक्षीय समझौतों को छोड़ कर सामूहिक तौर पर जी-20 के सदस्यों पर कोई बाध्यता नहीं है कि वो जी-20 के मंच पर किए अपने वादों को निभाएं ही। जी-20 के पास भी ऐसा कोई साधन नहीं है, जिसके तहत इन वादों को लागू करने के लिए कुछ किया जा सके। जी-20 की अब तक की सबसे बड़ी उपलब्धि साल 2008 के आर्थिक संकट को मैनेज करना था। तब आर्थिक संकट को काबू करने में इस समूह ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वहीं जी-20 ने आईएमएफ और वल्ड बैंक में कुछ सार्थक बदलाव भी किए। इसके बावजूद जलवायु परिवर्तन जैसे मसले हैं जिन पर पेरिस समझौते के बाद भी कुछ नहीं हुआ। जिस तरह यूनाइटेड नेशन्स में बातचीत होती है, लेकिन उनके पास धन है जिसका इस्तेमाल कुछ मामलों में किया जा सकता है। जी-20 में ऐसा नहीं है। ऊपर से देखें तो जी-20 की बैठक में खूब तडक़-भडक़ नजर आती है। 20 बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देशों के प्रमुखों का जुटना, एजेंडा तय करना, लेकिन गहराई से देखें तो अभी तक जी-20 से कुछ भी हासिल नहीं हुआ है। इस तरह के आर्थिक प्लेटफॉर्म तभी ज्यादा कामयाब होते हैं जब दुनिया में भू-राजनीतिक तनाव कम हों। अभी ऐसी स्थिति है कि यह तनाव बहुत ज्यादा हावी है। बड़ी शक्तियां आपस में एक-दूसरे के साथ काम करने को तैयार नहीं हैं। उन्हें साथ लाना बड़ी चुनौती होती जा रही है। वैश्विक तनाव का प्रभाव केवल जी-20 पर

हुआ है, ऐसा नहीं है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भी डेडलॉक है क्योंकि रूस-चीन एक तरफ हैं और पश्चिमी देश एक तरफ हैं। कोविड के समय विश्व स्वास्थ्य संगठन ने काम नहीं किया, क्योंकि चीन ने वहां अड़ंगे लगाए। डब्ल्यूटीओ काम नहीं कर रहा। जी-20 एक नया संगठन है, जिसमें आर्थिक हालात को सुधारने की बात की गई है, लेकिन इसका कोई खास असर विश्व पर नहीं हुआ। वर्ष 1999 में गठन के बाद से समूह के अधिकांश साझे बयान बस बयान तक ही सीमित रह गए। जैसे रोम में साल 2021 शिखर सम्मेलन के दौरान जी-20 नेताओं ने कहा था कि वे सार्थक और प्रभावी कार्यों के साथ ग्लोबल वार्मिंग को सीमित करेंगे, विदेशों में कोयला बिजली संयंत्रों के वित्तपोषण को समाप्त करेंगे। बाद में साल 2022 में अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने बताया कि दुनिया भर में कोयला आधारित बिजली उत्पादन एक नई ऊंचाई पर पहुंच गया है। कोयले में निवेश 10 प्रतिशत बढक़र 150 अरब डॉलर होने की उम्मीद है। इससे कार्बनजनित प्रदूषण में बढ़ोत्तरी हुई है। मई में हिरोशिमा में जी-7 नेताओं द्वारा निरंतर जीवाश्म ईंधन को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने में तेजी लाने पर सहमति जताने के बावजूद जी-20 की ओर से रोडमैप पर सहमति नहीं बन पाई। वर्ष 2021 में, जी-20 ने एक बड़े टैक्स सुधार का समर्थन किया जिसमें प्रत्येक देश के लिए कम से कम 15 प्रतिशत का वैश्विक न्यूनतम कर शामिल था। इसने नए नियमों का भी समर्थन किया जिसके तहत अमेजन जैसे बड़े वैश्विक व्यवसायों को उन देशों में कर का भुगतान करना होगा जहां उनके उत्पाद बेचे जाते हैं, भले ही वहां उनके कार्यालय न हों। ग्लोबल टैक्स एग्रीमेंट एक बड़ा कदम था, लेकिन यह अब तक लागू नहीं हुआ। साल 1999 से पहले कुछ सालों से एशिया आर्थिक संकट से जूझ रहा था, जिसे देखते हुए जर्मनी में जी-8 देशों की बैठक हुई और जी-20 का गठन किया गया। इसमें सभी मजबूत अर्थव्यवस्था वाले 20 देशों के वित्त मंत्री और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों को बुलाया गया। संगठन का मकसद वैश्विक आर्थिक मुद्दों पर आपसी चर्चा कर हल निकालना था। साल 2008 की वैश्विक मंदी के बाद यह निर्णय लिया गया कि इस बैठक में सभी देशों के राष्ट्राध्यक्ष भी हिस्सा लेंगे। जी-20 समिट दुनिया के 20 देशों द्वारा मिलकर बनाया गया एक शक्तिशाली ग्रुप है। साल 1999 में इसकी स्थापना की गई। इसे मजबूत अर्थव्यवस्था वाले देशों द्वारा मिलकर आपसी सहयोग के लिए बनाया गया था। इसमें भारत, चीन, अमेरिका, रूस, जर्मनी, जापान के अलावा ब्रिटेन, फ्रांस, इटली, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, इंडोनेशिया, साउथ अफ्रीका, सउदी अरब, तुर्किये, मेक्सिको, साउथ कोरिया, यूरोपीय संघ और अर्जेंटीना शामिल हैं। यूरोपियन यूनियन सहित कुछ अंतरराष्ट्रीय संगठन इसके आमंत्रित सदस्य हैं। दिखने में जी-20 बहुत ताकतवर वैश्विक संगठन नजर आता है। इसके सदस्य देशों के पास मिलाकर दुनिया की 80 प्रतिशत जीडीपी, 60 प्रतिशत आबादी और 75 प्रतिशत ग्लोबल ट्रेड है। ऐसे में इस सम्मेलन में लिया गया फैसला दुनिया की इकोनॉमी पर बड़ा असर डाल सकता है, लेकिन फैसले पर अमल हो, इसकी कोई गारंटी नहीं है। यही वजह है कि जी-20 अपने अस्तित्व में आने के बाद से लेकर अभी तक विश्व को कोई ठोस दिशा नहीं दे सका है। इसके सदस्य देश आपस में द्विपक्षीय या त्रिपक्षीय आधार पर कोई समझौता अपने देशों के फायदे के लिए बेशक कर लें, किन्तु उसका वैश्विक लाभ मिलता नजर नहीं आता है। उदाहरण के तौर पर भारत ने अमरीका, यूएई सहित अन्य देशों से निजी तौर पर ऐसे ही समझौते किए हैं। जी-20 देशों के समूह के पास बैठक के दौरान लिए गए निर्णयों की पालना की बाध्यता के लिए जब तक कोई कानूनी उपाय नहीं किए जाएंगे, तब तक भारी-भरकम नजर आने वाले इस संगठन की प्रासंगिकता पूरी नहीं हो पाएगी। इसके विपरीत संयुक्त राष्ट्र संगठन में जब कोई प्रस्ताव पारित किया जाता है तो सभी देशों को उसके मानने की बाध्यता होती है। नहीं मानने की सूरत में उस देश की आलोचना के साथ कई तरह के प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। इसका उदाहरण ईरान है। परमाणु शक्ति को लेकर ईरान पर कई प्रतिबंध लगाए गए हैं। ऐसे ही कानून जब तक जी-20 के निर्णयों को लागू करने के लिए नहीं बनेंगे, तब तक यह संगठन अपने सर्वोच्च उद्देश्य तक नहीं पहुंच सकेगा। इस संगठन को प्रभावी बनाने के लिए इसमें शामिल देशों को सोचना होगा। तभी इन देशों तथा पूरे विश्व को इस संगठन का कोई लाभ हो पाएगा।

दृष्टिकोण

ड्रग्स की राजधानी बनने से कैसे बचे दिल्ली

दिल्ली में तेजी से फैलता नशे का कारोबार चिंता का विषय बन गया है। राजधानी में विभिन्न किस्म के मादक पदार्थों की तस्करी अब प्रत्येक गली-मोहल्लों में होने लगी है। एनसीआर क्षेत्र में भी नशे का कारोबार इस कदर फैल चुका है, जिसे रोकने में पुलिस-प्रशासन के हाथ-पांव फूल रहे हैं। बीते शनिवार को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने तस्करों से करीब 90 किलो अफीम पकड़ी, जो दूसरे प्रदेशों से लाई गई थी। दिल्ली में मादक पदार्थों की सप्लाई सबसे ज्यादा कहां-कहां होती है और उसके शौकीन कौन-कौन हैं? दरअसल ये एक ऐसा सवाल है जिसका उत्तर अगर सच्चाई से पुलिस-प्रशासन सार्वजनिक कर दे तो भूचाल आ जाएगा। हम सोच भी नहीं सकते कि इस जंजाल में कौन-कौन और कैसे-कैसे व्यक्ति शामिल हैं। हालांकि, इतना तो सभी जानते हैं कि किस्म-किस्म के महंगे मादक पदार्थों का सेवन कोई आम इंसान तो करेगा नहीं। इसके लिए मोटी रकम चुकानी पड़ती है इसलिए कोकीन, अफीम जैसे उच्च कोटि के नशीले पदार्थ के खरीदार भी बड़े लोग ही होते हैं। देखिए, दिल्ली एक ऐसी जगह है, जहां सरकार से लेकर ब्यूरोक्रेट लॉबी, बड़े उद्योगपति व विभिन्न राजनैतिक दलों के प्रमुख नेताओं का जमावड़ा रहता है। इनके रहन-सहन, जीने के तौर-तरीके से सभी वाकिफ ही हैं। फिलहाल, इस सामाजिक बुराई की आंच इन लोगों तक नहीं पहुंचती। दिल्ली को ड्रग्स के जंजाल से कैसे निकाला जाए? इसकी चिंता शायद किसी को है नहीं। निकालना कोई इसलिए भी नहीं चाहता, क्योंकि ड्रग्स के काले धंधे में एक ऐसा वर्ग शामिल है जिसके के लिए ये कारोबार मुनाफे का बड़ा जरिया बना हुआ है। उन्हीं को देखकर आज के नासमझ युवा मादक पदार्थ का सेवन करने लगे हैं, वो इसे स्टेटस सिंबल समझने लगे हैं। इसकी गिरफ्त में बहुत कम या ज्यादा समूचे देश का युवा फंसा है। इसकी पहुंच स्कूल-कॉलेजों में हो गई है। अभी कुछ माह पहले ही दिल्ली के एक नामी स्कूल में छात्र के पास से कोकीन बरामद हुई थी। छात्र बड़े ओहदेदार का पुत्र था। अंदाजा लगा सकते हैं कि ऐसी चीजें उनके घर में खुलेआम आती-जाती होंगी, तभी उसे देखकर बच्चा प्रभावित हुआ। मामले को स्कूल प्रशासन ने दबा दिया, ताकि पहचान उजागर न हो। मादक पदार्थ कारोबार में शामिल बड़े लोगों की पहचान कभी सार्वजनिक नहीं की जाती। ये दोहरा मापदंड क्यों अपनाया जाता है, इसके पीछे की वजह को भी सभी जानते हैं। राजधानी में ड्रग्स कई रास्तों से होकर पहुंच रही है क्योंकि सीमाएं विभिन्न राज्यों से जुड़ती हैं। ड्रग्स डीलर्स विभिन्न प्रदेशों से चरस, गांजा कोकीन, अफीम दिल्ली तक पहुंचाते हैं। उसके बाद दिल्ली में अपने हिसाब से आगे सप्लाई करते हैं। नॉर्थ ईस्ट के तस्कर दिल्ली में मादक पदार्थ कोरियर के जरिए भिजवाते हैं। नारकोटिक्स विभाग की मानें तो राजधानी में बीते 3 साल में ड्रग्स के डाटा चौंकाने वाले रहे। साल 2020 में 886 किलोग्राम गांजा, 28 किलोग्राम हेरोइन, 14 किलोग्राम कोकेन जबकि 16 किलो अफीम बरामद हुई थी।

देश दुनीया से

हिंदी सुहागिन, भारत के माथे की बिंदिया

हिंदी भाषा को संविधान में मान्यता प्राप्त हुई। परन्तु हिन्दी भाषा की नींव 11वीं शताब्दी में रखी गई। साहित्यकारों ने अपनी लेखनी के माध्यम से इसे काफी समृद्ध किया। तुलसीदास, कबीर दास, सूरदास, तिलक, दयानंद, बंकिम चंद्र चटर्जी तथा महात्मा गांधी जी ने हिंदी साहित्य लिख कर इसे लोकप्रियता दी। हिंदी भाषा को भारतीय जनसंख्या का सबसे बड़ा हिस्सा समझता, बोलता एवं लिखता है। यह सरल और आम बोलचाल की भाषा है। यह सभी भाषाओं की जननी है। बहुत से शब्द अन्य भाषाओं ने इसी से लिए हैं। हिंदी भाषा ने आरंभ से ही संस्कृतियों को जोडऩे का काम किया है। कबीर, नानक जैसे अनेक संत कवि इसके साक्षी हैं। स्वाधीनता संग्राम में हिंदी ने भारतीय जनमानस को रूढियों और अंधविश्वासों से दूर कर अंग्रेजी औपनिवेशक नीति के खिलाफ एक संगठित मोर्चे के रूप में जोड़ा था। आजादी के लिए संघर्ष के 90 वर्षों तक हिंदी स्वतंत्रता आंदोलन की भाषा रही है। गांधी और अन्य नेता हिंदी भाषी प्रदेशों से न होते हुए भी उन्होंने हिंदी को देश की भाषा माना। आज हिन्दी की स्थिति संपर्क, संवाद और साहित्य की दृष्टि से अच्छी है, लेकिन शासकीय या राष्ट्रीय भाषा के रूप में हिंदी को निश्चय ही वो स्थान नहीं मिला है जिसकी वह हकदार है। हिंदी भाषा का हित तभी संभव है जब वह रोजगार, शासन और न्याय की भाषा बन पाए। अटल जी ने हिंदी भाषा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्रदान की। उन्होंने 4 अक्तूबर 1977, मंगलवार के दिन संयुक्त राष्ट्र संघ की आम सभा के 32वें अधिवेशन में हिंदी में भाषण दिया था। विश्व पटल पर इस गूंज ने हिंदी भाषा को एक उच्च स्थान दिया। सभी प्रतिनिधियों ने खड़े होकर भाषण का अभिनंदन किया। हिंदी हमारे लिए गौरव की भाषा है। इसे राष्ट्रभाषा कानूनी रूप से करना चाहिए, क्योंकि एक राष्ट्र एक भाषा ही किसी देश की पहचान है और यह उस भाषा के साथ भी न्याय होगा, परंतु विडंबना है कि अब तक सरकारें इसके प्रति उदासीन रही हैं और हैं। हिंदी को राष्ट्र भाषा का दर्जा दिलाने में अब तक काम हुआ है जितना, वह है किसी सरोवर की कुछ बूंदें इतना। भारत में हिंदी भाषा के साथ उपेक्षा का व्यवहार हो रहा है। बचपन में जब हिंदी सीखने का समय होता है तो बच्चे कान्वेंट कल्चर ग्रहण करते हैं। ऐसा भ्रम फैलाया जाता है कि अंग्रेजी ही रोजगार दिला सकती है। यह सच है कि नई पीढ़ी में हिंदी के प्रति रुचि कम हुई है। इसकी वजह है कि अब विषय कई हैं और वो सब अंग्रेजी में हैं। हिंदी को वैज्ञानिक ढंग से सीखने की जरूरत है। हमें अपने बच्चों को हिंदी सीखने के लिए प्रेरित करना चाहिए। प्राथमिक स्तर से ही हिंदी लिखने व बोलने की आदत डालनी चाहिए। सरकारी कामकाज और लोगों के व्यवहार में हिंदी का प्रयोग समाप्त हो रहा है। यह एक चिंता का विषय है। 'आंख उठा कर देखिए, हिंदी प्रेमी हैं कहां, कितने ही हिंदुओं की, परम फलद आज भी है अंग्रेजी देवी।' दिविक रमेश द्वारा लिखित कविता 'हैरान थी हिंदी' की ये पंक्तियां आज भी हिन्दी के ऊपर सही बैठती हैं : 'खड़ी थी, साहब के कमरे के बाहर, इजाजत मांगती, मांगती दुआ, पीए साहब की तनिक, निगाह की, हैरान थी हिंदी, आज भी आना पड़ा था उसे, लटक कर खचाखच भरी, सरकारी बस के पायदान पर संभाल-संभाल कर, अपनी इज्जत का आंचल, हैरान थी हिंदी।' हिंदी आज कुछ ऐसे तपः पुतों के पुण्य से बची है जो हिंदी को जीवन भर समर्पित रहे, जिन्होंने हिंदी के लिए सच्चे अर्थों में संघर्ष किया, किंतु कभी भी अपने मुंह से अपने कृतित्व का प्रचार नहीं किया। हिंदी को अन्य देशों की भाषा के समान स्थान दिलाना है तो इसको सभी सरकारी संस्थानों, मंत्रालय और दूतावासों की भाषा तथा राष्ट्रभाषा घोषित करना है।

हिंदी भाषा को भारतीय जनसंख्या का सबसे बड़ा हिस्सा समझता, बोलता एवं लिखता है। यह सरल और आम बोलचाल की भाषा है। यह सभी भाषाओं की जननी है। बहुत से शब्द अन्य भाषाओं ने इसी से लिए हैं। हिंदी भाषा ने आरंभ से ही संस्कृतियों को जोडऩे का काम किया है। कबीर, नानक जैसे अनेक संत कवि इसके साक्षी हैं। स्वाधीनता संग्राम में हिंदी ने भारतीय जनमानस को रूढियों और अंधविश्वासों से दूर कर अंग्रेजी औपनिवेशक नीति के खिलाफ एक संगठित मोर्चे के रूप में जोड़ा था। आजादी के लिए संघर्ष के 90 वर्षों तक हिंदी स्वतंत्रता आंदोलन की भाषा रही है। गांधी और अन्य नेता हिंदी भाषी प्रदेशों से न होते हुए भी उन्होंने हिंदी को देश की भाषा माना। आज हिन्दी की स्थिति संपर्क, संवाद और साहित्य की दृष्टि से अच्छी है, लेकिन शासकीय या राष्ट्रीय भाषा के रूप में हिंदी को निश्चय ही वो स्थान नहीं मिला है जिसकी वह हकदार है।

किम जोंग ने देखी रूसी हाइपरसोनिक मिसाइल किंझल: परमाणु क्षमता वाले बॉम्बर्स का जायजा लिया; सुखोई फाइटर जेट्स की वर्कशॉप भी देखी थी

प्योंगयांग।

रूस ने नॉर्थ कोरिया के तानाशाह किम जोंग को हाइपरसोनिक मिसाइल किंझल और परमाणु क्षमता वाले बॉम्बर्स दिखाए हैं। इस दौरान किम जोंग के साथ रूसी रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु भी मौजूद रहे। उन्होंने 3 रूसी बॉम्बर का भी जायजा लिया। रूस के प्रिमोर्स्की क्षेत्र के गवर्नर ओलेग कोझेमायाको ने शनिवार को एक वीडियो शेयर किया। इसमें किम जोंग अपनी बुलेट प्रूफ ट्रेन से आर्टीयोम शहर पहुंचते हैं। जहां बच्चे फूल देकर उनका स्वागत करते हैं। यहां से वो व्लादिवोस्तोक एयरपोर्ट पहुंचते हैं। फिर रूसी रक्षा मंत्री के साथ तानाशाह परमाणु क्षमता वाले स्ट्रैटेजिक बॉम्बर्स और दूसरे वॉरप्लेन्स का जायजा लेते हैं।

फाइटर जेट्स की हथियारों से जुड़ी क्षमताओं पर तानाशाह का फोकस - रूस में किम को ये भी दिखाया गया कि कैसे एयरक्राफ्ट से मिसाइल्स फायर की जाती हैं। रूसी अधिकारी ने बताया कि ये बॉम्बर्स उनकी न्यूक्लियर फोर्स का अहम हिस्सा हैं। शोइगु ने बताया कि ये बॉम्बर मॉस्को से जापान तक जाने और फिर वहां से वापस लौटने में सक्षम हैं। रूसी मीडिया टास के मुताबिक, क्रू कमांडर्स ने किम जोंग को सुपरसोनिक फाइटर-बॉम्बर, अटैक एयरक्राफ्ट के बारे में बताया। इस दौरान ज्यादा फोकस इन फाइटर जेट्स की उड़ान और हथियार क्षमता पर रखा गया।

किम को दिखाया कैसे जंग के दौरान लैंड करेगा एसयू-35 फाइटर जेट - रूसी कैबिनेट से भी एक वीडियो जारी किया था, जिसमें किम एक प्लेटफॉर्म पर एसयू-57 वॉरप्लेन के कॉकपिट को देख रहे हैं। इस दौरान पायलट उन्हें जरूरी जानकारियां देता नजर आया। किम के सामने जंग के दौरान एसयू-35 फाइटर जेट की लैंडिंग को भी प्रदर्शित किया गया, जिसके बाद वो खुशी से ताली बजाते नजर आए थे। इससे पहले किम जोंग उन ने रूस की उस फाइटर जेट फैक्टरी का निरीक्षण किया था, जिस पर पश्चिमी देशों ने पाबंदियां लगाई हैं। इस दौरान उनके साथ नॉर्थ कोरिया के सैन्य अधिकारी मौजूद रहे। किम ने उन वर्कशॉप का भी जायजा लिया था, जिनमें सुखोई फाइटर जेट बनाए जाते हैं। रूसी पायलट्स ने उन्हें फाइटर जेट्स के कॉकपिट से जुड़ी कई अहम जानकारियां दी थीं।

पुतिन ने तानाशाह को राइफल्स गिफ्ट कीं - तानाशाह किम जोंग 12 सितंबर को रूस के दौरेपर पहुंचे थे। 13 सितंबर को उन्होंने राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात की थी। दोनों ने 40 सेकेंड तक हैंडशेक किया था। मुलाकात के बाद किम जोंग उन और पुतिन ने एक-दूसरे को राइफल्स गिफ्ट की थीं। पुतिन ने किम जोंग उन को स्पेस में पहना जाने वाला दस्ताना भी गिफ्ट किया था।

न्यूज ब्रीफ

एंटनी ब्लिंकन ये बोले : यूक्रेन का उद्देश्य अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता दोबारा हासिल करना

वॉशिंगटन। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने यूक्रेन के लिए अपार समर्थन व्यक्त करते हुए शनिवार को

जोर देकर कहा कि उनका उद्देश्य अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को फिर से हासिल करने में सफल होना है। ब्लिंकन ने जर्मनी की विदेश मंत्री एनालेना बेयरबॉक के साथ संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। ब्लिंकन और बेयरबॉक दोनों हाल ही में यूक्रेन से लौटे हैं, उन्होंने कहा, हम अपनी यात्राओं पर नोट्स की तुलना करने में सक्षम थे, लेकिन यह भी स्पष्ट कर दिया कि हम दोनों उस मजबूत समर्थन को जारी रखने के लिए गहराई से प्रतिबद्ध हैं जो हम और दुनिया भर के दर्जनों अन्य देश यूक्रेन को प्रदान कर रहे हैं - सैन्य, आर्थिक, मानवीय। ब्लिंकन ने कहा, उद्देश्य यूक्रेन के लिए अपनी संप्रभुता, अपनी क्षेत्रीय अखंडता को फिर से हासिल करने के अपने प्रयासों में सफल होना है - लेकिन न केवल रूसी आक्रामकता से बचने के लिए, जो उसके पास है और होगा, बल्कि भविष्य में पनपने और अपने पैरों पर मजबूती से खड़े होने में सक्षम होना है।, पूर्व अमेरिकी वाणिज्य सचिव पेनी प्रित्जकर को यूक्रेन की आर्थिक बहाली के लिए विशेष प्रतिनिधि के रूप में नामित किया गया था। ब्लिंकन ने कहा, आर्थिक पक्ष की बात करें तो कल ही हमने यूक्रेन की आर्थिक बहाली के लिए हमारे विशेष प्रतिनिधि की भूमिका निभाने, जर्मनी के साथ, यूरोपीय संघ के साथ, जी-7 भागीदारों के साथ मिलकर काम करने के लिए कई वर्षों के हमारे पूर्व वाणिज्य मंत्री पेनी प्रित्जकर को नामित किया। और कई अन्य जो इस पर काम कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि यूक्रेन के लिए आर्थिक रूप से सफल होने का सबसे स्थायी तरीका निजी क्षेत्र के निवेश के माध्यम से है। भले ही सरकारें और अंतर्राष्टीय वित्तीय संस्थान यूक्रेन का समर्थन करते हैं - और यह जारी रहेगा - अंततः यूक्रेन के लिए आर्थिक रूप से सफल होने का सबसे टिकाऊ तरीका निजी क्षेत्र के निवेश के माध्यम से है। ब्लिंकन ने कहा, इसलिए हम इन पर कई प्रयासों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, उन्होंने आगे जोर देकर कहा कि प्रित्जकर की विशेषज्ञता और उल्लेखनीय ज्ञान ऐसा करने में मदद करेगा। उन्होंने कहा, पेनी प्रित्जकर ऐसा करने में मदद करने के लिए दुनिया भर में उल्लेखनीय विशेषज्ञता, उल्लेखनीय ज्ञान, संपर्कों के उल्लेखनीय नेटवर्क लाती हैं। ब्लैक सी ग्रेन इनिशिएटिव को चर्चा में लाते हुए, ब्लिंकन ने कहा कि जर्मनी और अमेरिका दोनों दृढ़ता से पहल पर लौटने का आग्रह करते हैं।

खालिस्तान मुद्दे पर भारत-कनाडा फ्री ट्रेड एग्रीमेंट की बातचीत टली: कनाडा ने चर्चा रोकी, भारत ने कहा- कार्रवाई होने तक बात आगे नहीं बढ़ेगी

ओटावा। जी20 समिट के दौरान 10 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो के साथ बातचीत में वहां चरमपंथी तत्वों की भारत विरोधी गतिविधियों पर चिंता जताई थी। इसके 6 दिन बाद कनाडा ने भारत के साथ फ्री ट्रेड डील बातचीत टाल दी है। रिपोर्ट के मुताबिक कनाडा की ट्रेड मिनिस्ट्री की प्रवक्ता ने इसकी पुष्टि की है। हालांकि, इसकी कोई वजह नहीं बताई गई। इधर, भारत के एक अधिकारी ने कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापार से जुड़ी चर्चा तभी होगी जब दूसरे मुद्दों पर हल निकलेगा। उन्होंने कहा- कनाडा में कुछ ऐसी राजनीतिक गतिविधियां हो रही थीं, जिन पर भारत ने आपत्ति जताई थी। जब तक इनका हल नहीं निकलता, तब तक कनाडा से ट्रेड एग्रीमेंट संबंधी बातचीत रोक दी गई है। कनाडा के साथ 10 साल से फ्री ट्रेड एग्रीमेंट को लेकर चर्चा जारी है। 2022 में इससे जुड़ी बातचीत को फिर लॉन्च किया गया था। भारत अब तक फ्री ट्रेड एग्रीमेंट को लेकर कनाडा के साथ कम से कम 6 राउंड की बातचीत कर चुका है। जी20 समिट के लिए भारत आए कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो 2 दिन दिल्ली में फंसे रहे थे। इससे पहले पीएम मोदी ने उनसे सिर्फ एक अनौपचारिक मुलाकात की थी। पीएम मोदी ने ट्रूडो से खालिस्तानियों पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की थी। इस बैठक के बाद खालिस्तान के मुद्दे पर ट्रूडो ने कहा था- बीते कुछ सालों में मेरी पीएम मोदी से इस मुद्दे पर बात हुई है। हम हमेशा से अभिव्यक्ति की आजादी का समर्थन करते हैं। शांतिपूर्ण प्रदर्शन सभी का अधिकार है। ट्रूडो ने कहा था- इसके साथ ही हम हिंसा का विरोध करते हैं और किसी भी तरह की नफरत की भावना को दूर करेंगे। ये ध्यान रखना चाहिए कि कुछ लोगों के एक्शन पूरे कनाडा की सोच को नहीं दर्शाते हैं। हम कानून की इज्जत करते हैं। इसे लेकर कनाडा की विपक्षी पार्टियों ने भी ट्रूडो की काफी आलोचना की थी। दरअसल, ट्रूडो पूरे जी20 समिट के दौरान अलग-थलग दिखाई दिए थे।

सौदेबाजी करने वाले वकीलों का बना रहा था मजाक, जाह्नवी मामले में पुलिसकर्मी की सफाई

वाशिंगटन।

इस साल जनवरी में सिएटल में तेज गति से आ रही पुलिस की गश्ती कार की चपेट में आने से भारतीय छात्रा जाह्नवी कंडुला की मौत हो गई थी। यह मामला हाल ही में उस समय सामने आया, जब वहां के पुलिस विभाग ने एक फुटेज जारी की, जिसमें अधिकारी डेनियल ऑडरर को इस हादसे को हंसकर टालते हुए देखा गया था। हालांकि, अब इस मामले में पुलिस अधिकारी गिल्ड ने अपने साथी का बचाव किया है। उन्होंने कहा कि मीडिया की ओर से जारी किए गए वीडियो मामले को साफ करने में नाकाम रहे हैं। इससे मामले की पूरी कहानी और उसका संदर्भ स्पष्ट नहीं हो पाया। इस वजह से पूरा मामला दूसरी दिशा में ही चला गया। साथ ही ऑडरर का लिखा एक पत्र भी जारी किया है, जिसमें उसने अपनी सफाई दी है।

यह है मामला

दरअसल, अमेरिका में मौजूद भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू ने उच्चतम स्तर पर इस मामले को उठाया था, जिसके बाद अमेरिकी सरकार हरकत में आई। यह घटना जनवरी की है, जहां अधिकारी केविन डेव द्वारा चलाए जा रहे पुलिस वाहन ने 24 वर्षीय भारतीय छात्रा को टक्कर मार दी थी, जिससे उसकी मौत हो गई। अधिकारी ओवरडोज की रिपोर्ट मिलने के बाद घटनास्थल तक पहुंचने के लिए रास्ते में 119 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक की रफ्तार से गाड़ी चला रहा था।

वहीं सिएटल पुलिस द्वारा जारी किए गए बॉडीकैम फुटेज में देखा गया कि अधिकारी डेनियल ऑडरर ने इस हादसे को हंसकर टाल दिया। उन्होंने इस बात को भी मानने से इनकार कर दिया कि अधिकारी डेव कसूरवार है। अधिकारी ऑडरर का कहना है कि उसके जीवन का 'सीमित मूल्य' था।

तीन अगस्त को रखा था अपना पक्ष, अब आया सामने

दरअसल, ऑडरर ने तीन अगस्त को अपना पक्ष रखने के लिए पुलिस कार्यालय को एक पत्र लिखा था। इसी पत्र को गिल्ड ने जारी कर कहा कि ऑडरर ने अपने बयान में साफ बताया है कि उनका उद्देश्य सिर्फ वकीलों का मजाक उड़ाना था। गिल्ड ने कहा कि वीडियो में सिर्फ एक तरफ की बातचीत कैद हुई है। जबकि इस घटना के और भी कई पहलू हैं, जिन्हें अभी तक सार्वजनिक नहीं किया है।

ऑडरर ने पुलिस जवाबदेही कार्यालय के निदेशक गीनो बेट्स को लिखे अपने पत्र में कहा कि मैं लड़की की मौत की हंसी नहीं उड़ा रहा था, मैं उन वकीलों की हंसी उड़ा रहा था, जो ऐसी घटनाओं का मोलभाव करवाते हैं। उन्होंने पत्र में कहा कि मैंने ऐसी घटनाओं पर दो पक्षों के बीच मोलभाव करते हुए देखा है। मैं इस पर हंस रहा था। उन्होंने पत्र में कहा कि उस समय मेरा मानना था कि बातचीत निजी थी और रिकॉर्ड नहीं की जा रही थी। उन्होंने कहा कि यह बातचीत मेरे कर्तव्यों के अंतर्गत भी नहीं थी। उन्होंने कहा कि मुझे 23 जनवरी को एक कार हादसे की सूचना मिली थी। मुझे सहायता के लिए भेजा गया था। बाद में, जब मैं गश्ती कार से वापस अकेले घर आ रहा था तो मैंने माइक सोलन को फोन किया और उन्हें बताया कि क्या हुआ था। फोन कॉल अनजाने में बीडब्ल्यूवी पर रिकॉर्ड हो गया। ऑडरर ने बताया कि उस वक्त माइक ओलान ने कहा कि यह बहुत ही बुरा है, अब वकील मानव जीवन के मूल्य पर बहस करेंगे।

ऑडरर ने कहा कि ओलान ने मुझसे दुखी होकर पूछा कि अब इस मामले पर वकील क्या ही पागलपन भरा तर्क देंगे वे इस घटना को लेकर क्या मुद्दा बना सकते हैं इस पर मैंने कुछ इस तरह जवाब दिया कि वह 26 साल की है, उसकी क्या कीमत है, किसे परवाह है। उन्होंने कहा कि मेरा उद्देश्य सिर्फ वकीलों का मजाक उड़ाना था। मैं सिर्फ ओलान को उस वकील की नकल करते जवाब दे रहा था, जो इस मामले पर बहस करने वाला था। साथ ही यह भी बताना चाह रहा था कि उन्हें इस तरह के तर्क साथ नहीं आना चाहिए।

अधूरी बात सामने आना सही नहीं

उन्होंने कहा कि मैं समझता हूं कि मेरी बातचीत का ऐसे सामने आना गलत हो सकता है। ऐसे अधूरी बात सामने आना पीड़ित परिवार के लिए सही नहीं है। पर मैंने किसी का मजाक नहीं बनाया सिर्फ सौदेबाजी करने वालों का मजाक बनाया। उन्होंने कहा कि मीडिया की ओर से जारी किए गए वीडियो मामले को साफ करने में नाकाम रहे हैं। इससे मामले की पूरी कहानी और उसका संदर्भ स्पष्ट नहीं हो पाया। इस वजह से पूरा मामला दूसरी दिशा में ही चला गया।

ओपीए निष्पक्ष जांच करेगा

गिल्ड ने कहा कि हमें पूरा विश्वास है कि पुलिस जवाबदेही कार्यालय/ओपीए निष्पक्ष जांच करेगा।

लोगों ने की बर्खास्त करने की मांग

इस बीच, ऑडरर को बर्खास्त करने की मांग करते हुए हजारों लोगों ने एक ऑनलाइन याचिका शुरू की है और उस पर हस्ताक्षर किए हैं।

आर्थिक तंगहाली में भी पाक ने बढ़ाए परमाणु हथियार

अमेरिकी रिपोर्ट का खुलासा- 170 न्यूक्लियर वेपन तैयार; 2025 तक 200 पार होंगे

इस्लामाबाद।

आर्थिक तंगहाली में भी पाकिस्तान ने परमाणु हथियारों का जखीरा बढ़ाया है। अमेरिका के न्यूक्लियर वैज्ञानिकों ने एक रिपोर्ट जारी कर बताया है कि पाकिस्तान के पास फिलहाल 170 परमाणु हथियार हैं। जो 2025 तक 200 के पार जा सकते हैं। रिपोर्ट को 2023 पाकिस्तान न्यूक्लियर हैंडबुक नाम दिया गया है। अमेरिका की डिफेंस इंटेलिजेंस ने 1999 में अंदाजा लगाया था कि पाकिस्तान के पास 2020 तक 60 से 80 परमाणु हथियार होंगे। हालांकि, पाकिस्तान ने इससे ज्यादा परमाणु हथियार बनाए हैं।अमेरिकी एजेंसी ने पाकिस्तान के परमाणु हथियारों से जुड़े आंकड़े कई खुफिया दस्तावेजों, मीडिया और थिकटैंक्स की रिपोर्ट से जुटाए हैं।

पाकिस्तान के पास 5 मिसाइल बेस

रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान के न्यूक्लियर क्षमता वाले मिसाइल बेस और फैसिलिटीज की लोकेशन की जानकारी नहीं मिल पाई। हालांकि, सैटेलाइट तस्वीरों से ये पता चला है कि पाकिस्तान के 5 मिसाइल बेस हैं। जहां से उसकी न्यूक्लियर फोर्सेस ऑपरेट कर सकती हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि पाकिस्तान जमीन और समुद्र से दागीं जाने वाली क्रूज मिसाइलों में लगातार मॉडिफिकेशन कर रहा है। भारत अपने बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस सिस्टम को डेवलप कर कर रहा है। इससे निपटने के लिए पाकिस्तान ने 2017 में ऐलान किया था कि उसने मीडियम रेंज की बैलिस्टिक मिसाइल बनाई है जिसमें कई वॉर हेड लगाए जा सकते हैं। इस मिसाइल का नाम अबाबील बताया गया था। रिपोर्ट के अनुसार अभी इस मिसाइल के स्टेटस की कोई जानकारी नहीं है। परमाणु हथियारों को ले जाने में सक्षम मिसाइलों और उनके मोबाइल लॉन्चर इस्लामाबाद के पश्चिम में काला चिट्टा दहर पर्वत श्रृंखला में स्थित नेशनल डिफेंस कॉम्प्लेक्स में डेवलप किए जा रहे हैं।सैटेलाइट तस्वीरों में इस कॉम्प्लेक्स के दो हिस्से दिख रहे हैं।

100 और स्वदेशी एलसीए मार्क 1ए विमान खरीदेगा भारत, एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने की घोषणा

सेविले।

भारतीय वायु सेना (आईएएफ) लगातार अपने बेड़े को बढ़ाती जा रही है। साथ ही वो इस बात पर भी जोर दे रही है कि उसके बेड़े में शामिल होने वाले किसी भी तरह के विमान देश में ही बनाए गए हों। इसी क्रम में, देश की वायुसेना ने करीब 100 और मेड-इन-इंडिया एलसीए मार्क 1ए लड़ाकू जेट खरीदने की योजना की घोषणा की है। भारतीय वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने एक न्यूज एजेंसी से विशेष बातचीत में स्वदेशी विमान खरीदने की योजना की घोषणा की। उन्होंने कहा कि लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) को जमीनी तौर पर मिग की सीरीज मिग-21, मिग-23 और मिग-27 सहित अन्य विमानों को बदलने के लिए तैयार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विमानों को बदलने से पहले जरूरी कि हम यह सुनिश्चित करें कि हमारे पास पर्याप्त संख्या में एलसीए के विमान हों। उन्होंने आगे बताया कि 83 एलसीए मार्क ए के लिए पहले ही अनुबंध कर चुके हैं। इसके अलावा हम करीब 100 और विमानों के लिए बातचीत कर रहे हैं। भारतीय वायु सेना अपने बेड़े में मिग श्रृंखला के लड़ाकू विमानों को बदलने के लिए मेड-इन-इंडिया विमानों को खरीदने की योजना बना रही है। वहीं, करीब 100 और विमानों को खरीदने का निर्णय ऐसे समय में आया है जब भारतीय वायु सेना प्रमुख ने पिछले महीने हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड सहित सभी संस्थाओं के साथ स्वदेशी लड़ाकू जेट कार्यक्रम की समीक्षा बैठक की थी। एलसीए तेजस लड़ाकू विमान बहुत बड़ी संख्या में भारतीय वायु सेना में फिर से प्रवेश करेंगे। भारतीय वायुसेना के पास अगले 15 वर्षों में करीब 180 एलसीए मार्क 1ए और कम से कम 120 एलसी मार्क- 2 विमान होंगे। एलसीए मार्क 1 ए के लिए अंतिम आदेश 83 विमानों के लिए था और पहला विमान फरवरी 2024 के आसपास मिलेगा। एलसीए मार्क 1ए तेजस विमान का उन्नत संस्करण है। एलसीए मार्क 1 ए विमान में वायु सेना को आपूर्ति किए जा रहे शुरुआती 40 एलसीए की तुलना में अधिक उन्नत हैं। नया एलसीए मार्क 1ए 65 प्रतिशत देश में बनाया जा रहा है।

वैज्ञानिकों ने विद्युत बागवानी की दिशा में किए कई प्रयोग,ज्यादा पैदावार लेने बिजली के दिए जा रहे झटके

लंदन।

वैज्ञानिकों ने नई तरह की खेती तकनीक विद्युत बागवानी की दिशा में कई प्रयोग किए हैं। कर्द देशों में शोधकर्ता पर्यावरणीय असर को कम करते हुए कृषि पद्धतियों में क्रांति लाने के लिए बिजली की क्षमता की खोज कर रहे हैं। कुछ लोग इसे 'चौथी कृषि क्रांति' भी कह रहे हैं। इंपीरियल कॉलेज लंदन में प्लांट मॉर्फोजेनेसिस प्रयोगशाला में एक परियोजना के तहत वर्टिकल फार्मिंग को बदलने के लिए इलेक्ट्रोड से युक्त हाइड्रोजेल क्यूब्स का इस्तेमाल किया जा रहा है। इन ट्रांसल्यूसेंट क्यूब्स में मौजूद नेटवर्क स्ट्रक्चर तरलता को बरकरार रखता है, जिसमें छोटी एयर टनल्स से हरी पत्तियां निकलती हैं। प्रयोग के तहत हाइड्रोजेल क्यूब्स में बिजली के झटकों की छोटी-छोटी खुराक दी जा रही है।खेती किसानी के क्षेत्र को लेकर दुनियाभर में हर दिन नए-नए प्रयोग और शोध किए जाने से फसल की पैदावार बढ़ाने के तरीकों में लगातार बदलाव हो रहा है। वैज्ञानिकों का मानना है कि बिजली के एकीकरण से कृषि को ज्यादा टिकाऊ और उत्पादक बनाने में बड़ी मदद मिल सकती है। उनका कहना है कि दुनियाभर में चल रहे अनुसंधानों और प्रयोगों के साथ विद्युतीकृत सब्जियां व फसलें जल्द ही एक आम बात बन सकती हैं। इससे खेती के इकोलॉजिकल फुटप्रिंट को कम करते हुए वैश्विक खाद्य संकट का आकर्षक समाधान पेश किया जा सकता है।वैज्ञानिकों का कहना है कि यह पहल कृषि में विद्युत हस्तक्षेप की दिशा में वैश्विक आंदोलन का हिस्सा है। पिछले दशक से वैज्ञानिक खेती के लिए बिजली की ताकत का इस्तेमाल करने के अलग-अलग तरीकों पर प्रयोग कर रहे हैं। इसके तहत वैज्ञानिकों ने तेज अंकुरण के लिए बीजों को बिजली के झटके देने से लेकर इलेकिट्रक फील्ड जेनरेट करके पैदावार बढ़ानो तक के प्रयोग किए हैं। यही नहीं, पौधों की वृद्धि को तेज करने के लिए नियंत्रित बिजली यानी ठंडे प्लाज्मा का

इस्तेमाल भी किया जा चुका है।

चीन जैसे देश उन कृषि परियोजनाओं में निवेश कर रहे हैं, जो मिट्टी की गुणवत्ता बढ़ाने और फसल की पैदावार बढ़ाने के लिए बिजली का इस्तेमाल करते हैं। वहीं, कनाडाई उत्पादक सलाद जैसी फसलों में ज्यादा पैदावार के लिए ठंडे प्लाज्मा के साथ प्रयोग कर रहे हैं। स्विट्जरलैंड में विवेंट स्टार्टअप कृषि उद्योग और जैविक बागवानी समुदायों का ध्यान खींच रहा है। ये स्टार्टअप पौधों की विद्युत प्रतिक्रियाओं की निगरानी करने के लिए तकनीक विकसित कर रहा है। वैज्ञानिकों का कहना है कि खेती में बिजली की ताकत इस्तेमाल करने का मकसद पारंपरिक कृषि के कारण पैदा होने वाली पर्यावरणीय चिंताओं को दूर करना है।

संगीत डायबिटीज मरीजों के शरीर में इंसुलिन बनाने में मददगार

स्टडी में दावा- रॉक म्यूजिक से 5 मिनट में 70 प्रतिशत इंसुलिन रिलीज; शोरगुल से बचें

न्यूयॉर्क।

डायबिटीज (मधुमेह या शुगर) के मरीजों के लिए म्यूजिक सुनना फायदेमंद हो सकता है। रिसर्चर्स का कहना है कि म्यूजिक से शरीर की कोशिकाएं कुछ ही मिनटों में इन्सुलिन रिलीज कर सकती हैं।

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, डायबिटीज में शरीर के पैन्क्रियाज में इन्सुलिन की कमी हो जाती है यानी पैन्क्रियाज में इन्सुलिन बनाने की क्षमता घट जाती है। इससे खून में ग्लूकोज की मात्रा ज्यादा हो जाती है।

इन्सुलिन की बात करें, तो यह एक तरह का हार्मोन होता है। ये शरीर के अंदर डायजेस्टिव ग्लैंड से बनता है। इसका काम खाने को एनर्जी में बदलना होता है। जब ये नैचुरली प्रोड्यूस होने बंद हो जाता है तो इंजेक्शन के जरिए इसे डायबिटीज के मरीजों को दिया जाता है।

शरीर में इन्सुलिन प्रोड्यूसिंग सेल इंप्लांट, ये म्यूजिक से ट्रिगर होती हैं - रिसर्चर्स हमेशा से शरीर में नैचुरली इन्सुलिन प्रोड्यूस करने के तरीके ढूंढते आए हैं। उनकी तलाश इन्सुलिन प्रोड्यूसिंग सेल के कैप्सूल पर आकर रुकी। दरअसल, इन्सुलिन बनाने वाली डिजाइनर सेल्स को एक कैप्सूल में रखा जाता है। इसके बाद इस कैप्सूल को शरीर में इंप्लांट किया जाता है। इसे बाहरी तौर पर कंट्रोल किया जा सकता है। आसान शब्दों में कहें तो इन्सुलिन को कब और कितनी मात्रा में रिलीज करना है, ये आप खुद तय कर सकते हैं। स्विट्जरलैंड के रिसर्चर्स ने इन्सुलिन रिलीज करने वाले या इन्सुलिन को ट्रिगर करने के तरीकों को स्टडी किया है। उनके मुताबिक, लाइट, टेम्परेचर, इलेक्ट्रिक फील्ड से इन्सुलिन रिलीज हो सकता है। इसके अलावा म्यूजिक से भी कुछ ही मिनटों में इन्सुलिन रिलीज हो सकता है। रिसर्चर्स के इसका पहला सबूत रॉक म्यूजिक के जरिए मिला। एक एक्सपेरिमेंट के दौरान उन्होंने मशहूर ब्रिटिश रॉक बैंड क्वीन का फेमस गाना वी विल रॉक यू बजाया। इसके 5 मिनट बाद ही इन्सुलिन प्रोड्यूसिंग सेल से 70 प्रतिशत इन्सुलिन रिलीज हुआ। 15 मिनट बाद इन्सुलिन पूरी तरह से रिलीज हो गया। रिसर्चर्स के मुताबिक, क्लासीकल म्यूजिक या गिटार की धुन की तुलना में इन्सुलिन रॉक म्यूजिक से ज्यादा ट्रिगर होती है। द एवेंजर्स मूवी के टाइटिल ट्रैक पर भी इन्सुलिन ज्यादा मात्रा में रिलीज हुई। इसका मतलब ये हुआ कि हाई पिच वाला म्यूजिक इन्सुलिन को ज्यादा मात्रा में रिलीज करता है। इन्सुलिन प्रोड्यूसिंग सेल साउंड वेव को रिसीव कर सके इसके लिए रिसर्चर्स ने एक खास तरह के प्रोटीन का इस्तेमाल किया। रिसर्चर्स ने इसके लिए बैक्ट्रियम से एक प्रोटीन निकाला। ये प्रोटीन एक तरह की मैकेनिकल प्रोसेस है जो जानवरों में भी बैक्टीरिया के जरिए होती है। यह प्रोटीन हमारे शरीर के मेम्ब्रेंस में पाई जाती है। यही कोशिकाओं के अंदर कैल्शियम के कणों को बढ़ाते हैं। इसकी वजह से हड्डियां मजबूत रहती हैं और जोड़ सही तरह से काम करते हैं। रिसर्चर्स ने इसी आधार पर इंसान में इन्सुलिन प्रोड्यूसिंग का तरीका ईजाद किया। इन्हीं सेल्स के माध्यम से इन्सुलिन मेम्ब्रेंस वाले उस हिस्से तक पहुंचता है, जहां से इसे पैन्क्रियाज वाले हिस्सा तक पहुंचना होता है। म्यूजिक थैरेपी से यह पता लगा कि ये सेल्स साउंड सुनने के बाद किस तरह रिस्पॉन्स करता है। दरअसल, इस तरीके से वैसल्स में मौजूद इन्सुलिन के छोटे कण धीरे-धीरे नसों में आगे बढ़ते हैं और इन्सुलिन को बाहर की तरफ निकालते हैं। बाद में यही इन्सुलिन शरीर में ग्लूकोज के लेवल को भी एडजस्ट करता है और इस तरह डायबिटीज के पेशेंट को इन्सुलिन लेवल मेंटेन करने में मददगार साबित होता है। रिसर्चर्स के मुताबिक, तेज आवाज या हाई पिच वाली हर आवाज से इन्सुलिन रिलीज नहीं होता। एक्सपेरिमेंट के दौरान एयरक्राफ्ट की आवाज, फायर ब्रिगेड के सायरन, ऊंची आवाज में बातचीत करने से इन्सुलिन रिलीज नहीं हुआ।

मानहानि प्रकरण में सीएम गहलोत की बहस पूरी, वीसी से पेशी की छूट बरकरार

जयपुर (हिंस)। दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट ने केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह की मानहानि से जुड़े मामले में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को वीसी के जरिए पेश होने की मिली छूट को 14 अक्तूबर तक बढ़ा दिया है। अदालत ने यह आदेश सीएम गहलोत की रिवीजन याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। रिवीजन याचिका में सीएम गहलोत की ओर से बहस पूरी हो गई है। अब आगामी सुनवाई पर गजेंद्र सिंह की ओर से बहस की जाएगी। रिवीजन याचिका में गहलोत की ओर से कहा गया कि गजेंद्र सिंह की ओर से पेश मानहानि परिवाद में मानहानि के तत्व ही मौजूद नहीं है। निचली अदालत ने बिना प्रसंज्ञान लिए सीधे ही साक्ष्य लेने की कार्रवाई शुरू कर दी, जो कि विधि विरुद्ध है। इसके अलावा मानहानि परिवाद में कोई साक्ष्य नहीं है। केवल अखबार में प्रकाशित बयान को सही नहीं माना जा सकता। वहीं प्रार्थी ने बतौर गृह मंत्री एसओजी की रिपोर्ट के आधार पर यह बयान दिया है। मामले में शिकायतकर्ता ने कोर्ट को गुमराह किया है। शिकायतकर्ता ने खुद को बचाने के लिए मानहानि परिवाद पेश किया है।

डबल इंजन सरकार से राजस्थान को बनाएंगे भारत का ग्रोथ इंजन : शेखावत

परबतसर (नागौर) (हिंस)। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि राजस्थान की इस नकारा, निकम्मा और भ्रष्टाचारी कांग्रेस सरकार को उखाड़ फेंकना ही हमारा लक्ष्य है। राजस्थान भारत के बदलते हुए परिदृश्य में अपनी प्रभावी भूमिका निभा सके और देश का ग्रोथ इंजन बन सके, इसके लिए राजस्थान में हम डबल इंजन की सरकार बनाएंगे। शनिवार को भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा के दौरान प्रेस कांफ्रेंस में शेखावत ने गहलोत सरकार को महिला सुरक्षा, कानून व्यवस्था, बेरोजगारी, केंद्र की योजनाओं का क्रियान्वयन न करने, भ्रष्टाचार, पेपरलीक जैसे मुद्दों पर घेरा। उन्होंने कहा कि राजस्थान का किसान बदहाल है। कर्जमाफी का वादा गहलोत सरकार ने पूरा नहीं किया। सरकार की वादा-खिलाफी के चलते 2000 से ज्यादा किसान आत्महत्या करने को मजबूर हुए हैं। 20,000 किसानों की जमीन नीलाम हो गई। बिजली न मिलने के चलते किसान खून के आंसू रोने के लिए मजबूर है। इस बदहाली की सुध लेने के लिए गिरदावरी करने की आवश्यकता है, क्रॉप कटिंग एक्सपेरिमेंट उसके बाद हो पाएगा, फिर नरेंद्र मोदी जी द्वारा प्रारंभ की गई फसल बीमा योजना का लाभ किसानों को मिल पाएगा, लेकिन दुर्भाग्य है कि पटवारी, गिरदावरी और रेवेन्यू डिपार्टमेंट के कर्मचारियों के हड़ताल पर होने के कारण से आज उस दिशा में कोई काम नहीं हो पा रहा है। केंद्र की मोदी सरकार और राजस्थान की गहलोत सरकार की तुलना करते हुए शेखावत ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी खेल से खेती तक, इंजीनियरिंग से सेमीकंडक्टर तक और सोलर एनर्जी से हाइड्रोजन एनर्जी तक भारत को दुनिया का चैंपियन बनने के लिए काम करते हैं। भारत की अर्थव्यवस्था को दुनिया की सबसे तेज गति से बढ़ाने वाली अर्थव्यवस्था बनाते हैं। दूसरी तरफ गहलोत सरकार राजस्थान का सम्मान निरंतर गिराते हुए राज्य को दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति में लाने का पाप करती है। अब इस पाप का घड़ा भर चुका है। राजस्थान की जनता इस पाप के घड़े को संकल्प की शक्ति के साथ में फोड़ने वाली है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में जिस तरह के हालात आज बने है, समाज के सभी लोग उसे लेकर चिंतित हैं। पूर्व मुख्यमंत्री

वसुंधरा राजे से जुड़े एक सवाल के जवाब में शेखावत ने कहा कि वे राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं। राजस्थान की दो बार मुख्यमंत्री रही हैं। राजस्थान की दो बार नेता प्रतिपक्ष रही हैं। वो आदरणीय नेता हैं। जहां तक प्रश्न गुटबाजी का है तो हम सब सामूहिक नेतृत्व के आधार पर कांग्रेस की सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए काम कर रहे हैं। देश के 18 करोड़ भाजपा सदस्यों के नेता नरेंद्र मोदी हैं। सबका चिह्न कमल का फूल है। भारत माता का उत्कर्ष ही हम सबका लक्ष्य है। शेखावत ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के राजस्थान परिवार में एक करोड़ 80 लाख लोग हैं। हम सब का एक ही संकल्प है कि इस नकारा, निकम्मा और भ्रष्टाचारी कांग्रेस सरकार को उखाड़ फेंकें। ज्योति मिर्धा को लेकर हनुमान बेनीवाल के आरोपों पर शेखावत ने कहा कि उनको पहले इस बात का स्पष्टीकरण देना चाहिए कि क्या वह भी हाइअर्ड थे या नहीं? शेखावत ने इस बात को भी सिरे से खारिज किया कि ज्योति मिर्धा को हराने के लिए हनुमान बेनीवाल का सहारा लिया गया था। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जो व्यक्ति भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व और विचारधारा में विश्वास रखते हैं, उन सब का पार्टी में स्वागत है। चुनाव में टिकट वितरण से जुड़े सवाल पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि किसको टिकट मिलना है, यह तय करना पार्लियामेंट्री बोर्ड का काम है। कौन व्यक्ति कहां जीत सकता है, कौन व्यक्ति कहां उपयोगी साबित हो सकता है, किस व्यक्ति का संगठन में उपयोग है, किस व्यक्ति का सरकार में उपयोग है या किस व्यक्ति का सदन में उपयोग है, यह तय करना संगठन का काम है। भाजपा सत्ता में आई तो कैसी सरकार देगी? के सवाल पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि स्वच्छ प्रशासन होगा।

आशा वर्करों पर भड़के मंत्री डॉ. कमल गुप्ता

हिसार (हिंस)। जिले के हांसी उपमंडल के गांव चानौत भाटला गांव में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम में पहुंचे निकाय मंत्री डॉ. कमल गुप्ता शिकायत लेकर पहुंची आशा वर्कर्स पर भड़क गए। कार्यक्रम के दौरान कुछ आशा वर्कर्स अपनी लंबित मांगों को मंत्री डॉ. कमल गुप्ता के सामने रखने के लिए पहुंच गई। आरोप है कि आशा वर्कर की बात पूरी करने से पहले ही उसके माइक को बंद करवा दिया गया और आशा वर्कर्स के साथ राज्यमंत्री द्वारा अभद्र व्यवहार किया गया। मंत्री के जनसंवाद कार्यक्रम की एक वीडियो वायरल हुई है, जिसमें मंत्री आशा वर्कर्स पर भड़के हुए नजर आ रहे हैं। आशा वर्कर यूनियन की जिला प्रधान सीमा ने बताया कि इस दौरान कार्यक्रम में मौजूद ग्रामीणों ने भी आशा वर्कर्स का साथ दिया और उनकी मांगों का समर्थन किया। इसके बाद डॉ. कमल गुप्ता और विधायक विनोद भ्याणा जनसंवाद कार्यक्रम को बीच में ही समाप्त करके वहां से चले गए। वायरल वीडियो में आशा वर्कर्स ने मंत्री डॉ. कमल गुप्ता से कहा कि जब भी वो आपके आवास पर ज्ञापन देने जाते हैं तो आप घर नहीं मिलते। इस पर डॉ. कमल गुप्ता ने कहा कि वह 24 घंटे घर पर नहीं रह सकते। दिनभर अलग अलग कार्यक्रम में शिरकत करनी पड़ती है। ऐसे में मैं आपको घर पर कैसे मिलूंगा। उसके बाद मंत्री ने आशा वर्कर्स से कहा कि कार्यक्रम में फालतू बात करने की आवश्यकता नहीं है, और इस दौरान आशा वर्कर्स के माइक को बंद करवा दिया जाता है। इसके बाद आशा वर्कर्स ने कहा कि वे हड़ताल पर हैं और सरकार से 26 हजार रुपए वेतन की उनकी मांग है। इसके बाद डॉ. कमल गुप्ता ने आशा वर्कर्स से कहा कि उनकी मांग को लेकर देखे। इसके बाद आशा वर्कर्स से माइक ले लिया गया। जिला प्रधान सीमा ने बताया कि भाटला गांव में जनसंवाद के दौरान आशा वर्कर्स यूनियन की छह महिलाएं चानौत और आठ आशा वर्कर्स भाटला गांव से अपनी मांगों को मंत्री के सामने रखने के लिए गई थीं। इस दौरान मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया। इस दौरान मंत्री ने आशा वर्कर्स को धमकाया।

भारतीय ज्ञान, विज्ञान विश्व में अपनी अलग पहचान बना चुका है : घनश्याम दास अरोड़ा

यमुनानगर (हिंस)। डीएवी गर्ल्स कॉलेज में हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के सौजन्य से भारतीय ज्ञान परंपरा का शनिवार को पारिभाषिकीकरण विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। भाजपा के सिटी विधायक घनश्याम दास अरोड़ा मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। संगोष्ठी में हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश सहित अन्य राज्यों के 50 से ज्यादा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। घनश्याम दास अरोड़ा ने कहा कि भारतीय संस्कृति और सभ्यता जितनी प्राचीन है, उतनी ही प्रासंगिक भी। भारतीय ज्ञान परंपरा अमूल्य है। हमारे उपनिषद, वेद, पुराण सभी ग्रंथ अमूल्य निधि है। जिनका संदेश आधुनिक युवा पीढ़ी तक पहुंचाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि आज भारतीय ज्ञान, विज्ञान विश्व भर में अपनी अलग पहचान बना चुका है। डॉ. मीनू जैन ने कहा कि संगोष्ठी का उद्देश्य आधुनिक युवा पीढ़ी को प्राचीन ज्ञान पद्धति से जोडना रहा, ताकि पाश्चात्य संस्कृति का अनुसरण करने वाले युवा अपने प्राचीन ज्ञान विज्ञान को पहचान सके। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग से सेवानिवृत प्रोफेसर डॉ. राजेश्वर प्रसाद मिश्र ने कहा कि हम भारतीय पराधीनता से आजाद तो हो गए है। लेकिन हमारी मानसिकता आज भी गुलाम है। हमारे उपर पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव है। हमें अपनी ज्ञान परंपरा को जानना है, तो उसका पालन करना होगा। पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला के प्रोफेसर डॉ. पुष्पेंद्र जोशी ने कहा कि आयुर्वेद के नियमों का पालन कर हम स्वस्थ रह सकते है। इन सबको पाठ्यक्रम में भी शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को नई शिक्षा प्रणाली के तहत भारत के स्वर्णिम इतिहास, प्राचीन संतों, विद्वानों के ज्ञान की जानकारी देना जरूरी है। युवा पीढ़ी को भारतीय संस्कृति को अपनाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आधुनिक शिक्षा प्रणाली में प्राचीन ग्रंथों की जानकारी, भारतीय परंपरा, महापुरूषों का जीवन वृतांत शामिल होना चाहिए।

पीढ़ी के भविष्य को संवारना है तो संगठित होना पड़ेगा : राजीव जैन

सोनीपत (हिंस)। हरियाणा प्रदेश वैश्य महासम्मेलन के प्रदेशाध्यक्ष राजीव जैन ने गन्नौर में शनिवार को कहा कि जींद में होने वाली वैश्य संकल्प रैली वैश्य समाज की राजनीति को नई दिशा देगी और प्रदेश के हर कौने से लोग उत्साह और उमंग के साथ पहुंचेंगे। वैश्य मोटर साइकिल चेतना यात्रा का 18 सितंबर को गन्नौर में प्रवेश होगा। मंडी में वैश्य समाज के नागरिकों को उद्बोधन में राजीव जैन कहा कि वैश्य समाज की अगली पीढ़ी के भविष्य को संवारना है तो संगठित होना पड़ेगा और यह रैली साबित करेगी कि वैश्य समाज में कितना दमखम है। एक अक्तूबर को जींद के अर्जुन स्टेडियम में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जयंती की पूर्व संध्या पर वैश्य समाज के सभी संगठन मिलकर रैली का आयोजन कर रहे हैं। पंचकूला से 15 सितंबर को शुरू हो चुकी है इसके स्वागत की तैयारी करनी है। महाराजा अग्रसेन के संदेश को लेकर पंहुचने वाली इस यात्रा में एक रुपया एक ईंट के सिद्धांत का संदेश देने वाला रथ तथा 18 गोत्रों के आधार पर मोटर साइकिल का जत्था शामिल होगा।

ग्रीन हाईड्रोजन नीति 2023 के प्रारूप के अनुमोदन से ग्रीन एनर्जी उत्पादन करने वाली कंपनियों को मिलेगा प्रोत्साहन

जयपुर (हिंस)। राज्य सरकार ने स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन, भविष्य की जरूरतों और जलवायु परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए अहम निर्णय किया है। प्रदेश में स्वच्छ ऊर्जा स्त्रोत की तलाश और निवेशकों के प्रोत्साहन के लिए *राजस्थान ग्रीन हाइड्रोजन नीति-2023* लाई जा रही है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने नीति प्रारूप का अनुमोदन कर दिया है। ऊर्जा विभाग द्वारा शीघ्र ही अधिसूचना जारी की जाएगी। इस निर्णय से राज्य में ग्रीन एनर्जी उत्पादन करने वाली कंपनियों को विभिन्न प्रकार की सब्सिडी मिलेंगी। प्रदेश में रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। राजस्थान में अक्षय ऊर्जा के सर्वाधिक स्त्रोत उपलब्ध है। ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन के लिए राज्य अत्यन्त अनुकूल है। राज्य सरकार नीति के तहत निवेशकों को प्रोत्साहन देने के लिए विभिन्न सुविधाएं देगी। इनमें राज्य के प्रसारण तंत्र पर स्थापित होने वाले 500 केटीपीए अक्षय ऊर्जा प्लांट को 10 वर्षों तक प्रसारण एवं वितरण शुल्क में 50 प्रतिशत छूट, थर्ड पार्टी से अक्षय ऊर्जा खरीदने पर अतिरिक्त एवं क्रॉस सब्सिडी सरचार्ज में 10 वर्ष तक पूर्ण छूट दी जाएगी। परिशोधित या खारे जल से ग्रीन हाईड्रोजन उत्पादन के लिए भूमि आवंटन में प्राथमिकता एवं अनुसंधान केंद्र की स्थापना के लिए 30 प्रतिशत (अधिकतम 5 करोड़ रुपए) अनुदान मिलेगा। इसके अतिरिक्त रिप्स-2022 के तहत विभिन्न छूट, जल की

उपलब्धता एवं बैंकिंग सुविधाएं भी दी जाएगी। कैप्टिव पावर प्लांट की क्षमता एवं उत्पादित बिजली की बैंकिंग पर पर कोई प्रतिबंध नहीं होगा। इसके साथ ही पीक आवर्स के दौरान बिजली निकासी पर लगी रोक भी नवीन नीति में हटा दी गई है। राजस्थान ग्रीन हाईड्रोजन नीति-2023 के तहत नई नीति में विद्युत संयंत्रों के लिए व्हीलिंग एवं ट्रांसमिशन शुल्क की 100 प्रतिशत प्रतिपूर्ति/छूट होगी। इसके साथ ही बिजली संयंत्रों के लिए बैंकिंग शुल्क भी सात से दस वर्षों तक प्रतिपूर्ति/माफ किया जाएगा। राजस्थान ग्रीन हाईड्रोजन नीति-2023 के तहत ग्रीन हाईड्रोजन सेक्टर को राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना-2022 के तहत थ्रस्ट सेक्टर में शामिल किया जाएगा। साथ ही, इसे सनराइज सेक्टर में शामिल कर मैन्युफैक्चरिंग स्टैंडर्ड पैकेज के परिलाभ दिए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि ऊर्जा विभाग द्वारा नीति के प्रारूप को पब्लिक डोमेन में जारी कर हितधारकों से सुझाव लिए गए थे। महत्वपूर्ण सुझावों को शामिल किया गया है। राज्य सरकार ने नीति में वर्ष 2030 तक 2000 केटीपीए ऊर्जा उत्पादन के लक्ष्य रखे गए है। इसमें 4 श्रेणियों में परियोजनाएं स्थापित होंगी। इनमें अक्षय ऊर्जा का निकास पावर ग्रिड के नेटवर्क के द्वारा, एक ही स्थान पर अक्षय ऊर्जा एवं हाइड्रोजन का उत्पादन (700 केटीपीए), अक्षय ऊर्जा का 24 घंटे उत्पादन आरटीसी पावर (800 केटीपीए) और अक्षय ऊर्जा का निवास आरवीपीएन के नेटवर्क के द्वारा (500 केटीपीए) है।

विरोधियों के दुष्प्रचार का करारा जवाब दें भाजपा कार्यकर्ता : वंदना पोपली

घमंडिया गठबंधन की पोल खोलने का सबसे ताकतवर प्लेटफार्म है सोशल मीडिया

गुरुग्राम (हिंस)। मिशन-2024 को जीतने के लिए भाजपा हरियाणा ने शंखनाद अभियान का आगाज कर दिया है। अभियान के जरिए भारतीय जनता पार्टी विरोधियों के हर कुचक्र और झूठ को पूरी ताकत के साथ जवाब देने के लिए कार्यकर्ताओं को कार्यशालाओं के जरिए प्रशिक्षित कर रही है। शनिवार को भाजपा कार्यालय गुरुकमल में सोशल मीडिया की कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में मुख्य अतिथि व प्रदेश प्रवक्ता वंदना पोपली, बिजेन्द्र नेहरा, उत्तर प्रदेश से सोशल मीडिया सह संयोजक हर्ष चतुर्वेदी, आईटी प्रदेश प्रभारी अरूण यादव सहित अन्य विशेषज्ञों ने केंद्र और प्रदेश सरकार की उपलब्धियों को जनता के बीच ले जाने के लिए ऑनलाइन माध्यमों का उपयोग करने के टिप्स भी दिए। प्रदेश प्रवक्ता वंदना पोपली ने चुनाव-2024 में सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म

की भूमिका के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह दौर युवाओं का है और युवा सोशल मीडिया पर सबसे ज्यादा सक्रिय रहते हैं। युवाओं के बीच अपनी बात पहुंचाने और केंद्र तथा राज्य सरकार की उपलब्धियां बताने का सबसे बेहतर तरीका सोशल मीडिया है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि विरोधियों के दुष्प्रचार का जवाब देने के लिए वे किसी भी मुर्हत का इंतजार ना करें, बल्कि मजबूत साक्ष्य के साथ करारा जवाब दें। प्रदेश सोशल मीडिया सह प्रमुख रामबीर भाटी ने कहा कि टीम वर्क के साथ भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं को काम करना है। जिस प्रकार सोशल मीडिया के तौर तरीके बदल रहे हैं उसी के अनुरूप हमें भी अपडेट रहना होगा। कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर मोदी सरकार और राज्य सरकार की नीतियों और उपलब्धियों को हर घर द्वार तक पहुंचाना है। उत्तर प्रदेश से सोशल मीडिया सह संयोजक हर्ष चतुर्वेदी ने कहा कि देश व प्रदेश में जो भी चुनाव हुए हैं उनमें सोशल मीडिया की भूमिका बढ़ी है। सोशल मीडिया ने अनेकों स्वरूपों के साथ अपना प्रभाव समाज पर छोड़ा है। मोदी सरकार और राज्य सरकार के अच्छे कामों को पहुंचाने के लिए यह शंखनाद अभियान शुरू किया गया है।

काम से लौटे युवक को ले गए अपने साथ, पहले कार से रौंदा फिर तेजधार हथियारों से काट डाला

बठिंडा। बठिंडा के अर्जुन नगर में शुक्रवार देर रात पेंट का काम करके घर लौटे युवक को कार सवार उसके घर से बुलाकर साथ ले गए। इसके बाद घर से थोड़ी दूरी पर ही उसे पहले अपनी कार से रौंदा और फिर उनके साथ आए मोटरसाइकिल सवारों ने सड़क पर पड़े युवक की तेजधार हथियारों से हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। सूचना मिलने पर पहुंची थाना कैनाल पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी और नजदीक लगे एक सीसीटीवी कैमरे की फुटेज के आधार पर कुछ युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी। मृतक आकाश बंसल के कजिन हेमंत ने बताया कि आकाश बंसल पेंट का काम करता था। शुक्रवार देर रात को वह अपने काम से घर आ गया था। उसके थोड़ी देर बाद ही कार सवार कुछ युवक उसे घूमने का कहकर साथ ले गए। घर से थोड़ी दूरी पर कार सवार युवकों ने पहले आकाश को अपनी कार से रौंद दिया। इसके बाद कार सवारों के साथ आए बाइक सवार युवकों ने तेजधार हथियारों से आकाश की हत्या कर दी। हेमंत ने बताया कि जैसे ही उनको घटना के बारे में पता लगा तो उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचित कर दिया। मौके पर पहुंची थाना कैनाल पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी और शव को सिविल अस्पताल पहुंचाया। थाना कैनाल के इंस्पेक्टर पारस चहल का कहना था कि मृतक के परिजनों के बयान पर हत्या का केस दर्ज किया गया है। सूत्रों ने बताया कि घटना के नजदीक लगे एक सीसीटीवी कैमरे की फुटेज के आधार पर पुलिस ने कुछ संदिग्ध युवकों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ शुरू कर दी है। हेमंत ने बताया कि आकाश बंसल अपनी तीन बहनों का इकलौता भाई था। आकाश के माता-पिता बुजुर्ग हैं और घर पर ही रहते हैं।

सेहत विभाग ने पकड़ा लिंग जांच गिरोह डॉक्टर सहित पांच पर मुकदमा दर्ज

पलवल (हिंस)। जिला स्वास्थ्य विभाग टीम ने अलीगढ़ में गैरकानूनी तरीके से चल रहे लिंग जांच गिरोह का भंडाफोड़ शनिवार को किया।जिला स्वास्थ्य विभाग की टीम ने नकली ग्राहक बनाकर भेजा तो अस्पताल संचालक से लेकर दलाल तक फंस गए। 30 हजार रुपए में लिंग जांच कर दी। अलीगढ़ प्रशासन ने मामले में कार्रवाई करने से इनकार किया तो, पलवल शहर थाना में मुकदमा दर्ज करवाया गया। शहर थाना प्रभारी तेजपाल ने शनिवार को बताया कि पीएनडीटी के नोडल अधिकारी डॉ. प्रवीन कुमार ने दी शिकायत में कहा है कि सीएमओ डॉ. नरेंद्र गर्ग के पास शिकायत आई कि अलीगढ़ स्थित अनीता नर्सिंग होम में रुपए लेकर लिंग जांच का काम किया जाता है। सीएमओ ने डॉ. प्रवीण कुमार के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया। टीम ने एक गर्भवती महिला को नकली ग्राहक व लीगल एडवाइजर को महिला की नकली ननद और रोनित उर्फ पंकज को नकली भाई बनाकर मौके पर भेजा। टीम ने लिंग जांच करवाने के नकली भाई को 30 हजार रुपए दे दिए। जिन्होंने विनीत को पैसे दे दिए। विनीत, राजेश व अमित उन्हें अलीगढ़ स्थित अनीता नर्सिंग होम में ले गए। अनीता नर्सिंग होम में नकली ग्राहक की अन्य नाम से एंट्री कर अल्ट्रासाउंड कर उसे लड़का होना बता दिया गया। टीम ने मौके पर अस्पताल में पहुंच कर छापेमारी कर लिंग जांच करना पाया गया। जिला स्वास्थ्य विभाग की टीम ने तुरंत इसकी सूचना अलीगढ़ स्वास्थ्य विभाग व पुलिस विभाग को दी। दोनों टीमें मौके पर तो पहुंच गईं, लेकिन जिले की टीम का साथ देने से इनकार कर दिया। शहर थाना पलवल पुलिस ने डॉ. प्रवीण की शिकायत पर अलीगढ़ (यूपी) निवासी अनीता नर्सिंग होम की डॉक्टर अनीता मलिक, स्टाफ नर्स उमा, अलीगढ़ के ताजपुर गांव निवासी दलाल विनीत व राजेश और नर्सिंग होम के अमित उर्फ बंटी पीआराओ के खिलाफ पीएनडीटी एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

पाताल से आकाश ही नहीं, अंतरिक्ष तक कृषि का साम्राज्य : शर्मा

उदयपुर (हिंस)। पाताल से आकाश तक ही नहीं, बल्कि इससे आगे अंतरिक्ष तक कृषि का साम्राज्य है। कृषि वैज्ञानिक दिन-रात इस सत्य को मूर्त रूप देने में जुटे हैं। युवा और कृषि भारत के लिए चुनौती नहीं बल्कि एक सुअवसर है। शून्य बजट प्राकृतिक कृषि, कार्बनिक कृषि और व्यापारिक कृषि कुछ ऐसे कृषि के चुनिंदा प्रकार हैं जो युवाओं को खूब आकर्षित कर रहे है। यह बात शनिवार को यहां शेर-ए-कश्मीर कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, जम्मू के पूर्व कुलपति डॉ. जेपी शर्मा ने राजस्थान कृषि महाविद्यालय के नूतन सभागार में एक दिवसीय कृषि शिक्षा मेले में आए कृषि छात्रों को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि युवा कृषि क्षेत्र में उद्यमशीलता और नवाचार के द्वारा आमूलचूल परिवर्तन ला रहे हैं। यदि किसान पढ़े लिखे हो तो मौसम, मिट्टी, जलवायु, बीज, उर्वरक, कीटनाशक और सिंचाई संबंधी सटीक जानकारी रखते हुए भरपूर पैसा कमा सकते हैं। यानी कृषि एक ऐसा क्षेत्र है जहां रोजगार की कोई कमी नहीं है और नवागंतुक बच्चों को दसवीं-बारहवीं में ही कृषि विषय लेकर अपनी और अपने देश की तरक्की का रास्ता अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कृषि छात्र आईआईटी, आईआईएम, सिविल सर्विसेज, आईसीएआर, एसएयू, राज्य सरकार एवं बैंकों आदि में अपना भाग्य आजमा सकते हैं। उन्होंने कहा कि कोरोनाकाल हो या आर्थिक मंदी का दौर, भारत कृषि आधारित देश होने की वजह से कभी पिछड़ा नहीं, बल्कि इन संकटकालीन स्थितियों में जहां तकनीकी आधरित देशों में जीडीपी माइनस में चली गई, वहीं भारत ने कृषि में 3.4 प्रतिशत वृद्धि की। उन्होंने कहा कि भारत की 50 फीसदी आबादी कृषि से ही जीविकोपार्जन करती है। कृषि को फिर से एक नई क्रांति की जरूरत है और देश के युवाओं द्वारा कृषि क्रांति का आधार भी तैयार हो चुका है। आज का पढ़ा लिखा युवा फूड प्रोसेसिंग, वेल्यू एडिशन, टेक्नोलॉजी और मार्केटिंग को भली-भांति जानता है। गांव में ही प्रोसेसिंग हो, पैकेजिंग हो और वहीं से सीधे बाजार तक सामान पहुंचे तो युवाओं को खेती-किसानी से कोई परहेज नहीं होगा। आजकल तो कई युवा किसान ऐसे हैं जिनका अंतरराष्ट्रीय बाजार में लिंक स्थापित है और वे अच्छा खासा मुनाफा कमा रहे हैं। आईआईटी, आईआईएम आदि के छात्र भी कृषि आधरित उद्योगों की ओर बढ़ रहे हैं। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अजित कुमार कर्नाटक ने कहा कि कृषि में पढ़े लिखे युवाओं के आने से युवा आत्मनिर्भर बनेंगे, युवाओं के

आत्मनिर्भर होने से देश आत्मनिर्भर होगा और अंततः राष्ट्र का कल्याण होगा। उन्होंने कहा कि फल-फूलों की खेती, मशरूम की खेती, पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन, मिल्क प्रॉडक्ट तैयार करना, ग्राफ्टेड फलों के पौधें तैयार करना, खाद-बीज की दुकान लगाना, कुक्कुट पालन, मधुमक्खी पालन, सजावटी पौधों की नर्सरी खोलना, खाद्य प्रसंस्करण और आंवला, तिलहन, दहलन की प्रोसेसिंग यूनिट लगाकर शिक्षित युवा अपना, परिवार का और देश का भविष्य संवार सकते है। यही नहीं कई लोगों को रोजगार भी मुहैया कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में अनुसंधान भी बहुत जरूरी है। युवाओं को कृषि से जोड़ने के लिए देशभर में वर्तमान में 73 कृषि विश्वविद्यालय प्रयासरत है, जहां कृषि की पढ़ाई गुणवत्तापूर्ण तरीके से हो रही है। भारत का इजरायल के साथ कृषि शोध को लेकर करार हुआ है। डॉ. कर्नाटक ने कहा कि आज भारत की कुल जनसंख्या में 27.3 प्रतिशत युवा आबादी है। यानी 37.14 करोड़ युवाओं के साथ भारत सबसे अधिक युवाओं वाला देश है। यदि वैज्ञानिक पद्दति से कॉलेज स्तर पर प्रशिक्षण दिया जाए, कुटीर एवं घरेलू उद्योगों को बढ़ावा मिले तो पैसों की चाहत में युवा वर्ग भी कृषि क्षेत्र में पूरे जुनून से जुड़ेगा। महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर के तत्वावधान में राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के तहत् आयोजित इस मेले में 20 स्कूलों के छात्र-छात्राओं के अलावा उनके प्राचार्य व स्टाफ ने भी भाग लिया ताकि उच्च माध्यमिक स्तर पर विषय चयन में विधार्थियों का बेहतर मार्गदर्शन कर उन्हें कृषि जैसे रोजगारपरक विषय से जोड़ा जा सके। विशिष्ट अतिथि राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (आरएससीईआरटी) उदयपुर की निदेशक कविता पाठक ने भी विधार्थियों को कृषि विषय रोजगारपरक बताते हुए आधिकारिक विद्यार्थियों को कृषि विषय में अपना भविष्य संवारने का आह्वान किया। उन्होंने स्कूली पाठ्यक्रम निर्धारण में भी कक्षा सात-आठ से कृषि संबंधी पाठ का समावेश करने पर जोर दिया ताकि छात्र-छात्राओं को विषय चयन की प्रेरणा शुरू से ही मिल सके। एनएएचईपी समन्वयक डॉ. पीके सिंह ने बताया कि इस वर्ष विश्वविद्यालय के 71 छात्र एवं 11 प्राध्यापकों को प्रशिक्षण के लिए अमरीका, ऑस्ट्रेलिया एवं थाईलैंड भेजा गया व दिसम्बर 2023 तक 50 और विद्यार्थियों को भेजा जाएगा। कार्यक्रम के आरंभ में अधिष्ठाता डॉ. मीनू श्रीवास्तव ने सभी का स्वागत किया।

जी20-चंद्रयान मिशन में महिलाओं के योगदान पर वित्त मंत्री ने कही यह बात; विपक्षी गठबंधन को घेरा

नई दिल्ली।
केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक मीडिया हाउस से खास बातचीत में जी-20 घोषणापत्र और चंद्रयान-3 मिशन में महिलाओं के काम को सराहा। उन्होंने कहा कि ये महिलाओं के शानदार काम करने के उदाहरण हैं, लेकिन हमें कार्यबल में अधिक से अधिक महिलाओं को शामिल करने की जरूरत है। कार्यबल में महिलाओं की घटती संख्या सहित प्रमुख आर्थिक मुद्दों को विपक्ष द्वारा उठाए जाने के बारे में मंत्री से सवाल पूछा गया था। सीतारमण ने जी-20 वार्ता में भाग लेने वाली वित्त मंत्रालय की टीम और भारत के ऐतिहासिक चंद्रमा मिशन पर काम करने वाली महिलाओं की ओर इशारा करते हुए जवाब और कहा कि इन दोनों मिशनों में महिलाओं का काम सराहनीय रहा है। उन्होंने कहा, मुझे खुशी है कि इस बारे में बात हो रही है... और अगर महिलाओं के कार्यबल में शामिल होने पर बात हो रही है तो मैं उनके साथ जुड़ने के लिए पूरी तरह से तैयार हूं और मुझे यकीन है कि इस सरकार में हर कोई हमारे हाथों में तथ्यों के साथ सवाल उठाने वालों को जवाब देगा। उन्होंने कहा, महिला श्रम भागीदारी सिर्फ भारत के लिए एक समस्या नहीं है... हमें कार्यबल में अधिक से अधिक महिलाओं को शामिल करने की आवश्यकता है। जब आपने चंद्रयान-3 और उसका मार्गदर्शन करने वाली टीम को देखा तो वह पूरी तरह से महिलाओं की थी। यह कई भारतीय महिलाओं के लिए एक प्रेरणा है। यह बदलाव की ताकत है। उन्होंने कहा, मुझे गर्व है कि मेरी जी-20 टीम का नेतृत्व महिलाओं ने किया। वित्त मंत्रालय की टीम में जिसमें ज्यादातर महिलाएं शामिल रही, जिन्होंने शानदार काम किया। सीतारमण ने खुद को इस और अन्य मुद्दों पर विपक्ष के साथ जुड़ने के लिए पूरी तरह से इच्छुक घोषित किया, और 18 महीनों में अलग-अलग रैंक पर 10 लाख नौकरियों को भरने के लिए सरकार के अभियान का जिक्र किया। पिछले साल अक्टूबर में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से यह निर्देश दिया गया था। उन्होंने कहा, हम लोगों को कुशल बनाने में मदद कर रहे हैं। वित्त मंत्री ने कहा, आंकड़ों के साथ, हम निश्चित रूप से विपक्ष को जवाब दे सकते हैं। मुद्रास्फीति को कैसे नियंत्रित किया जा रहा है, श्रमिकों की भागीदारी कैसे सुनिश्चित की जा रही है, विशेष रूप से महिलाओं की, और सरकार की घोषणाओं को कैसे अमल में लाया जा रहा है। हर महीने हम केंद्र सरकार में पदों को कैसे भरने जा रहे हैं... हम हर सवाल का जवाब दे सकते हैं।

न्यूज ब्रीफ

एक्सिस बैंक में एफडी की ब्याज दरों में कटौती की: 1 साल के लिए एफडी पर अब 6.70 प्रतिशत सालाना ब्याज

नई दिल्ली। एक्सिस बैंक ने फिक्स्ड डिपॉजिट यानी एफडी के ब्याज में 0.50 प्रतिशत की कटौती की है। ये कटौती कुछ पीरियड की एफडी पर की गई है। बैंक अब अपने ग्राहकों को 3 प्रतिशत से लेकर 7.10 प्रतिशत का ब्याज ऑफर कर रहा है। एक्सिस बैंक ने 2 करोड़ रुपए से कम की पर ये ब्याज दे रहा है। 1 साल के लिए एफडी कराने पर 6.70 प्रतिशत सालाना ब्याज मिलेगा। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की वी केयर डिपॉजिट स्कीम इस महीने यानी 30 सितंबर को खत्म हो रही है। इस स्कीम में सीनियर सिटीजंस को 5 साल या उससे ज्यादा समय के फिक्स्ड डिपॉजिट पर अतिरिक्त ब्याज दिया जाएगा। एसबीआई की इस स्कीम में 5 साल या उससे ज्यादा की अवधि के डिपॉजिट पर 50 बेसिस पॉइंट्स का एक्स्ट्रा ब्याज मिलेगा। यह स्कीम सिर्फ 30 सितंबर 2023 तक लागू रहेगी। तय अवधि में इस स्कीम में निवेश करने वाले ग्राहकों को ही फायदा मिलेगा। सीनियर सिटीजन को 5 साल से कम के रिटेल टर्म डिपॉजिट पर आम पब्लिक के मुकाबले 0.50 प्रतिशत ज्यादा ब्याज मिलता है। वहीं वीकेयर डिपॉजिट स्कीम के तहत 5 साल या इससे ज्यादा की एफडी पर 1 प्रतिशत ब्याज मिलेगा। हालांकि, मैच्योरिटी से पहले निकासी पर अतिरिक्त ब्याज नहीं दिया जाएगा।

सरकार ने क्रूड ऑयल पर विंडफॉल बढ़ाकर 10,000 प्रति टन किया

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने डोमेस्टिक प्रोड्यूस क्रूड ऑयल पर विंडफॉल टैक्स को 6,700 पर टन से बढ़ाकर 10,000 प्रति टन कर दिया है। हालांकि डीजल एक्सपोर्ट पर शुल्क पहले के 6 रुपए प्रति लीटर से घटाकर 5.50 रुपए प्रति लीटर कर दिया गया है। वहीं एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) पर शुल्क पहले के 4 रुपए प्रति लीटर से घटाकर 3.50 रुपए प्रति लीटर कर दिया गया है। नई दरें 16 सितंबर से प्रभावी हो गई हैं। इससे पहले दो सितंबर को विंडफॉल टैक्स में बदलाव किया गया था। सरकार ने दो सितंबर को विंडफॉल टैक्स में कटौती की थी। केंद्र सरकार ने घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे पेट्रोलियम पर विंडफॉल टैक्स को 7,100 रुपए प्रति टन से मामूली रूप से घटाकर 6,700 रुपए प्रति टन कर दिया था, जबकि इससे पहले 1 जुलाई 2022 को सरकार ने एक्सपोर्ट ड्यूटी लगाया था। 1 जुलाई 2022 को सरकार ने पेट्रोल और एटीएफ पर 6 रुपए प्रति लीटर और डीजल के निर्यात पर 13 रुपए प्रति लीटर का निर्यात शुल्क लगाया था। घरेलू कच्चे तेल की बिक्री पर 23,250 रुपए प्रति टन का विंडफॉल टैक्स लगाया गया था। तब से केंद्र इंटरनेशनल कच्चे तेल की कीमतों के आधार पर हर पखवाड़े में लेवी की समीक्षा कर रहा है। ग्लोबल स्तर पर कच्चे तेल के दाम में पिछले कुछ समय से बढ़ोतरी जारी है। कई देशों ने कच्चे तेल के प्रोडक्शन में भी कटौती की है। डब्लूटीआई कच्चा तेल 90 डॉलर प्रति बैरल पर जा पहुंचा है। वहीं ब्रेंट कच्चा तेल 94 डॉलर प्रति बैरल पर है। गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने सबसे पहले एक जुलाई 2022 को कच्चे तेल की बिक्री पर विंडफॉल टैक्स लगाया था। भारत के अलावा यूके, इटली और जर्मनी समेत कई देशों ने पहले ही ऊर्जा कंपनियों के सुपर नॉर्मल प्रॉफिट पर विंडफॉल टैक्स लगाया था।

क्या अदाणी मामले में सेबी नींद से जागेगी कांग्रेस ने शेयर बाजार के नियामक पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। कांग्रेस ने एक खबर का हवाला देते हुए शनिवार को दावा किया कि मॉरीशस में अदाणी समूह से संबंधित दो निवेश कोष के विरुद्ध नियमों के उल्लंघन को लेकर कार्रवाई की गई है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने सवाल किया कि आखिर इस मामले में भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (सेबी) नींद से कब जागेगी अमेरिकी कंपनी 'हिंडनबर्ग रिसर्च' द्वारा अडाणी समूह के खिलाफ 'अनियमितताओं' और स्टॉक मूल्य में हेरफेर का आरोप लगाये जाने के बाद से कांग्रेस इस कारोबारी समूह पर निरंतर हमले और संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच की मांग कर रही है। अदाणी समूह ने हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में लगाये गये सभी आरोपों से इनकार किया था और उसका कहना था कि उसकी ओर से कोई गलत काम नहीं किया गया है।

पाकिस्तान में 331 रुपए प्रति लीटर पेट्रोल

केयर टेकर पीएम ने 15 दिन में 26 रुपए दाम बढ़ाया अंतरराष्ट्रीय कीमतों में बढ़ोतरी को वजह बताया

इस्लामाबाद।
पाकिस्तान में केयरटेकर सरकार ने पेट्रोल-डीजल के दामों में भारी बढ़ोतरी की है। पेट्रोल के दाम 26.02 पाकिस्तानी रुपए बढ़कर 331.38 रुपए हो गए। वहीं हाई-स्पीड डीजल 17.34 रुपए बढ़कर 329.18 पाकिस्तानी रुपया हो गया। पाकिस्तान में ऐसा पहली बार हुआ है, जब पेट्रोल-डीजल के दाम 330 रुपए/लीटर तक पहुंचे हैं। पाकिस्तानी मीडिया डॉन के मुताबिक, पिछले एक महीने में पेट्रोल-डीजल के रेट में करीब 58.43 और 55.83 रुपए की बढ़ोतरी हुई है। दरअसल, अगस्त में मुद्रास्फीति दर में 27.4 प्रतिशत से ज्यादा की वृद्धि हुई, जिसके बाद पेट्रोलियम की कीमतें बढ़ी हैं। आने वाले दिनों में सामान्य कीमतें भी बढ़ने के आसार हैं। केयरटेकर पीएम काकड़ के अप्रूवल के बाद मिनिस्ट्री ऑफ फाइनेंस ने नए दामों की घोषणा की।

एक महीने में दूसरी बार पेट्रोल के दामों में इजाफा

पेट्रोल का ज्यादातर इस्तेमाल प्राइवेट ट्रांसपोर्ट, छोटे वाहनों के लिए किया जाता है। इसकी वजह से दाम बढ़ने का सीधा असर पाकिस्तान के मिडिल क्लास और लोअर क्लास लोगों पर पड़ेगा। वहीं, डीजल का इस्तेमाल ट्रांसपोर्ट में इस्तेमाल होने वाले वाहनों, ट्रेन, ट्रक, बस में होता है। इससे ट्रांसपोर्ट कोस्ट बढ़ने की वजह से दूसरे सामानों की कीमतें भी बढ़ेंगी। इसका खामियाजा भी मिडिल और लॉअर क्लास को उठाना पड़ेगा। पाकिस्तान की अंतरिम सरकार ने कहा है कि देश में पेट्रोल की कीमतें बढ़ाने की वजह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ी पेट्रोल की कीमतें हैं। 15 अगस्त के बाद दूसरी बार पाकिस्तान में पेट्रोल डीजल की कीमतें बढ़ाई गई हैं। अगस्त में पाकिस्तान की महंगाई दर बढ़कर 27.4 प्रतिशत हो गई। 1 सितंबर को पेट्रोल और डीजल की कीमतें 14.91 रुपये और 18.44 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की थी और 15 दिनों के लिए प्रति लीटर पेट्रोल की कीमत 305.36 रुपये और एक लीटर डीजल की कीमत 311.84 रुपये तय की गई थी। यानी पेट्रोल के दामों में 15 दिनों में 26 रुपए की बढ़ोतरी हुई है। पाकिस्तान में ब्याज दरों में भी लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। डॉलर के मुकाबले पाकिस्तानी रुपए में भी गिरावट दर्ज की गई है पिछले एक महीने में पाकिस्तानी रुपया डॉलर के मुकाबले 6.2 प्रतिशत गिरा है।

पाकिस्तान को बेचनी पड़ रही एयरलाइन

पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइन के पास 20 हजार करोड़ से ज्यादा का कर्ज हो गया है, जो उसकी कुल संपत्ति से 5 गुना ज्यादा है। पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस को लीज पर लिए गए 13 में से 5 विमानों की उड़ानें रद्द करनी पड़ी हैं। 4 और विमानों के साथ भी ऐसा होने की संभावनाएं हैं। पीएलए को ठीक तरीके से चला पाने के लिए 23 बिलियन पाकिस्तानी रुपए यानी 636 करोड़ रुपए की तुरंत जरूरत है। इन सब के बीच पाकिस्तान की केयर टेकर सरकार पीएलए को जल्द से जल्द बेचने की तैयारियों में जुटी हुई है। काकड़ के नेतृत्व में की गई एक मीटिंग के दौरान कमिशन ने सुझाया है कि एयरलाइन पर पैसे खर्च कर उसे तंगहाली से निकालने की बजाय उसका निजीकरण कर देना यानी उसे बेच देना बेहतर होगा। इसके लिए प्राइवेटाइजेशन मिनिस्टर की भी तैनाती की गई है। डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक इस पर नियुक्ति पर इलेक्शन कमिशन ने आपत्ति जताई है। दरअसल, काकड़ ने पीएलए के नीजीकरण के लिए जिस फवाद हसन को मंत्री नियुक्त किया है वो शाहबाज सरकार में प्रिंसिपल सेक्रेटरी रह चुके हैं। पाकिस्तान चुनाव आयोग का कहना है कि इस पर किसी ऐसे व्यक्ति की नियुक्ति होनी चाहिए जो गैर राजनीतिक हो।

आईफोन-15 प्रो मैक्स बुकिंग खुलते ही एक घंटे में बिका: दुनियाभर में दो से तीन हफ्ते की वेटिंग, शुरुआती कीमत 1.60 लाख

नई दिल्ली। एपल का प्रीमियम स्मार्टफोन आईफोन-15 प्रो मैक्स बुकिंग ओपन होते ही एक घंटे से भी कम समय में बिक गया। अब इस फोन के लिए बायर्स को 2-3 हफ्ते की वेटिंग पीरिएड बताई जा रही है। 22 सितंबर से 40 देशों में शुरू होगी सेल रिपोर्ट के अनुसार, यदि ग्राहक प्री-सेल इवेंट के दौरान आईफोन-15 प्रो मैक्स नहीं खरीद पाते हैं, तो उनके पास अगले शुक्रवार, 22 सितंबर से सामान्य बिक्री शुरू होने पर इसे खरीदने का मौका होगा या कम से कम इंतजार करना पड़ सकता है। बता दें कि, नए आईफोन 22 सितंबर से 40 से अधिक देशों में बिक्री के लिए अवेलेबल होंगे। हालांकि, मकाओ, मलेशिया, तुर्की, वियतनाम और 17 अन्य देशों और क्षेत्रों के ग्राहकों को नए डिवाइस खरीदने के लिए 29 सितंबर तक इंतजार करना होगा। आईफोन में पहली बार मिलेगा टाइप-सी चार्जिंग पोर्ट कैलिफोर्निया की टेक कंपनी ने मंगलवार (12 सितंबर) को अपने वंडरलस्ट इवेंट में 79,990 रुपए की शुरुआती कीमत में आईफोन 15 सीरीज को लॉन्च किया था। इसमें आईफोन-15 प्रो मैक्स को 1.60 लाख रुपए की शुरुआती कीमत में पेश किया गया था। एपल ने पहली बार अपने स्मार्टफोन में चार्जिंग के लिए टाइप-सी पोर्ट दिया है। पहले लाइटनिंग पोर्ट मिलता था। कंपनी ने वॉच सीरीज 9 और वॉच अल्ट्रा 2 भी पेश की है। टाइटेनियम की बॉडी इस बार आईफोन-15 में 48 मेगापिक्सल का मेन कैमरा दिया गया है। आईफोन-15 और 15 प्लस में ए16 बायोनिक चिप दी गई है। वहीं आईफोन-15 प्रो और प्रो मैक्स में ए17 प्रो चिप मिलेगी। प्रो मॉडल्स की बॉडी में टाइटेनियम का इस्तेमाल किया गया है।

विशेष अदालत ने बंगलूरू जाली नोट मामले में महिला को दोषी ठहराया, पांच लोगों को पहले ही हो चुकी है सजा

नई दिल्ली।
राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की एक विशेष अदालत ने बंगलूरू जाली नोट मामले में एक महिला को दोषी ठहराया है। यह मामला कर्नाटक के रास्ते बांग्लादेश से भारत में भारी मात्रा में उच्च गुणवत्ता वाले जाली नोटों की तस्करी से संबंधित है। वनिता उर्फ थंगम इस मामले में दोषी करार दी जाने वाली छठी आरोपी है। उन्हें भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 489बी (असली नकली नोटों के रूप में उपयोग करना) के तहत छह साल की कैद, आईपीसी की धारा 489सी (नकली नोटों को रखना) के तहत पांच साल की कैद और आईपीसी की धारा 120बी (आपराधिक साजिश) के तहत दो साल की कैद की सजा सुनाई गई थी। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शनिवार को कहा कि सभी सजाएं साथ-साथ चलेंगी। अदालत ने वनिता पर 20,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया। 2018 में एनआईए के साथ एक संयुक्त अभियान में कर्नाटक पुलिस ने 2.50 लाख रुपये के नकली नोटों के साथ तीन अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद वनिता के पास से 4.34 लाख रुपये मूल्य के नकली नोट जब्त किए थे।

एजेंसी ने कहा कि 2018 में एनआईए के एक अधिकारी की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर कर्नाटक पुलिस ने शुरू में आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था। आगे चलकर एनआईए ने मामला फिर से दर्ज किया और गहन जांच और निगरानी शुरू की जिससे मुख्य आरोपी अब्दुल खादिर के नेतृत्व वाले जाली भारतीय मुद्रा नोट (एफआईसीएन) गिरोह का पर्दाफाश हुआ।

आगे की जांच में बेंगलुरु में तीन लोगों की ओर से नकली नोटों नोटों के लेन-देन का संकेत मिलता है। इससे पहले 2018 और 2022 के बीच, एनआईए ने आठ लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किए। इनमें से तीन मोहम्मद सज्जाद अली उर्फ चाचू, एमजी राजू उर्फ मास्टर और अब्दुल कादिर को विशेष अदालत ने छह साल कैद की सजा सुनाई थी। एनआईए ने कहा कि दो अन्य आरोपियों गंगाधर खोलकर और साबिरुद्दीन को भी विशेष अदालत ने दोषी ठहराया और छह साल कैद की सजा सुनाई।

दुनिया की पांचवी सबसे बड़ी इकोनॉमी बनना गर्व की बात, लेकिन क्या हैं सी रंगराजन की चिंता

नई दिल्ली।
भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व गवर्नर सी रंगराजन ने कहा कि पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होना गर्व की बात है, लेकिन प्रति व्यक्ति आय भी बढ़नी जरूरी है। आईसीएफएआई फाउंडेशन फॉर हायर एजुकेशन के 13वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए रंगराजन ने कहा कि कोविड-19 और रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद भारत के भविष्य के विकास के लिए एक स्पष्ट खाका तैयार करने की जरूरत है और सबसे पहला काम विकास दर बढ़ाना है।

प्रति व्यक्ति आय के मामले में 197 देशों में भारत 142वें नंबर पर - भारत को आज पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बताते हुए उन्होंने कहा, यह एक प्रभावशाली उपलब्धि है। उन्होंने कहा, हालांकि, प्रति व्यक्ति आय के संबंध में हम अब भी संतोषजनक स्थिति में नहीं हैं, इस मामले में कहानी अलग है। 2020 में, प्रति व्यक्ति आय के संबंध में भारत का स्थान 197 देशों में से 142वां है।

सी रंगराजन बोले- प्रति व्यक्ति आय बढ़ाने के अलावा कोई विकल्प नहीं - प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, यह केवल उस दूरी को दर्शाता है जो हमें तय करनी है, हमारे पास प्रति व्यक्ति आय के वर्तमान स्तर को देखते हुए तेजी से बढ़ने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा कि गणना के अनुसार यदि देश अगले दो दशक और उससे अधिक समय तक लगातार सात प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल करता है तो इससे अर्थव्यवस्था के स्तर में उल्लेखनीय बदलाव आएगा और भारत एक विकसित अर्थव्यवस्था का दर्जा लगभग लगभग हासिल कर सकता है।

रोजगार वृद्धि से विकास का लक्ष्य हासिल किया जाना चाहिए: पूर्व आरबीआई गवर्नर - उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत को उभरी नई प्रौद्योगिकियों और कुशल श्रम शक्ति को आत्मसात करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, हालांकि नई प्रौद्योगिकियां उत्पादन के मामले में रोजगार पर असर डाल सकती है। उन्होंने कहा, रोजगार वृद्धि से विकास का लक्ष्य हासिल किया जाना चाहिए।

चुपके चुपके महंगे हुए मसाले, 800 रुपये किलो हुआ जीरा, छोटी इलायची 3500; स्वाद ही नहीं रसोई का बजट भी गड़बड़ाया

भोपाल।
अभी तक हम टमाटरों का रोना रो रहे थे। टमाटर 20 से 250 तक चले गए। तडक़ा कैसे लगेगा, बगैर टमाटर सब्जी बेस्वाद हुई। टमाटर एक डेढ़ महीने में रास्ते पर आ गए। मगर स्वाद को चुपके से बेस्वाद बनाने के लिए मसाले अब बे-रास्ता हो गए हैं। पिछले दो महीनों में रसोई में जरूरी तौर पर प्रयोग में लाए जाने वाले मसालों के दाम कुछ के दोगुने तो कुछ के दोगुने से भी ज्यादा हो गए हैं। मसालों की कीमतों का असर गृहिणियों के घरेलू बजट पर पड़ है। होटलों में मिलने वाले भोजन से लेकर स्ट्रीट फूड के चाट पकौड़ों पर भी पड़ा है। मसालों का मसला कहीं चर्चा का विषय भी नहीं है। प्याज और टमाटर के दाम बढने पर संसद से सडक़ तक खूब चर्चाएं होती हैं। गरम मसालों में शुमार और मिठाइयों से लेकर खीर तक का स्वाद बढ़ाने वाली छोटी इलायची की कीमतें पिछले दिनों 1300 रुपये प्रति किलो तक बढ़ गई। छोटी इलायची जो 2200 रुपये प्रति किलो थी अब 3500 रुपये प्रति किलो मिल रही है।

रोजमर्रा की रसोई में मसाले और तडक़े के तौर पर जीरे का प्रयोग अनिवार्य है। जीरा छाछ, रायता आदि में प्रयोग किया जाता है। जीरे की कीमत पिछले दो माह के दौरान ही दोगुनी हो गई है। जीरा 400 रुपये प्रति किलो से 800 रुपये प्रति किलो पर पहुंच चुका है। किराना के थोक और खुदरा व्यापारी बताते हैं कि पिछले दिनों जीरा, काली मिर्च, हल्दी, साबुत मिर्च, हल्दी सौंफ आदि मसालों की कीमतों में तेजी से इजाफा हुआ है। थोक मूल्यों में वृद्धि का असर खुदरा मसालों पर भी पड़ा है। विभिन्न ब्रांड के पैक मसालों का इस पर पूरा असर पड़ा है। लोग पहले इन मसालों को ज्यादा मात्रा में खरीदते थे। कीमतें बढने से खास तौर पर कम आय वर्ग के लोग जीरा, काली मिर्च, इलाइची आदि बहुत कम मात्रा में ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि मध्य वर्ग के लोग आम तौर पर घर का राशन एक साथ ले लेते हैं। बढ़ा हुआ बिल उन्हें परेशान तो करता है मगर उन्होंने इस पर बहुत ध्यान नहीं दिया। उनके महीने भर के राशन में मसालों की बढ़ी हुई कीमतों का पूरा असर है।

टैक्स-स्लैब दायरे में आते हैं फिर भी मिलेगी टीडीएस छूट : अब इनकम से नहीं कटेगा बेवजह का टीडीएस

नई दिल्ली।

टैक्स डिडक्टेड एट सोर्स यानी वो टैक्स, जो आपकी किसी भी इनकम से काटा जाता है। बहुत सारे टैक्स पेयर्स सैलरी या इन्वेस्टमेंट से होने वाली इनकम पर टीडीएस से परेशान रहते हैं। इससे बचने के लिए आप इनकम टैक्स डिपार्टमेंट से रिफंड के लिए फॉर्म भर सकते हैं। इसके अलावा कई और उपाय हैं जिनके जरिए आप टैक्स डिडक्शन से बच सकते हैं।

टीडीएस कब काटा जाता है

कुछ तय सोर्सेस से होने वाली इनकम पर एक लिमिट (थ्रेसहोल्ड लिमिट) के बाद टैक्स काटा जाता है। टीडीएस इस बात पर निर्भर करता है कि टैक्सपेयर किस ब्रैकेट में आता है। इसके अलावा इनकम के अलग-अलग टाइप पर टीडीएस भी अलग होता है। उदाहरण के लिए डिविडेंड यानी किसी शेयर कंपनी के प्रॉफिट में आपका शेयर अगर 5,000 रुपए से ज्यादा हो जाता है तो इस पर डिपार्टमेंट टीडीएस काट लेगा।

अलग-अलग बैंक में एक से ज्यादा एफडी करा कर टीडीएस बचाएं

वहीं अगर आप किसी बैंक की सेविंग अकाउंट, एफडी या किसी दूसरे स्कीम से पैसा कमाते हैं तो भी आपको टैक्स देना पड़ेगा। हालांकि इसकी एक लिमिट है। यह लिमिट आम नागरिकों के लिए 40 हजार रुपए है, जबकि सीनियर सिटीजन के लिए 50 हजार रुपए है। इन सोर्सेस से अगर आपकी इनकम इस दी गई लिमिट के ऊपर जाती है, तो आपकी वह आय टैक्सेबल हो जाती है।

हालांकि यह नियम एक बैंक से किसी एक फाइनेंशियल इयर में कमाई गई इंटरेस्ट पर लागू होता है। यानी अगर आप अलग-अलग बैंक में एफडी करा लेते हैं तो आपको टीडीएस में छूट मिल सकता है। लेकिन इसके लिए ध्यान रखना होगा कि हर बैंक में एफडी की इनकम 40 हजार से कम हो।

एफडी पर 40 हजार से ज्यादा इनकम, फिर भी नहीं कटेगा टीडीएस

किसी एफडी से आपकी इनकम 40 हजार से ज्यादा हो जाती है, लेकिन अगर उसी फाइनेंशियल इयर में आपकी आय 2.5 लाख से कम रहती है तो आप फॉर्म 15 भर कर टैक्स से छूट पा सकते हैं।

इस कैटेगरी में हाउसवाइव्स, स्टूडेंट्स जैसे लोग शामिल होते हैं। इनकी आय तो 2.5 लाख से कम होती है। लेकिन उनकी एफडी इनकम 40 हजार से ज्यादा हो सकती है। क्योंकि उनके घर का कमाने वाला व्यक्ति उनके नाम पर एफडी कर सकता है।

क्या है टीडीएस

अगर आपकी इनकम पर टैक्स काट कर बाकि रकम आपको दी जाती है तो, काटा गया टैक्स टीडीएस होता है। सरकार इसके जरिए टैक्स जुटाती है। यह अलग-अलग तरह के आय स्त्रोतों पर काटा जाता है। जैसे सैलरी, किसी इन्वेस्टमेंट पर मिले ब्याज या कमीशन आदि पर। कोई भी संस्थान (जो टीडीएस के दायरे में आता है) जो भुगतान कर रहा है, वह एक निश्चित रकम टीडीएस के रूप में काटता है।

रॉकस्टार डीएसपी का अगला कॉन्सर्ट लंदन में, फैंस झूमने को बेकरार

मुंबई (ईएमएस)। प्रसिद्ध म्यूजिक मेस्ट्रो रॉकस्टार डीएसपी, जिन्हें हाल ही में राष्ट्रीय पुरस्कार से नवाजा गया, उन्होंने अपने फैंस के लिए एक बड़ी घोषणा की है। उनका अगला कॉन्सर्ट लंदन में होने वाला है, जो उनके पहले सभी कॉन्सट्र्स से बड़ा और शानदार होने वाला है। इस कॉन्सर्ट को देखने के लिए फैंस बहुत ही उत्सुक हैं खासकर लंदन के दर्शक, जो उनके आने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। मलेशिया में अपने अविस्मरणीय ऊ सोलरिया और अमेरिका में ऊ अंटावा कंसट्र्स के बाद रॉकस्टार डीएसपी दो दिवसीय शानदार प्रदर्शन के लिए लंदन में मंच की शोभा बढ़ाएंगे। पहले दिन, वह अपने तेलुगु चार्ट-टॉपर्स के साथ दर्शकों को एंटरटेन करने वाले हैं। वहीं दूसरे दिन, वह अपने तमिल सुपरहिट्स पर फैंस को अपनी धुन पर नचाएंगे। यह पहली बार है कि किसी भारतीय ने लगातार दो म्यूजिकल कॉन्सट्र्स निर्धारित किए हैं। डीएसपी का लंदन कॉन्सर्ट 13 और 14 जनवरी, 2024 को होगा, जो रॉकस्टार की ही तरह एनरजेटिक और ब्लॉकबस्टर साबित होगा। फैंस इस अब जल्द से जल्द व्यक्तिगत रूप से अनुभव करने की राह देख रहे हैं।

अतीत के बुरे दौर को याद कर भावुक हुए टीवी अभिनेता शीजान खान

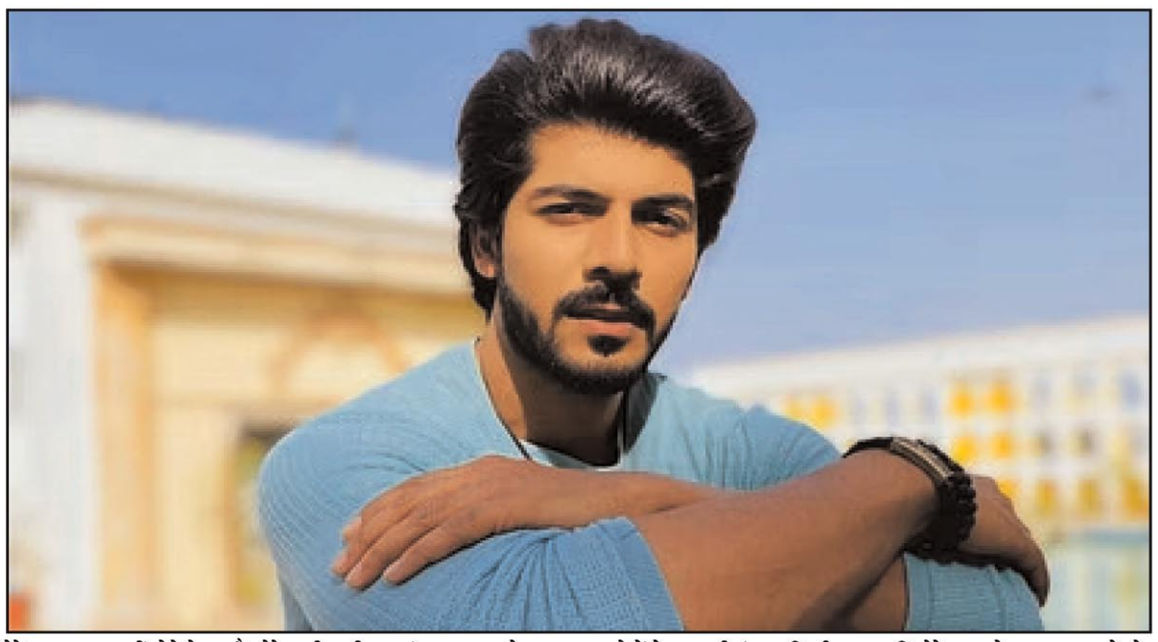

मुंबई (ईएमएस)। टीवी शो अली बाबाः दास्तान-ए-काबुल अभिनेता शीजान खान की उस वक्त मुसीबतें काफी बढ़ गई थीं जब उनकी गर्लफ्रेंड और को-स्टार तुनिषा शर्मा ने सेट पर अपनी जान दे दी थी। तुनिषा ने 24 दिसंबर, 2022 में शो के सेट पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी, जिसके बाद उनकी मां ने शीजान पर कई संगीन आरोप लगाए थे और उन्हें तकरीबन दो महीने जेल तक जेल की हवा खानी पड़ी थी। अब हाल ही में शीजान एक इंटरव्यू में उस बुरे दौर को याद कर भावुक हो गए। वे उम्मीद कर रहे है कि उनका केस जल्द खारिज हो। शीजान ने कहा, मैं एक अति बुरे दौर से गुजरा। ऐसा लग रहा था कि मानो मेरी जिंदगी थम गई है। मुझे याद है कि उस वक्त मैं हर पल केवल यही सोचता था कि क्या मेरी जिंदगी फिर से शुरू हो पाएगी या नहीं? ये जो भी सब मेरे साथ हो रहा है, क्या कभी खत्म होगा? मैं इस बुरे वक्त से निकल पाऊंगा या नहीं? अभिनेता ने कहा, मेरे परिवार वालों को और कितनी तकलीफें झेलनी होंगी? इस सबसे मैं कब बाहर आऊंगा? आंखों के सामने, ताश के पत्तों की तरह मेरी जिंदगी बिखरती जा रही थी। मेरा साथ क्या हो रहा था, मुझे कुछ समझ नहीं आ रहा था, लेकिन मुझे यकीन था कि भगवान कभी मेरे साथ गलत नहीं होने देगा और मेरे यकीन की जीत भी हुई। शीजान ने कहा कि बुरे वक्त में मेरे फैमिली मेंबर्स ने मुझे बहुत सपोर्ट किया, उनसे मेरी शुरूआत से ही अच्छी बॉन्डिंग थी। लेकिन हां, उस घटना के बाद कुछ लोगों के असली रंग देखने को मिले। मेरे कुछ पुराने दोस्त थे जो मेरे घर आते-जाते रहते थे लेकिन 24 दिसंबर के बाद उनमे से ज्यादातर लोग बदल गए। मानो जैसे किसी वक्त यदि मेरे 10 दोस्त हुआ करते थे, तब आज उनमे से केवल 1-2 ही मेरे साथ हैं। अब जो बुरे वक्त में आपके साथ नहीं उन्हें भला अपना मानूं भी कैसे?

शाहरुख के गाने पर अस्पताल में डांस करती हैं महिला प्रशंसक

मुंबई (ईएमएस)। शाहरुख स्टारर जवान का क्रेज इस वक्त फैंस के सिर चढ़कर बोल रहा है। बच्चा हो या बूढ़ा हर कोई जवान के गानों से लेकर डायलॉग्स पर रील्स बनाकर शेयर करते नजर आ रहे हैं। इसी बीच शाहरुख की एक फीमेल फैन हॉस्पिटल में जवान के गाने चलेया पर डांस करती नजर आईं। उनका ये वीडियो देखते ही देखते वायरल हो गया। वहीं, जब वीडियो शाहरुख ने देखा तब वे हौरान हो गए और उन्होंनें उनके लिए दुआ भी की। दरअसल, जानी-मानी इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर ने कुछ दिनों पहले अपना वीडियो बनाया था, जिसमें वह अस्पताल में चलेया गाने पर हुक स्टेप करती नजर आईं। वहीं, जब इस वीडियो पर किंग खान की नजर पड़ी, तब उन्होंने इसपर रिप्लाई करते हुए लिखा- यह बहुत अच्छा है धन्यवाद। जल्दी ठीक हो जाओ और फिल्म देखो। एक और डांस वीडियो का इंतजार है, लेकिन एक बार जब आप अस्पताल से बाहर आ जाएंगे...आई लव यू। बता दें, एटली कुमार के निर्देशन में बनी फिल्म जवान 7 सितंबर को पर्दे पर रिलीज हुई थी। फिल्म ने अब तक दुनिया भर में 600 करोड़ से ज्यादा कमाई कर ली है।

फिल्म बाघा जतिन का टीजर रिलीज

स्वतंत्रता सेनानी जतींद्रनाथ मुखोपाध्याय के जीवन पर आधारित फिल्म बाघा जतिन का टीजर रिलीज किया गया है। डायरेक्टर अरुण राय की इस फिल्म का टेलर काफी शानदार लग रहा है। जिसमें एक्शन से लेकर इमोशन तक सब कुछ दिखाया गया है। फिल्म 20 अक्टूबर 2023 को पूरे भारत के सिनेमाघरों में रिलीज होगीटीजर में भारत की स्वतंत्रता और स्वतंत्रता के लिए क्रांतिकारी गतिविधियों के माध्यम से लड़ने वाले शेर-दिल व्यक्ति की वीरतापूर्ण यात्रा को दिखाया गया है, जिसने 1906 में अपने लोगों की स-रक्षा के लिए अपने पैतृक गांव में अकेले ही एक बंगाल टाइगर को मार डाला था। टीजर जबरदस्त एक्शन, इमोशन और देशभक्ति से भरपूर है। बता दें कि, फिल्म में देव अधिकारी जतींद्रनाथ मुखोपाध्याय की भूमिका में नजर आएंगे। वहीं, श्रीजा दत्ता उनकी पत्नी की भूमिका निभाती नजर आएंगे।

नेटफ्लिक्स ने 250 करोड़ में खरीदे फिल्म जवान के ओटीटी राइट

मुंबई (ईएमएस)। शाहरुख खान की फिल्म जवान ने बॉक्स ऑफिस पर कमाल कर दिया है। फिल्म ने 7 दिनों में वर्ल्डवाइड 700 करोड़ रुपयों की कमाई कर इतिहास रच दिया है। शाहरुख की जवान सिनेमाघरों में धूम मचाने के बाद ओटीटी पर भी रिलीज को तैयार है। इसके राइट्स नेटफ्लिक्स ने खरीद लिए हैं। रिपोर्ट के अनुसार नेटफ्लिक्स जवान के ओटीटी राइट्स के एवज में 250 करोड़ रुपयों की कीमत चुकाई है। शाहरुख खान की जवान अब जल्द ही नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है। इस फिल्म के लिए दर्शक भी काफी उत्साहित हैं। जवान ने साल 2023 की शुरूआत में ही रिलीज हुई शाहरुख खान की फिल्म पठान से भी 2.5 गुना ज्यादा कमाई की है। पठान के ओटीटी राइट्स महज 100 करोड़ में बिके थे। वहीं जवान के ओटीटी राइट्स 250 करोड़ में बिके हैं। इसके बाद अब जवान का जलवा बरकरार है। शाहरुख की जवान फिल्म ने पहले ही दिन हिंदी सिनेमा की अब तक की सबसे बड़ी ओपनिंग कर ही इतिहास रच दिया था। इसके बाद जवान का जलवा लगातार जारी रहा। महज 7 दिनों में फिल्म ने 700 करोड़ रुपयों की वर्ल्डवाइड कमाई कर ली है। लेकिन खास बात ये है कि जवान का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन भारत से ज्यादा विदेशों में हुआ है।

पुष्पा एक्टर अल्लू अर्जुन ने की फिल्म जवान की तारीफ

मुंबई (ईएमएस)। शाह रुख खान की लेटेस्ट फिल्म जवान की तारीफ में हर कोई एक्टर कसीदे गढ़ रहा है। इसी कड़ी में पुष्पा-2 कलाकार अल्लू अर्जुन का नाम जुड़ रहा है, जिन्होंने जवान की प्रशंसा की है। इसके बाद शाह रुख खान ने भी स्टाइल में अल्लू का आभार व्यक्त किया है। शाह रुख खान की जवान को देखने के बाद अल्लू अर्जुन का उत्साह रुकने का नाम नहीं ले रहा है। फिल्म के प्रति अपनी भावनाओं को व्यक्त करने के लिए अल्लू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर का सहारा लिया है। गुरुवार को एक स्पेशल ट्वीट करते हुए लिखा है-इस विशाल ब्लॉकबस्टर जवान की अपार सफलता के लिए पूरी टीम को मेरी तरफ से ढेऱ सारी बधाई। शाह रुख खान ये अब तक का आपका सबसे बेहतरीन किरदार रहा। अपने स्वैग से आपने हर किसी का दिल जीत लिया है, सच में आपके लिए बहुत खुशी हुई है सर, हमारी दुआएं आपके लिए काम लाई हैं। बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रचने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

इसके अलावा अल्लू ने इस ट्वीट में जवान फिल्म स्टार कास्ट विजय सेतुपति, नयनतारा, दीपिका पादुकोण, डायरेक्टर एटली और म्यूजिक कंपोजर अनिरुद्ध की काफी प्रशंसा की है। अल्लू अर्जुन के जरिए अपनी फिल्म जवान की तारीफ सुनकर शाह रुख खान ने तुरंत साउथ सुपरस्टार को रिप्लाई दिया है। शाह रुख ने लिखा है-आपके प्यार और प्रार्थनाओं के लिए बहुत आभार मेरे यार। रही बात स्वैग की तो जो व्यक्ति खुद द फायर है और वो मेरी तारीफ कर रहा है, तो उससे मेरा दिन जरूर बनेगा।

बिपाशा ने बेटी के 10 महीने की होने का मनाया जश्न

बालीवुड एक्ट्रेस बिपाशा बसु ने बेटी के 10 महीने की होने का खास अंदाज में जश्न मनाया। उन्होंने इस मौके पर देवी का मनपसंद केक अरेंज किया और सेलिब्रेशन का वीडियो फैंस के साथ शेयर किया। फैंस 10 महीनों की देवी के इस वीडियो को खूब लाइक कर रहे हैं। बिपाशा ने बेटी का एक वीडियो अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया, जिसमें नन्ही देवी पिंक फ्रॉक, पिंक हेयरबैंड और मैचिंग जूते पहने बेड पर खेलती हुई दिखाई दे रही हैं। वीडियो शेयर करते हुए बिपाशा ने लिखा, हमारा पुडिंग आज 10 महीने का हो गया। इसके अलावा बिपाशा ने अपनी इंस्टाग्राम की स्टोरी पर बेटी के बर्थडे की कुछ झलकियां कीं। एक्ट्रेस ने अपनी लाडो के 10 मंथ बर्थडे पर खरगोश वाला एक क्यूट सा केक अरेंज किया, जिसे स्मैश करने के लिए देवी काफी उत्सुक थी। बिपाशा ने लिखा-देवी के द्वारा इस केक को स्मैश होने से बचाना बेहद मुश्किल था।

केबीसी में बिग बी ने सुनाया मेढ़क को लेकर मजेदार किस्सा

मुंबई (ईएमएस)। कौन बनेगा करोड़पति सीजन 15 के होस्ट दिग्गज बॉलीवुड मेगास्टार अमिताभ बच्चन अक्सर शो के सेट पर निजी किस्से साझा करते रहते हैं। अब, बिग बी ने एक मेंढक के साथ अपने बचपन का एक मजेदार किस्सा साझा किया। दर-असल 3,000 रुपये के सवाल के दौरान पूछा गया, इनमें से कौन सा जानवर अपनी जीभ का उपयोग कर अपने शिकार को पकड़ता है? दिए गए विकल्प थे शार्क, बिल्ली, पतंग और मेंढक। ऑडियंस पोल लाइफलाइन का उपयोग करने के बाद, हॉट सीट पर बैठी इशिता ने सही उत्तर दिया, जो मेंढक था। बिग बी ने कहा, मेंढक की जीभ अनोखी होती है। वह तेजी से जीभ बाहर निकालकर कीड़ों को पकड़ सकता है। शिकार को कुशलता से पकड़ने के लिए जीभ चिपचिपी होती है। इसलिए, शिकार उनकी जीभ से चिपक जाता है और फिर मेंढक शि-कार को खा जाता है। पुरानी बातों को याद कर महानायक ने कहा, एक बार, मैं मिस्टर मेंढक के संपर्क में आया था, बचपन के दौरान, जब मैं इलाहाबाद में रहता था। गर्मी में रात में, हम अपना बिस्तर लॉन पर लगाते थे और खुली हवा में सोते थे। उन्होंने कहा, मैं तब बच्चा था और मेरा हाथ बिस्तर से बाहर चला गया। अचानक 1 मेंढक आया और उसने सोचा कि यह कोई खाने लायक शिकार है। मैंने मेंढक को जीभ बाहर निकालते हुए देखा। मैं तब से सावधान हूं। मैंने कभी अपना हाथ बाहर नहीं निकाला और अपनी जेब में ही रखकर सोने लगा।

सुखी का नया गाना नशा रिलीज

बालीवुड की फिल्म सुखी का नया गाना नशा रिलीज हो गया है। फिल्म में पॉप स्टार बादशाह नजर आ रहे हैं। यह गाना उनके मां के किरदार की भावना को बखूबी दशार्ता है, जो रूटीन लाइफ से ब्रेक लेकर एन्जॉय करना चाहती हैं। यह एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी की अपकमिंग फिल्म है। यह गाना पॉप सॉन्ग है, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक इन्फ्लुएंस है, जो सिंथ-पॉप या मॉडर्न इलेक्ट्रॉनिक पॉप की खासियत है, हालांकि इसमें बॉलीवुड के डांस सॉन्ग का टच भी है, और निश्चित रूप से यह एक फुट टैपर है। नशा गाना फिल्म की थीम से कहीं अधिक मेल खाता है और दर्शकों को खुशी का एहसास कराता है। नशा के वीडियो में शिल्पा के इसी नाम के किरदार सुखी और उसके दोस्तों को दिखाया गया है, जो अपने स्कूल रियूनियन में जाते हैं। गाने को बादशाह और अफसाना खान ने गाया है। वहीं, गाने के लिरिक्स राजा दिलवाला ने लिखे हैं, जबकि, म्यूजिक कंपोजिशन बादशाह और हितेन ने दिया है।

सितारों से भरा था जोनास ब्रदर्स का कॉन्सर्ट

अंतरराष्ट्रीय एक्ट्रेस प्रियंका चोपडा के हसबेंड निक जोनास एंड ब्रदर्स का कॉन्सर्ट सितारों से भरा हुआ था। कार्यक्रम में एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा अपने पति निक जोनस संग चीयर करती नजर आईं, जिसकी तस्वीरें अब उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की हैं। प्रियंका अपने पति के गले में बाहें डाले रोमांटिक होती नजर आ रही है। अन्य तस्वीरों में देसी गर्ल फुल जश्न के मूड में दिखाई दे रही हैं। फैंस निकयांका की इन तस्वीरों को खूब लाइक कर रहे हैं। प्रियंका द्वारा इंस्टाग्राम पर शेयर की गई तस्वीरों में देखा जा सकता है एक्ट्रेस ब्लैक ड्रेस में बेहद बोल्ड लग रही हैं। कटआउट ड्रेस में पीसी के क्लीवेज और बेली साफ नजर आ रहा है। इस लुक को उन्होंने खुले बालों के साथ कंप्लीट किया है। वहीं निक भी इस दौरान ब्लैक टीशर्ट में दिखाई दे रहे हैं।

देहरादून इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 22 सितंबर से

देहरादून (हि.स.)। इस साल आठवें देहरादून इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का आगाज यहां 22 सितंबर से होगा। इसका समापन 24 सितंबर को होगा। फेस्टिवल के आयोजक राजेश शर्मा ने यह जानकारी शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। उन्होंने बताया कि सिल्वर सिटी राजपुर रोड एवं तुलास इंस्टीट्यूट में आयोजित होने वाले फेस्टिवल में उत्तराखंड टैलेंट हंट एवं आंगन बाजार एग्जिबिशन का आयोजन भी होगा। फिल्म फेस्टिवल में अभिनेता विनय पाठक, रजित कपूर, वरुण बडोला, प्रदीप सिंह रावत, मोहन कपूर, मनीष वाधवा, मशहूर अभिनेत्री दीप्ति नवल, हिमानी शिवपुरी, चित्रांशी रावत एवं पूषण कृपलानी मौजूद रहेंगे। शर्मा ने बताया कि इसमें दो ग्रुप रखे गए हैं। आठ से 15 साल और 16 साल से ऊपर। इसमें प्रतिभागी डांस, एक्टिंग पोएट्री, मिमिक्री और सिंगिंग आदि का प्रदर्शन करेंगे। विजेताओं को देहरादून इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के आगामी प्रोजेक्ट में भी मौका दिया जाएगा। पहले दिन नेत्रहीनों के लिए स्पेशल स्क्रीनिंग होगी। इसके तहत दृश्यम-2 दिखाई जाएगी।

सूडोकु नवताल- 6555

★★★✫☆ मध्यम

			1					6
7		2		5				9
		4			2	7	5	
5	7				9		1	8
				6				
6	1		3				2	4
	5	1	9			8		
2				8		9		1
9					3			

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6554 का हल

1	9	3	2	4	6	5	8	7
4	7	2	5	1	8	3	6	9
6	5	8	7	3	9	1	2	4
3	8	9	4	5	1	2	7	6
2	4	7	6	9	3	8	1	5
5	1	6	8	7	2	4	9	3
8	2	4	9	6	5	7	3	1
7	6	1	3	2	4	9	5	8
9	3	5	1	8	7	6	4	2

शब्दजाल - 7302

सा	म	प	कु	क	या	म	त	ला	नी	क
ए	रा	र	ज	इं	डो	ने	ह	क	जं	प
क	त	दे	अ	म	न	इ	दि	न	ग	म
हि	न	शी	मा	ज	ल	स	वा	प	प	घा
न्दू	म	बा	थ	त	न	उ	ना	ख	री	त
स्ता	जे	बु	र	रा	द	बी	म	ल	ड़	सा
नी	मा	दे	सो	व	जा	स	स्ता	पी	ख	न
रा	दे	श	बा	च	प	जी	ना	ड़	भ	क
ल	दि	ल	क	ले	दा	र	ल	क	थ	त
क्षि	ज	ति	त	हि	द	ह	मा	ह	ल	है
ते	रा	जा	क	दि	अ	ग्नि	व	र्षा	स	म

शब्दजाल में रवीना टंडन की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. शब्द ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं

कयामत, एक हिन्दूस्तानी, सोच, अग्निवर्षा, घात, जंग, अजनबी, राजाजी, परदेशी बाबु, दिवाना मस्ताना

शब्दजाल - 7301 का हल

त	श	मु	प	रि	णि	ता	प	न	र	टें
था	क्रि	दी	ना	द	मु	सा	फि	र	कां	ल
स्तु	के	वा	हे	नि	रा	ना	न	व	टि	गे
बी	ट	र	न	शा	वा	जू	क	ले	ज	र
चो	दा	त	प	ने	तो	हो	चा	गो	ब	हो
ब	दु	त	खौ	ग	स	ए	व	चा	वॉ	मु
द	प	श्म	न	फ	व	ह	अ	गो	प्ला	न्ना
क	र	क	न	क्श	ह	भा	र	चो	आ	भा
र	व	त	म	ए	भी	र	क	अ	न	ई
रू	द्रा	क्ष	त	र	त	ता	ण	र	ह	ग
मुं	ब	र्ल	न	आ	प	र	क	प	स्त	ये

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग- 6255

6		1		2	7	4
	30	4	30		30	
5	2				6	3
	32	6	39	7	31	2
1		3		4		
	31		35		33	7
7		2	6		1	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6254 का हल

2	3	1	5	6	7	4
6	26	4	34	2	34	1
1	2	7	4	5	6	3
7	35	6	36	3	28	2
4	5	3	7	1	2	6
5	31	5	35	4	33	7
3	4	2	6	7	1	5

Jagrutidaur.com, Bangalore

महिला पहलवानों का यौन शोषण केस: दिल्ली पुलिस बोली- बृजभूषण को निगरानी समिति ने दोषमुक्त नहीं किया; 23 सितंबर को अगली सुनवाई

पानीपत।

भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण पर 6 बालिग पहलवानों के यौन शोषण केस की सुनवाई दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में हुई। जिसमें बृजभूषण शरण सिंह भी कोर्ट में मौजूद थे। कोर्ट में दिल्ली पुलिस ने कहा कि सांसद बृजभूषण शरण सिंह को निगरानी समिति ने दोषमुक्त नहीं किया है। उन पर लगे आरोपों पर बहस जारी रहेगी। अब इस मामले में अगली सुनवाई 23 सितंबर को होगी। इससे पहले 20 जुलाई को बृजभूषण शरण सिंह के सस्पेंड सहायक सचिव विनोद तोमर को अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट हरजीत सिंह जसपाल ने जमानत दे दी थी। पहलवान बजरंग पूनिया, विनेश फोगाट और साक्षी मलिक सहित अन्य नामी पहलवानों ने यौन उत्पीड़न के आरोप लगाकर बृजभूषण के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए इसी साल जनवरी में धरना-प्रदर्शन की शुरुआत की थी। कई दिनों तक दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरना दिया था। इस बीच बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ दिल्ली पुलिस ने केस दर्ज कर लिया था।

15 जून को पेश की गई थी चार्जशीट - इसके बाद 15 जून को राउज एवेन्यू कोर्ट में मामले में चार्जशीट पेश की। आरोपियों में बृजभूषण के अलावा असिस्टेंट सेक्रेटरी विनोद तोमर का नाम भी है। चार्जशीट में पहलवानों ने मजिस्ट्रेट के सामने जो बयान दिए हैं, उन्हें अहम आधार माना गया।

बालिग पहलवानों के केस में इन धाराओं में चार्जशीट - दिल्ली पुलिस की प्रवक्ता सुमन नलवा ने बताया कि 6 बालिग पहलवानों के केस में हमने बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ धारा 354, 354-और के तहत चार्जशीट दाखिल की है। विनोद तोमर के खिलाफ धारा 109, 354, 354, 506 के तहत चार्जशीट दायर की गई है। इस केस की अगली सुनवाई 22 जून को होगी। पुलिस ने पहलवानों की धारा 164 के तहत मजिस्ट्रेट के आगे दिए बयान को चार्जशीट का प्रमुख आधार माना है। बालिग पहलवानों ने जिस जगह पर उनके साथ यौन शोषण के आरोप लगाए हैं, वहां आरोपियों की मौजूदगी के सबूत मिले हैं। पहलवानों ने पुलिस को जांच के दौरान सबूत के तौर पर 5 फोटो सौंपी हैं। इसके अलावा और भी डिजिटल सबूत दिए गए, उन्हें पेन ड्राइव में कोर्ट को सौंपा गया है। चार्जशीट में करीब 25 गवाहों के बयान दर्ज किए गए हैं। 7 गवाहों ने पीड़ित बालिग पहलवानों के आरोपों का सपोर्ट किया है। बाकी आरोपियों के पक्ष में बोले हैं। ट्रायल के दौरान इनका क्रॉस एग्जामिनेशन होगा।

न्यूज ब्रीफ

डायमंड लीग फाइनल्स 2023: नीरज अपने खिताब का बचाव करने उतरेंगे; जैकब और एंडरसन से कड़ी टक्कर मिलने की उम्मीद

नई दिल्ली। टोक्यो ओलिंपिक गोल्ड मेडल विजेता नीरज चोपड़ा डायमंड लीग 2023 फाइनल में अपने खिताब का बचाव करने के लिए उतरेंगे। डायमंड लीग 2023 फाइनल अमेरिका के यूजीन शहर में खेला जाएगा। स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख शहर में लीग की 11वीं मीट में नीरज 85.71 मीटर के बेस्ट स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहते हुए फाइनल के लिए क्वालिफाई किया था। चोपड़ा मौजूदा डायमंड लीग मेंस जेवलिन थ्रो चैम्पियन हैं, उन्होंने 2022 में ये ट्रॉफी जीती थी। मेंस के लॉन्ग जंप में मुरली श्रीशंकर और 3000 मीटर स्टीपलचेज में अविनाश साबले ने भी अपने-अपने इवेंट के फाइनल के लिए क्वालिफाई किया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों खिलाड़ियों ने 23 सितंबर से चीन में होने वाले एशियन गेम्स पर ध्यान केंद्रित करने के लिए यूजीन प्रतियोगिता से अपना नाम वापस लेने का फैसला किया। नीरज एक साथ ओलिंपिक और वर्ल्ड चैंपियनशिप दोनों का गोल्ड जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट बन गए हैं। उन्होंने 2021 में हुए टोक्यो ओलिंपिक में गोल्ड जीता था।

खेल मंत्री की दो टूक, अब नहीं होगी पाक के साथ द्विपक्षीय सीरीज, अनंतनाग एनकाउंटर के बाद सरकार ने अपनाया कड़ा रुख, बीसीसीआई ने लिया फैसला

नई दिल्ली। पाकिस्तान सीमा पार से आतंकवाद जब तक बंद नहीं करेगा तब तक भारत द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेलेगा। यह बात खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कही है। गौरतलब है कि श्रीलंका में एशिया कप खेला जा रहा है।

अगले महीने भारत एकदिवसीय क्रिकेट विश्वकप की मेजबानी करेगा। इस बीच केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय सीरीज को लेकर बड़ा बयान दिया है। उहोंने कहा कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने पहले फैसला किया था कि भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट की द्विपक्षीय सीरीज तब तक नहीं होगी, जब तक पाकिस्तान आतंकवाद और सीमापार घुसपैठ पर रोक नहीं लगाता। अनुराग ठाकुर ने कहा कि बीसीसीआई ने बहुत पहले ही फैसला कर लिया था कि हम पाकिस्तान के साथ तब तक द्विपक्षीय मैच नहीं खेलेंगे जब तक वे आतंकवाद, सीमा पार हमलों और घुसपैठ को खत्म नहीं कर देते। मुझे लगता है कि देश और देश की भावनाएं जनता भी वैसी ही है। उनका यह बयान अनंतनाग में हुए एनकाउंटर के बाद आया है, जिसमें भारत ने तीन अफसरों को खो दिया। इस घटना के बाद पूरे देश में गम और गुस्से का माहौल है। बता दें कि अनंतनाग जिले में चल रही एनकाउंटर में राष्ट्रीय राइफल्स की क्यूआरटी की कमान संभाल रहे सेना के एक कर्नल की जान चली गई। सेना के एक मेजर और जम्मू-कश्मीर पुलिस के एक उपाधीक्षक भी कोकेरनाग क्षेत्र में दुश्मन की गोलीबारी में शहीद हो गए। शहीद जवानों की पहचान वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों और डीएसपी की पहचान कर्नल मनप्रीत सिंह, मेजर आशीष धोनक और हुमायूं भट के रूप में की गई। गौरतलब है कि भारत और पाकिस्तान ने साल 2012 के बाद से कोई द्विपक्षीय श्रृंखला नहीं खेली है, उस श्रृंखला के बाद दोनों पड़ोसियों के बीच बढ़े राजनयिक तनाव के कारण भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय क्रिकेट संबंध निलंबित कर दिए गए हैं।

करियर बढ़ाने के लिए चामिंडा वास ने दी बुमराह को सलाह

कोलंबो। श्रीलंका के महान तेज गेंदबाज चामिंडा वास ने बुमराह को करियर बढ़ाने की सलाह दी है। चामिंडा वास ने कहा कि जसप्रीत बुमराह जैसे तेज गेंदबाज को अपना करियर बढ़ाने और चोटों से बचने के लिए क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में नहीं खेलना चाहिए। वास ने कहा कि

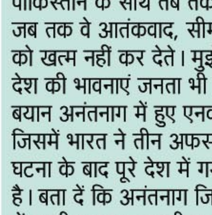

भारतीय चयनकर्ताओं और टीम प्रबंधन को बुमराह के कार्यभार प्रबंधन को संभालने के लिए काफी सतर्कता से सही प्रारूप का चयन करना चाहिए और इसी के अनुसार रणनीति तय करनी चाहिए। वास ने यहां पत्रकारों से कहा कि बुमराह जैसे खिलाड़ी का गेंदबाजी करने का एक्शन अलग ही तरह का है और इस तरह की प्रतिभा वाले गेंदबाज को हमें संभाल कर रखना चाहिए। ऐसे गेंदबाज सभी प्रारूपों में नहीं खेल सकते। हमें उचित प्रारूप देखकर इसके अनुसार ही उनकी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए।

भारत और श्रीलंका हर फाइनल का हिसाब-किताब

एशिया कप में 8वीं बार खिताबी जंग; दोनों के बीच ओवरऑल 19 फाइनल हुए

नई दिल्ली।

भारत और श्रीलंका के बीच रविवार को कोलंबो में एशिया कप का फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट के इतिहास में यह दोनों टीमों के बीच 8वां फाइनल होगा। एशिया कप के अलावा भी दोनों टीमें 12 अलग-अलग टूर्नामेंट के फाइनल में भी भिड़ चुकी हैं। इसमें वनडे वर्ल्ड कप फाइनल, टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल और चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल भी शामिल हैं। भारत-श्रीलंका के बीच अब तक 19 फाइनल, दोनों ने 9-9 बार जीत हासिल की आईसीसी, एसीसी और ट्राई सीरीज के सभी टूर्नामेंट मिलाकर भारत और श्रीलंका 20वीं बार खिताबी मुकाबले में आमने-सामने होने जा रहे हैं। दोनों के बीच अब तक हुए 19 फाइनल में 9 बार श्रीलंका और 9 ही बार भारत को जीत मिली। इनके बीच एक फाइनल बेनतीजा (नो रिजल्ट) भी रहा है।

आखिरी खिताबी भिड़ंत में जीता है श्रीलंका - किसी भी टूर्नामेंट के फाइनल में भारत और श्रीलंका आखिरी बार 2014 में आमने-सामने हुए थे। तब बांग्लादेश में हुए टी-20 वर्ल्ड कप के खिताबी मुकाबले में दोनों की भिड़ंत हुई थी। 6 अप्रैल 2014 को मीरपुर के शेर-ए-बांग्ला स्टेडियम में हुए उस मैच में पहले बैटिंग करते हुए भारत ने 4 विकेट पर 130 रन बनाए। जवाब में श्रीलंका ने 17.5 ओवर में ही 4 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। 52 रन की नॉट आउट पारी खेलने वाले श्रीलंका के कुमार संगकारा प्लेयर ऑफ द मैच रहे थे।

वनडे वर्ल्ड कप फाइनल में जीता था भारत - साल 2011 में आईसीसी का वनडे वर्ल्ड कप भारत, श्रीलंका और बांग्लादेश की संयुक्त मेजबानी में खेला गया। भारत ने ग्रुप-ए और श्रीलंका ने ग्रुप-बी में दूसरे नंबर पर रहकर नॉकआउट स्टेज में जगह बनाई। टीम इंडिया क्वार्टर फाइनल में ऑस्ट्रेलिया और सेमीफाइनल में पाकिस्तान को हराकर फाइनल तक पहुंची। वहीं श्रीलंका ने इंग्लैंड को क्वार्टर और न्यूजीलैंड को सेमीफाइनल हराया। 2 अप्रैल को मुंबई के वानखेड़े मैदान पर भारत और श्रीलंका के बीच फाइनल खेला

गया। श्रीलंका ने पहले बैटिंग करते हुए 50 ओवर में 6 विकेट पर 274 रन बनाए। जवाब में भारत ने 48.4 ओवर में 4 विकेट खोकर ही टारगेट हासिल कर लिया। 91 रन की नॉटआउट पारी खेलने वाले महेंद्र सिंह धोनी प्लेयर ऑफ द मैच रहे। उन्होंने ही फाइनल में विनिंग छक्का भी लगाया था।

चैंपियंस ट्रॉफी में एक फाइनल 2 बार खेला गया, फिर भी रिजल्ट नहीं - साल 2002 में भारत और श्रीलंका चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में एक साथ पहुंचे। 29 सितंबर को मुकाबला कोलंबो के मैदान पर खेला गया। पहले बैटिंग करते हुए श्रीलंका ने 50 ओवर में 244 रन बनाए। जवाब में भारत ने 2 ओवर में बगैर नुकसान के 14 रन बनाए, लेकिन बारिश के कारण मैच बेनतीजा रहा। फाइनल के लिए रिजर्व डे रखा गया था। 30 सितंबर को फाइनल मुकाबला फिर हुआ, लेकिन तब रिजर्व डे पर खेल नए सिरे से शुरू किया जाता था। श्रीलंका ने इस बार फिर पहले बैटिंग की और 50 ओवर में 222 रन बनाए। भारत ने 8.4 ओवर खेलकर 38 रन बनाए और इस दिन भी बारिश आ गई। मैच बेनतीजा रहा और दोनों ही टीमों को ट्रॉफी शेयर करनी पड़ी।

एशिया कप फाइनल में 7 भिड़ंत, भारत 4 बार चैंपियन - एशिया कप में दोनों टीमें 13 साल बाद खिताबी मुकाबले में भिड़ेंगी। 2010 में दाम्बुला के मैदान पर दोनों के बीच आखिरी मुकाबला हुआ था, भारत ने इसे 81 रन से जीता था। दोनों के बीच अब तक 7 बार एशिया कप का फाइनल हुआ है, 4 बार भारत और 3 बार श्रीलंका को जीत मिली है। सभी फाइनल के नतीजों पर नजर डालते हैं।

अन्य टूर्नामेंट में 9 बार हुई है खिताबी जंग - टूर्नामेंट के अलावा भारत और श्रीलंका की टीमें 9 बार अलग-अलग टूर्नामेंट के फाइनल में भी भिड़ी हैं। 6 बार श्रीलंका और महज 3 बार भारत को जीत मिली। ये टूर्नामेंट 3 और 4 टीमों के रहे। 1994 में सिंगर वर्ल्ड सीरीज का फाइनल कोलंबो में हुआ। भारत ने 6 विकेट से जीत दर्ज की। 1998 में सिंगर-अकाई निदाहास ट्रॉफी का फाइनल कोलंबो में हुआ। भारत ने 6 रन से मुकाबला जीता। 2000 में कोका-कोला चैम्पियंस ट्रॉफा का फाइनल श्व के शारजाह में हुआ। श्रीलंका ने 245 रन से मैच जीता। 2001 में कोका-कोला कप का फाइनल कोलंबो में हुआ। श्रीलंका ने 121 रन से जीत दर्ज की। 2005 में इंडियन ऑयल कप का फाइनल कोलंबो में हुआ। श्रीलंका ने करीबी मुकाबला 18 रन से जीता। 2009 में कोम्पैक कप का फाइनल कोलंबो में हुआ। भारत ने 46 रन से मैच जीता। जनवरी 2010 में ट्राई-नेशन टूर्नामेंट सीरीज का फाइनल मीरपुर में हुआ। श्रीलंका को 4 विकेट से जीत मिली। अगस्त 2010 में ट्राई सीरीज का फाइनल दाम्बुला में हुआ। श्रीलंका 74 रन से मैच जीता। 2013 में ट्राई सीरीज का फाइनल वेस्टइंडीज के पोर्ट ऑफ स्पेन में हुआ। भारत ने एक विकेट से करीबी मुकाबला जीता। ऑस्ट्रेलिया-वेस्टइंडीज के बीच हुए हैं सबसे ज्यादा फाइनल आपस में सबसे ज्यादा फाइनल खेलने का वर्ल्ड रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के नाम है। दोनों टीमों ने अब तक अलग-अलग टूर्नामेंट के 21 फाइनल खेले हैं। इनके बाद भारत और श्रीलंका के बीच 19 फाइनल हुए हैं। 2002 में दोनों टीमों के बीच 2 बार फाइनल हुआ था, इस हिसाब से दोनों टीमों ने 20 फाइनल खेले हैं। श्रीलंका ने पाकिस्तान टीम के खिलाफ भी 18 फाइनल खेले हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने जीते हैं सबसे ज्यादा फाइनल - ऑस्ट्रेलिया के ही नाम सबसे ज्यादा फाइनल खेलने और जीतने का रिकॉर्ड भी दर्ज है। टीम ने तीनों फॉर्मेट के 95 फाइनल खेले हैं।

7वीं बार 400+ बनाकर जीता साउथ अफ्रीका

ऑस्ट्रेलिया को 164 रन से हराया; क्लासेन ने 83 बॉल पर बनाए 174 रन

सेंचुरियन।

हेनरिक क्लासेन की विस्टफोटक पारी के दम पर साउथ अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को 164 रन से हरा दिया। वनडे सीरीज के चौथे मुकाबले में जीत के साथ 5 वनडे की सीरीज 2-2 से बराबरी पर आ गई है। 5वां वनडे 17 सितंबर को जोहान्सबर्ग में खेला जाएगा। सेंचुरियन में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस हारकर पहले बॉलिंग चुनी। पहले बैटिंग करने उतरी साउथ अफ्रीका ने 50 ओवर में 5 विकेट पर 416 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम 34.5 ओवर में 252 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। महज 83 बॉल पर 174 रन बनाने वाले साउथ अफ्रीका के हेनरिक क्लासेन प्लेयर ऑफ द मैच रहे। साउथ अफ्रीका वनडे इतिहास में सबसे ज्यादा बार 400+ का स्कोर बनाने वाली टीम बनी। टीम ने 7वीं बार 400+ का स्कोर खड़ा किया है। साउथ अफ्रीका ने भारत को पीछे छोड़ा, टीम इंडिया ने 6 बार वनडे में 400 से ज्यादा रन बनाए हैं। साउथ अफ्रीका से नंबर-5 पर खेलने उतरे हेनरिक क्लासेन ने विस्फोटक पारी खेली। उन्होंने महज 83 बॉल पर 209.63 के स्ट्राइक रेट से 174 रन बनाए। क्लासेन की पारी में 13 चौके और 13 छक्के शामिल रहे। मुकाबले में डेविड मिलर और हेनरिक क्लासेन ने तूफानी साझेदारी की। दोनों ने 5वें विकेट के लिए 94 बॉल पर ही 222 रन जोड़ लिए। इस साझेदारी में मिलर ने 45 बॉल पर 82 और क्लासेन ने 49 बॉल पर 129 रन का योगदान दिया। इसी साझेदारी ने साउथ अफ्रीका का स्कोर 400 के पार पहुंचाया। क्लासेन 50वें ओवर की आखिरी गेंद पर मार्कस स्टोइनिस का शिकार हुए और दोनों के बीच साझेदारी टूटी। गेंदबाजी में ऑस्ट्रेलिया की ओर से जोश हेजलवुड ने दो विकेट लिए। स्टोइनिस, माइकल नेसर और नाथन एलिस को एक-एक विकेट मिला। 417 रन का टारगेट चेज करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम से विकेटकीपर एलेक्स कैरी ने 77 बॉल पर 99 रन बनाए, हालांकि वे अपना शतक पूरा नहीं कर सके।

एबी डिविलियर्स ने रोहित शर्मा को बताया चुनौती से निपटने वाला खिलाड़ी

नई दिल्ली।

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर एबी डिविलियर्स ने रोहित शर्मा को चुनौती से निपटने वाला खिलाड़ी बताया है। उन्होंने भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह एक फाइटर हैं और कभी किसी चुनौती से पीछे नहीं हटते हैं। गौरतलब है कि मौजूदा एशिया कप में रोहित ने खुद को शानदार फॉर्म में पाया है क्योंकि उन्होंने नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका के खिलाफ एक-एक अर्धशतक जमाया है। श्रीलंका के खिलाफ मुकाबले में, रोहित शर्मा ने वनडे में एक असाधारण उपलब्धि हासिल की, जिसने उन्हें एलीट वर्ग के क्लब में पहुंचा दिया। वह वनडे में 10000 रन पूरे करने वाले छठे भारतीय बन गए। इसके साथ ही वह सचिन तेंदुलकर, रिकी पोंटिंग, सौरव गांगुली, ब्रायन लारा, क्रिस गेल, एमएस धोनी और भारत के वर्तमान कोच राहुल द्रविड़ को पीछे छोड़कर विराट कोहली के बाद इस मील के पत्थर तक पहुंचने वाले दूसरे सबसे तेज सदस्य बन गए। इस मामले में डिविलियर्स ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि रोहित 2000 रन बनाने में चौथे सबसे धीमे थे, लेकिन 10000 रन बनाने वाले दूसरे सबसे तेज़ खिलाड़ी थे। यह वापसी कैसी है मेरे मन में उनके लिए बहुत सम्मान है। पहली बार जब मैंने उन्हें खेलते हुए देखा, तो मुझे लगा कि इस आदमी के पास देने के लिए कुछ खास है। मुझे उसके बारे में सबसे ज्यादा पसंद है -बहुत कम उम्र से ही, उसमें हमेशा लड़ने की भावना थी। वह किसी चुनौती से भी पीछे नहीं हटता था। डिविलियर्स ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एक मैच को भी याद किया जिसमें रोहित ने डेल स्टेन और मोर्ने मोर्कल जैसे दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाजों का सामना किया था। डिविलियर्स ने कहा कि बहुत दिलचस्प बात यह है कि उन्होंने शुभमन गिल के साथ अविश्वसनीय साझेदारी की है। क्रीज पर दो फाइटर्स हमेशा विपक्षी टीम के लिए खतरनाक होते हैं। एक ओपनिंग जोड़ी के रूप में, वे 110 की स्ट्राइक रेट के साथ लगभग 87 से अधिक (95) के औसत पर हैं। यदि वे विश्व कप में भारत के लिए ऐसा कर सकते हैं।

इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को चौथे वनडे में100 रन से हराया सीरीज पर 3-1 से कब्जा किया; मलान के 1 हजार रन पूरे

लॉर्ड्स।

इंग्लैंड ने लॉर्ड्स में खेले गए चौथे वनडे में न्यूजीलैंड को 100 रन से हराया। इसके साथ ही इंग्लैंड ने 4 वनडे मैचों की सीरीज में भी 3-1 से अपना कब्जा जमा लिया है। इंग्लैंड ने अपने घर पर खेलते हुए न्यूजीलैंड के खिलाफ 5वीं वनडे सीरीज जीती है। दूसरी तरफ कीवी टीम ने इंग्लैंड की धरती पर सिर्फ 2 वनडे सीरीज (2008 और 2013 में) जीती है। लॉर्ड्स में खेले गए इस मुकाबले में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। पहले बैटिंग करते हुए इंग्लैंड ने डेविड मलान की 127 रन की पारी की बदौलत से 9 विकेट के नुकसान पर 311 रन की पारी खेली। जवाब में कीवी टीम 38.2 ओवर में 211 रन बनाकर सिमट गई।

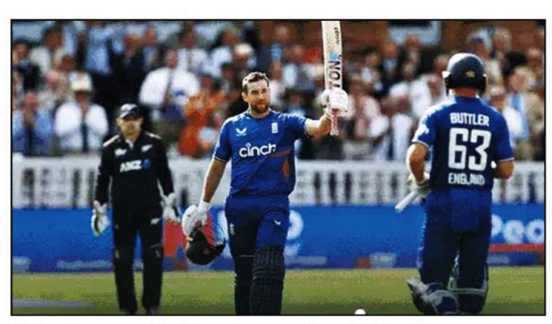

मलान ने संभाली इंग्लैंड की पारी - इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। उसका पहला विकेट 28 पर ही गिर गया। ओपनर जॉनी बेयरोस्टो केवल 13 रन बनाकर आउट हो गए। उसके बाद दूसरे ओपनर डेविड मलान ने जो रूट के साथ मिलकर टीम की पारी को संभाला और टीम का स्कोर 107 रन तक ले गए। दोनों के बीच 79 रन की पार्टनरशिप हुई। रूट 40 गेंदों पर 29 रन बनाकर आउट हो गए। मलान ने रूट के अलावा हैरी ब्रूक के साथ 32, जोस बटलर के साथ 56 और लियाम लिविंगस्टोन के साथ भी 48 रन की पार्टनरशिप किया।

मलान ने करियर का 5वां शतक लगाया - मलान ने करियर का 5वां शतक जमाया। उन्होंने114 गेंदों पर 127 रन बनाए। अपनी पारी में उन्होंने 14 चौके और 3 छक्के भी जमाए।

मलान के 1000 रन पूरा - मलान इंग्लैंड की ओर से सबसे कम पारियों में 1,000 वनडे रन बनाने वाले संयुक्त रूप से पहले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने केवल 21 पारियों में ही उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने इस मामले में केविन पीटरसन और जोनाथन ट्रॉट (21-21) की बराबरी की। मलान ने इस साल अब तक खेले गए 9 मैचों में उन्होंने 73.87 की औसत के साथ 591 रन बनाए हैं। मलान के अलावा जोस बटलर ने 31 गेंदों पर 36 और लिविंगस्टोन ने 28 रन का योगदान टीम के स्कोर में दिया।

रचिन रवींद्रा न्यूजीलैंड के रहे सफल गेंदबाज - न्यूजीलैंड की ओर से रचिन रवींद्रा न्यूजीलैंड के सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 10 ओवर में 60 रन देकर 4 विकेट लिए। उन्होंने अलावा मैट हेनरी और डेरियल मिचेल ने दो-दो विकेट लिए। जबकि काइल जैमसन को 1 विकेट मिला। 312 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड ने 88 रन पर ही अपने 4 विकेट खो दिए। रचिन रवींद्रा न्यूजीलैंड के टॉप स्कोरर रहे। उन्होंने 48 गेंदों पर 61 रन की पारी खेली।

भारतीय महिला हॉकी टीम की स्वर्ण जीतने की तैयारी, किसी ने पिज्जा तो किसी ने चाय-मिठाई से बनाई दूरी

नई दिल्ली।

भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सविता पूनिया के कंधों पर एशियाई खेलों में 41 साल से देश के खिताबी सूखों को खत्म करने का भार है। महिला हॉकी टीम ने पिछली बार इन खेलों में स्वर्ण पदक 1982 में जीता था और तब टीम पहली बार इन खेलों में खेली थी। अब एशियाई खेल 23 सितंबर से चीन के हांगझोऊ शहर में आयोजित होंगे। सविता हीं नहीं टीम की अन्य खिलाड़ी भी इन खेलों में देश को स्वर्ण जीतने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती हैं। खिलाड़ियों ने स्वर्ण के लिए अपनी फिटनेस को प्राथमिकता देने के लिए खाने की चीजों से दूरी बना ली।

कप्तान सविता ने पिज्जा-गोल गप्पे से बनाई दूरी - गोलकीपर और कप्तान सविता ने इन खेलों में अपनी फिटनेस को प्राथमिकता देने के लिए पिज्जा और गोल-गप्पे खाने भी छोड़ दिए। उन्होंने कहा, 'हमने तय किया है कि फिटनेस के लिए एशियाई खेलों तक कुछ चीजें छोड़ेंगे। मुझे पिज्जा और गोलगप्पे बहुत पसंद हैं, लेकिन मैंने प्रण किया है कि अब एशियाई खेलों तक नहीं खाऊंगी। मैं 2009 से 2018 तक बेरोजगार रही, लेकिन परिवार ने पूरा साथ दिया और मैंने अपना खेल प्रभावित नहीं होने दिया।

कई वर्षों तक रहीं बेरोजगार - हरियाणा की सविता कई वर्षों तक बेरोजगार रही थीं। उन्होंने कहा, 'मुझे 2018 में अर्जुन पुरस्कार मिला तो मेरी मम्मी बोली कि अब नौकरी मिल जाएगी। मेरे लिए यह बहुत मुश्किल दौर था। 2014 एशियाई खेल में पदक था, 2016 में ओलंपिक खेली और 2017 एशिया कप में पदक था, लेकिन नौकरी नहीं मिली। फिर 2018 में जब भारतीय खेल प्राधिकरण में ओलंपियन के लिए नौकरी निकली थी तब मैने सहायक कोच के रूप में जुड़ी थी।'

शादी के पांचवें दिन बाद ही शिविर में लौटीं - सविता अप्रैल में शादी के बाद पांचवें दिन ही शिविर में लौट आई थी। वह अलग टाइम जोन होने के कारण विदेश में बसे अपने पति से फोन पर भी कम बात कर पाती हैं। उन्होंने कहा, 'इस साल पांच अप्रैल को मेरी शादी हुई थी। लेकिन उसके बाद से सात दिन ही पति के साथ रही हूं। शादी के पांच दिन बाद ही मैं शिविर में आ गई थीं।' मैंने उनसे (पति) कहा है कि मैं बात करने की जिद भी करूं तो आप याद दिलाओगे कि फोन बंद करना है क्योंकि अगले दिन सुबह अभ्यास होता है। कई बार बहुत बातें करने का मन करता है, लेकिन खुद से वादा किया है कि एशियाड तक ऐसा नहीं करना है।

नेहा ने जंक फूड से की तौबा - हरियाणा की मिडफील्डर नेहा गोयल ने अपनी मां को 800 रुपये के लिए महीने भर साइकिल की फैक्ट्री में दिन-रात मजदूरी करते देखा। उन्होंने कहा कि परिवार को इस हालात से बाहर निकालने के लिए हॉकी का खेल जरिया बना। उन्होंने कहा, 'स्कूल में जूते और कपड़ों के लिए मैंने हॉकी खेलना शुरू किया था। मेरी मम्मी और हम सभी साइकिल के पहिए पर तार बांधने का काम करते थे और सौ तार बांधने पर तीन रुपये मिलते थे। महीने के 800 या 1000 रुपये मिलते जिससे घर चलता था। उन्होंने कहा- मुझे अभ्यास के लिए गांव से 10 किलोमीटर दूर जाना पड़ता था और ऑटो के 20 रुपये मांगने में भी शर्म आती थी।' नेहा को 2015 में रेलवे में नौकरी मिली जिसके बाद उसने बहनों की शादी कराई और अपनी मां का काम करना बंद कराया। नेहा ने कहा, 'मैंने तय किया है कि एशियाई खेलों तक कोई जंक फूड नहीं खाऊंगी। मुझे पिज्जा पसंद है, लेकिन अब खेलों के बाद ही खाऊंगी।

निक्की ने चाय से बनाई दूरी - झारखंड के खूंटी जैसे नक्सल प्रभावित आदिवासी इलाके से आई अनुभवी डिफेंडर निक्की प्रधान के पास इतने पैसे भी नहीं थे कि वह हॉकी स्टिक खरीद सके। लेकिन उन्होंने हार नहीं मारी और बांस को छीलकर स्टिक बनाई व खेलना शुरू किया। निक्की ने कहा, 'हमारे गांव में खेल का मैदान नहीं था और अब भी नहीं है। स्टिक खरीदने के पैसे नहीं थे तो बांस छील कर खेतों या सड़क पर हॉकी खेला करते थे। मैं 2016 में रियो ओलंपिक खेली और अब पेरिस में पदक तक का सफर तय करना है। इसके लिए हम एशियाई खेलों के जरिये ही सीधे क्वालिफाई करने की कोशिश करेंगे। चाय की शौकीन निक्की दिन में आठ से दस कप पी जाती थी, लेकिन अब अपनी इस आदत से उन्होंने दूरी बना ली। निक्की ने कहा, 'मैं बहुत चाय पीती थी। जब मिल जाए तब, लेकिन अब मैंने एशियाई खेलों के बाद ही पीने का फैसला किया है।

ट्रेंच कोट से फैशनेबल लुक...

खूबसूरत दिखना और फैशनेबल दिखने में बहुत अंतर है। फैशनेबल दिखने के लिए जरूरी है कि सबसे पहले यह जान लिया जाए कि ट्रेंड में क्या है और आपको हर मौसम के ट्रेंड के बारे में पता होना चाहिए। आजकल ट्रेंच कोट काफी ट्रेंड में है, जो स्टाइलिश लुक के साथ आपकी खूबसूरती में चार चांद लगा देंगें।

अगर आप ऐसी जगह पर रहती हैं जहां ज्यादा सर्द हवाएं नहीं चलती हैं, तो आप इन कोट्स को पहन सकती। जो कि बाहर घूमने के लिए अच्छे हैं।

मिलिट्री ट्रेंच कोट देखने में काफी वर्सटाइल लगते हैं, और आप इन्हे कही पर भी पहन कर जा सकती हैं। ऑफिस सबसे अच्छी जगह है इसे पहने की। साथ ही आप इसे मीटिंग्स में भी पहन कर जा सकते हैं।

कैज्युअल ट्रेंच कोट पहने में बहुत ही आरामदायक होते हैं साथ ही यह कार्डिगन वॉटरफॉल की तरह दिखते हैं। इसे आप हाउस पार्टी, रोड ट्रिप्स, हैंगआउट्स आदि जगहों पर भी पहन सकती हैं।

यह विंटर्स पार्टीज के लिए बहुत अच्छे हैं। लेदर और फॉक्स फर ट्रेंच कोट बहुत क्लासी और फैशनबल लगते हैं। इनकी फॉक्स फर कॉलर एजी लुक देती हैं।

उष्मा रोधी वैदिक प्लास्टर...

जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों के बीच ऐसे मकानों की प्रासंगिकता आज बढ़ रही है जो उष्मा रोधी हों ताकि सर्दी और गर्मी दोनों से ही बचाव हो सके। पहले मिट्टी के बने और गोबर से लिपे कच्चे घरों में उष्मा को रोकने की क्षमता थी और उनमें सर्दी और गर्मी दोनों से बचाव होता था लेकिन अब कच्चे मकान व्यवहारिक नहीं है और इसीलिए पक्के मकानों को ही इस तरह का बनाने के लिए ऐसा प्लास्टर तैयार किया गया है जो उष्मा रोधी हो। यह वैदिक प्लास्टर प्रख्यात वैज्ञानिक डॉक्टर शिव दर्शन मलिक के दिमाग की देन है जिनका कहना है कि वैदिक प्लास्टर ध्वनि एवं अग्नि रोधक है तथा मकान को गर्मी में ठंडा तथा सर्दी में गर्म रखता है। इसके अलावा इस प्लास्टर में गोबर का मिश्रण होने की वजह से यह प्राकृतिक वायु शोधक है और वातावरण को प्रदूषण मुक्त रखता है। यह अपने आप में पूर्ण है क्योंकि इसमें रेत मिलाने की जरूरत नहीं पड़ती और न ही तराई करने की जरूरत पड़ती है।

वहां पुरुष करते हैं सोलह श्रृंगार...

सुहागन महिलाएं अपने पति के लिए सजती-संवरती है और सोलह श्रृंगार करती हैं लेकिन एक ऐसा मंदिर है, जहां पुरुषों को भगवान के दर्शन करने के लिए सोलह श्रृंगार करना पड़ता है। केरल के कोट्टनकुलंगरा मंदिर में मर्द पूजा करने के लिए महिलाओं की तरह सजते-संवरते हैं। इस मंदिर में यह परंपरा सालों से चली आ रही है। यह केरल का इकलौता मंदिर है, जिसके गर्भगृह के ऊपर छत नहीं है। इस मंदिर में हर साल चाम्याविलक्क फेस्टिवल मनाया जाता है। इस फेस्टिवल में माता की पूजा करने के लिए पुरुष महिलाओं की तरह साड़ी पहनते है और अच्छी तरह सजते हैं। कहा जाता है कि इस मंदिर में देवी की मूर्ति खुद प्रकट हुई थी। सोलह श्रृगार करने के बाद पुरुष अच्छी नौकरी, सेहत, पार्टनर और अपने परिवार की खुशहाली की प्रार्थना करते हैं।

दूध पीना हानिकारक...?

दूध पीने के कई फायदे आपने सुने होंगे। आपने कभी सपने में भी नहीं सोचा होगा कि दूध पीने के भी नुकसान हो सकते हैं। हाल में हुए एक शोध में इस बात का खुलासा किया गया कि भले ही दूध पीने के काफी फायदे हों लेकिन ज्यादा दूध पीना हड्डियों के लिए नुकसानदेह हो सकता है। ब्रिटिश मेडिकल जर्नल में छपी स्टडी के अनुसार , दूध हमारी हड्डियों को कमजोर बनाता है। जो लोग ज्यादा दूध पीते हैं उनकी मौत भी जल्दी हो जाती है। इस रिसर्च में 20 साल तक 61,000 महिलाओं और 45,000 पुरुषों पर शोध किया गया। शोध में पता चला इन सभी की कोई न कोई हड्डी टूटी हुई थी। दूध की वजह से महिलाओं की हड्डियों में फ्रैक्चर होने के चांस बढ़ जाते हैं। स्टडी में यह भी पाया कि जो लोग दिन में तीन बार दूध पीते हैं उनके जल्दी मृत्यु के चांस दोगुने हो जाते हैं। जो लोग दिन में एक ग्लास दूध पीते हैं उनकी उम्र बढ़ जाती है।

बुजुर्गों में टैटू की दीवानगी...

शरीर पर टैटू बनवाने की दीवानगी युवाओं में ही नहीं बल्कि अधिक उम्र के लोगों में भी देखी जाती है। यह अमेरिका के एक बुजुर्ग दंपति ने साबित कर दिया है। उन्होंने सिर से पांव तक इतने टैटू बनवा डाले कि वे सर्वाधिक टैटू वाले दुनिया के वरिष्ठ नागरिक बन गए हैं। इस दंपति का गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड में नाम दर्ज किया गया है। वास्तव में शरीर पर टैटू बनाने या गूदवाने का शौक लगातार फैशन में है और अब तो युवक,युवतियों के साथ-साथ बुजुर्गों में भी इसके प्रति दीवानगी बढ़ती जा रही है।

हमारी दुनिया में अलग-अलग मिजाज के शौकीनों की कोई कमी नहीं है लेकिन कई बार कुछ लोग मशहूर होने के चक्कर में सारी हदें तोड़ देते हैं। शरीर पर टैटू बनाने या गूदवाने का शौक लगातार फैशन में है और अब तो युवक,युवतियों के साथ-साथ बुजुर्गों में भी इसके प्रति दीवानगी बढ़ती जा रही है।

इसकी दो वजहें हैं एक तो वर्ल्ड रिकार्ड बनाने की चाहत और दूसरी परंपरा। मध्यप्रदेश में बैगा समुदाय के पारंपरिक टैटू खासे लोकप्रिय हैं, वहीं नेपाल में टैटू के जरिए धर्म और संस्कृति को दर्शाया जाता है। इसी तरह, सुदूर-पूर्व में इंडोनेशिया के मेंतोआई द्वीप पर टैटू की अपनी एक पुरानी संस्कृति है। खासतौर पर वहां के मेंतोआई ओझा सजने-संवरने में काफी विश्वास रखते हैं। आज भी वहां की पुरानी पीढ़ी को इस बात की चिंता है कि टैटू की पारंपरिक सुंदरता को कैसे बनाए रखा जा सके लेकिन उनके बच्चे इससे भाग रहे हैं।

कभी-कभार जब बाहर के लोग यहां आते हैं और दर्द की परवाह न करते हुए टैटू बनवाते हैं, तो उन लोगों को देख कर कुछ आदिवासी बच्चे टैटू गुदवाने को तैयार हो जाते हैं। जाहिर है, नई पीढ़ी में अगर अपनी संस्कृति के प्रति एक स्वाभाविक आकर्षण कम हुआ तो उसका फायदा बाजार उठाने से नहीं चूकेगा। यों भी, आज जब इन दुर्गम इलाकों में भी बाजार के पांव पहुंच रहे हैं तो टैटू संस्कृति के सामने भी खुद के किसी व्यवसाय में ढलने से बचाने की चुनौती खड़ी है। दरअसल, मेंतोआई टैटू दुनिया की सबसे पुरानी टैटू संस्कृति है, जो आज वहां शायद अपनी आखिरी पीढ़ी में ही बची हो।

ये अमेरिकी बुजुर्ग दंपति...

फ्लोरिडा के चार्ल्स हेल्मके को हाल ही में गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड्स की ओर से सर्वाधिक टैटू वाले वरिष्ठ नागरिक (पुरुष) की मान्यता मिली थी। इसके बाद अब उनकी जीवन संगिनी शार्लोट गुटेनबर्ग ने भी सर्वाधिक टैटू वाली वरिष्ठ नागरिक (महिला) होने का गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड बना दिया है। पेशे से लेखिका और प्रशिक्षक शार्लोट के शरीर के 91.5 फीसद हिस्से पर रंग-बिरंगे टैटू बने हुए हैं। टैटू का रिकार्ड बनाने की उनकी यह कहानी एक दशक पहले शुरू हुई थी। उन्होंने 2006 में पहला टैटू बनवाया था। गिनीज ने कहा कि इसके बाद टैटू बनवाने की उनकी दीवानगी बढ़ती गई। जबकि उनके 75 वर्षीय जीवन साथी के शरीर के 93.75 फीसद भाग पर टैटू हैं। उन्होंने पहला टैटू 1959 में उस समय बनवाया था जब वे अमेरिकी सेना में थे।

यह 74 साल का जवान

दिल्ली में रहने वाले 74 वर्षीय बुजुर्ग हर प्रकाश ऋषि के नाम 20 गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज हैं। वे खुद को गिनीज ऋषि के नाम से पुकारते है। इतना ही नहीं उनकी पत्नी भी गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर हैं और उनके बच्चे भी उनका भरपूर साथ देते हैं। एक तरफ जहां लोग एक टैटू बनवाने के दर्द को सहन नहीं कर पाते वहीं इस शख्स को देखने के बाद आपकी आंखें फटी की फटी रह जाएंगी। उनके मशहूर होने के पीछे दुनिया के अलग-अलग देशों के झंडे और नक्शे (संख्या 500) के टैटू उनके शरीर पर गुदे होना उनकी मशहूरियत की प्रमुख वजह है, लेकिन इन दिनों वे देश-दुनिया की मशहूर हस्तियां जैसे नरेंद्र मोदी, बराक ओबामा, महारानी एलिजाबेथ, महात्मा गांधी और भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के सिपाहियों के टैटू उनके शरीर पर गुदवा रहे हैं। ऋषि के नाम 20 गिनीज रिकॉर्ड हैं। वे पहली बार गिनीज बुक में साल 1990 में शामिल किए गए थे। उन्होंने उनके दो अन्य दोस्तों के साथ 1001 घंटों तक स्कूटर की सवारी की थी। उनके नाम 39 सेकेंड में टमाटर केचअप की एक बोतल पीने का भी रिकॉर्ड था जिसे बाद में जर्मनी एक व्यक्ति ने 32 सेकेंड में पी कर तोड़ा था। वे लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी कई बार शुमार किए जा चुके हैं। इतना ही नहीं, रिकॉर्ड बनाने की मुहिम में उनकी पत्नी भी शामिल हैं। उन्होंने दुनिया का सबसे छोटा वसीयतनामा लिखा है।

104वें जन्मदिन पर टैटू

अभी मार्च में खबर आई थी कि इंग्लैंड के डर्बीशायर प्रांत के चेस्टरफिल्ड इलाके में रहने वाले जैक रेनॉल्ड्स अपने 104वें जन्मदिन पर टैटू बनवाना चाहते हैं। अगर ऐसा होता तो वे इस उम्र में टैटू बनवाने वाले दुनिया के सबसे उम्रदराज व्यक्ति होते। इससे पहले रेनॉल्ड्स ने अपने 102वें जन्मदिन पर आईस बकेट की चुनौती को पूरा कर रिकॉर्ड बनाया था। रेनॉल्ड्स का कहना था कि वे अपने शरीर पर

ऐसी जगह टैटू बनवाना चाहते है जहां टैटू को बड़ा आकार दिया जा सके। जब उनसे पूछा गया था कि क्या वे टैटू बनवाने को लेकर बेचैन हो रहे है तो उन्होंने कहा बिल्कुल भी नहीं, मैं काफी मजबूत हूं और टैटू को लेकर काफी उत्सुक हूं। रेनॉल्ड्स की बेटी जेनी का कहना था कि कहा,मेरे पिता उम्र में बड़े जरूर है लेकिन दिल से वह जवान हैं। वह इंटरनेट और फेसबुक पर भी काफी सक्रिय रहते हैं।

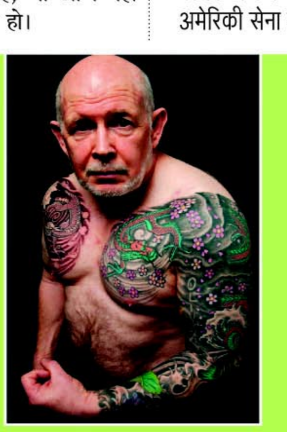

टैटू के स्वास्थ्य जोखिम

टैटू की जहरीली स्याही त्वचा के माध्यम से शरीर में पहुंचकर कैंसर का खतरे बढ़ा सकती है। एक अध्ययन में पाया कि स्याही के छोटे छोटे जहरीले कण शरीर के बड़े अंगों में प्रवेश कर सकते हैं। स्याही को तैयार करने वालों ने भी माना कि करीब पांच फीसदी टैटू स्टूडियो ऐसी स्याही का उपयोग करते हैं, जिनमें कैंसर जन्य घटक मौजूद होते हैं। हालांकि ऐसी स्याही के उपयोग को बंद करने के प्रयास जारी हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार शरीर का संयोजी ऊतक रंजक से स्थायी रूप से नष्ट हो जाता है। जिसके बाद स्याही के छोटे छोटे कण यानी नैनो पार्टिकल्स त्वचा से शरीर के अंदर पहुंच अंगों को नुकसान पहुंचाते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि जहरीले कण रक्त में प्रवेश कर प्लीहा और वृक्क को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

देश के रामनामी बुजुर्ग

उत्तरप्रदेश के जमगाहन गांव के रामनामी समाज के बारे में कुछ लोग जानते होंगे। इस समाज की परंपरा अनोखी और 100 सालों से भी ज्यादा पुरानी है। रामनामी समाज की खास बात यह है कि इस समाज के लोग पूरे शरीर पर राम नाम का टैटू बनवाते हैं, लेकिन न तो ये कभी मूर्ति पूजा करते हैं और न ही मंदिर जाते हैं। 100 साल पहले धर्म के मठाधीशों ने इस समाज के लोगों को मंदिर में जाने से रोक दिया था। तब अपने अपमान के विरोध में इन्होंने चेहरे सहित पूरे शरीर में राम नाम का गोदना गोदवा लिया। इस समाज के लोगों का कहना है कि रमरमिहा को ही रामनामी समाज कहा जाता है। छत्तीसगढ़ के सबसे गरीब और पिछड़े इलाके में रहने वाले राम टंडन पिछले 50 साल से इस परंपरा को निभा रहे हैं। 76 साल के रामनामी टंडन का कहना हैं कि जिस दिन मैंने ये राम नाम का गोदना बनवाया, उस दिन मेरा नया जन्म हुआ। 50 साल बाद उनके शरीर पर बने गोदना अब कुछ धुंधले से हो चुके हैं, लेकिन उनके विश्वास में कहीं कोई कमी नहीं आई है। इस समाज के लोगों के लिए शरीर के कुछ हिस्सों में टैटू बनवाना जरूरी है। खासकर 2 साल का होने से पहले छाती पर राम गोदवाना जरूरी होता है। टैटू बनवाने वाले लोगों को शराब पीने की मनाही होती है। साथ ही, रोजाना राम नाम बोलना भी जरूरी होता हैं। ज्यादातर रामनामी लोगों के घरों की दीवारों पर राम-राम लिखा होता है। इस समाज के लोगों में राम-राम लिखे कपड़े पहनने का भी चलन है, और ये लोग आपस में एक-दूसरे को राम-राम के नाम से ही पुकारते हैं। नखशिख राम-राम लिखवाने वाले सारसकेला के 70 वर्षीय रामभगत ने बताया कि रामनामियों की पहचान राम-राम का गोदना गुदवाने के तरीके के मुताबिक ही की जाती है। शरीर के किसी भी हिस्से में राम-राम लिखवाने वाले रामनामी अलग-अलग नाम से पुकारे जाते है। माथे पर राम नाम लिखवाने वाले को शिरोमणि, पूरे माथे पर राम नाम लिखवाने वाले को सर्वांग रामनामी और पूरे शरीर पर राम नाम लिखवाने वाले को नखशिख रामनामी कहा जाता है।

इंडोनेशिया की परंपरा

इंडोनेशिया के मेंतोआई द्वीप पर टैटू की अपनी एक पुरानी संस्कृति है। खासतौर पर वहां के मेंतोआई ओझा सजने-संवरने में काफी विश्वास रखते हैं। वे लोग अपने दांतों को तीखा करवाने से लेकर शरीर के विभिन्न हिस्सों पर टैटू गुदवाते हैं। पहले पीठ, फिर पांव और हाथ पर टैटू बनवाए जाते हैं। यहां तक कि सिर भी खाली नहीं छोड़ा जाता। इन्हें बनाने की प्रक्रिया बड़ी विशिष्ट है और वही कलाकार टैटू बनाते हैं जो इस कला में माहिर हों। पारंपरिक टैटू बनाने के लिए पीतल की कील का इस्तेमाल किया जाता है। बनाने के बाद उस पर औषधीय पौधों से बनी दवा लगाई जाती है, जिससे संक्रमण की गुंजाइश खत्म हो जाती है। ये लोग पेड़ों की आकृतियां अपने शरीर पर बनवाते हैं, ताकि परंपरा के जरिए प्रकृति से नाता बना रहे। मेंतोआई द्वीप के आदिवासियों की सदियों से चली आ रही परंपरा में शरीर पर बना सही टैटू दरअसस उनकी योग्यता के बारे में बताता है और इसी हिसाब से उनके लिए कार्यक्षेत्र का चुनाव होता है। जिस काम को करने में बच्चा सक्षम हो और भविष्य में पारंगत हो सके, वही काम उसे दिया जाता है। दूसरे, शहरों से प्रभावित हो रही आदिवासियों की नई पीढ़ी के भविष्य को लेकर वहां के बुजुर्गों को चिंता होने लगी है। बच्चे अब पारंपरिक टैटू से नहीं, बल्कि आधुनिक कपड़े-जूते पहन कर बाहर के लोगों की तरह दिखना चाहते हैं। यही वजह है कि आज उनके बच्चे टैटू बनवाने से परहेज करने लगे हैं।

ताकि सुरक्षित रहे टैटू

टैटू को कभी ड्राई न होने दें उस पर समय-समय पर लोशन लगाते रहें। अपने टैटू की सुरक्षा के लिए जब भी घर से बाहर जाएं सनस्क्रीन का प्रयोग करें। सनर्बन से टैटू के रंग फीके लगने लगते हैं। गर्मियों के दौरान सनस्क्रीन लोशन और सर्दियों में लोशन का इस्तेमाल जरूर करें ताकि टैटू हमेशा नया और चमकता रहें। जो पुरूष ऐसी जगह पर काम करते रहते है जहां उन्हें पसीना ज्यादा आता है। उन के लिए जरूरी है कि पसीने से टैटू को बचाएं क्योंकि पसीना टैटू के रंग को तेजी से फीका करता है। इसलिए पसीना आने पर उसे साफ कपड़े से साफ करते रहें। कुछ वर्षों में लगे कि टैटू के रंग फीके हो रहे हैं और टच-अप की जरूरत है तो उसी टैटू कलाकार के पास जाए जिसने वह टैटू बनाया था। टैटू बनवाने के बाद सबसे महत्वपूर्ण है उसके ठीक होने का इंतजार करना, अगर यह अभी भी चिकित्सा की प्रक्रिया में है और टैटू में दर्द, सूजन और लाल है तो डॉक्टर के पास जाएं और पता करें कि कहीं यह संक्रमण तो नहीं। यदि हरा

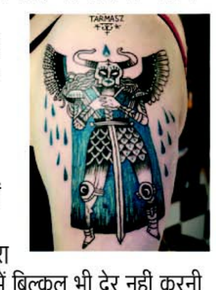

या पीला मवाद बाहर आ रहा है, तो डॉक्टर के पास जाने में बिल्कुल भी देर नही करनी चाहिए क्योंकि देर करने से टैटू क्षेत्र पर एक बदसूरत छेद हो सकता है। शरीर के किसी हिस्से में टैटू गुदवाने के बाद उसका ध्यान रखना बेहद जरूरी है। टैटू बनाने वाले आमतौर पर आपको टैटू गुदवाने वाली जगह पर गर्म पानी से धोने और चार दिनों तक रोजाना खास मरहम लगाने की सलाह देते हैं। यह सलाह जरूर मानें।

स्मार्ट फोन ब्लाइंडनेस...

क्या रात को सोने से पहले और सुबह उठने के बाद आप भी सबसे पहले अपने स्मार्ट फोन को चेक करते है..? अगर इस सवाल का जवाब हां है तो फिर आपको सावधान हो जाने की जरूत है क्योंकि हो सकता है जिस स्मार्ट फोन को आप रात के अंधेरे में चेक कर रहे थे उसने सुबह होने तक आपकी आंखों की रोशनी को अस्थायी तौर पर छीन लिया हो। वैज्ञानिक और डॉक्टर इसे स्मार्ट फोन ब्लाइंडनेस कहते हैं। स्मार्ट फोन ब्लाइंडनेस तब होती है..जब रात के अंधेरे में कोई व्यक्ति अपना स्मार्ट फोन चेक करता है। ऐसा करते वक्त अगर आपकी एक आंख ढकी हुई और दूसरी खुली है तो आप अस्थायी तौर पर अंधे हो सकते हैं। द न्यू इंग्लैंड जनरल ऑफ मेडिसीन ने कुछ दिनों पहले स्मार्ट फोन ब्लाइंडनेस का जिक्र करते हुए एक रिपोर्ट प्रकाशित की थी। रिपोर्ट में 22 वर्ष और 40 वर्ष की दो महिलाओं का जिक्र था...जो एक आंख से दिखाई न पड़ने की शिकायत लेकर डॉक्टरों के पास पहुंची थीं। शुरूआत में डॉक्टर्स इसे किसी और बीमारी का लक्षण मानते रहे..लेकिन कई तरह की जांच करने के बाद भी डॉक्टर किसी नतीजे पर नहीं पहुंच पाए। इसके बाद दोनों मरीजों से उनकी स्मार्ट फोन इस्तेमाल करने की आदत के बारे में पूछा गया। दोनों महिलाओं ने डॉक्टरों को बताया कि वो रात को अपने बेड रूम की लाइट ऑफ करने के बाद काफी देर तक अपना स्मार्ट फोन चेक किया करती थीं। ऐसा करते वक्त उनकी एक आंख तकिए से ढकी रहती थी..जबकि दूसरी आंख से वे स्मार्ट फोन चेक करती थीं।

रेटिना का एडजेस्टमेंट

डॉक्टरों ने पता लगाया कि जब कोई व्यक्ति अंधेरे में एक आंख से मोबाइल फोन से निकलने वाली आर्टिफिशियल रोशनी की तरफ देर तक देखता रहता है तो उसे उस आंख से दिखाई देना बंद हो जाता है। यह परेशानी रात में भी हो सकती है..और सुबह उठने के बाद भी...स्मार्टफोन ब्लाइंडनेस की वजह से प्रभावित आंख की रोशनी करीब 15 से 20 मिनट तक जा सकती है। हमारी आंखों का रेटिना बहुत संवेदनशील होता है..रोशनी से अंधेरे में जाने पर या फिर अंधेरे से रोशनी में जाने पर रेटिना खुद को एडजेस्ट करता है। अंधेरे से निकलकर रोशनी में आने के बाद आंखों को पूरी तरह संवेदनशील होने में 5 से 7 मिनट्स लग जाते हैं..जबकि रोशनी से अंधेरे में जाने के बाद आंखों को पूरी संवेदनशीलता हासिल करने में 30 से 40 मिनट का वक्त लगता है।

एडजेस्ट होने में समय

ज्यादा ब्राइटनेस वाले मोबाइल फोन को देर तक देखने के बाद आंखों को अंधेरे के लिए एडजेस्ट होने में और भी ज्यादा वक्त लग जाता है। आपकी आंखें जो भी देखती हैं वो दरअसल आंखों तक उल्टे आकार में पहुंचता है..लेकिन आपका दिमाग उस दृश्य या तस्वीर को सीधा कर देता है यानी अगर आपका दिमाग आंखों की मदद न करे तो आपको पूरा उल्टा ही दिखाई देगा। जो भी तस्वीरें या दृश्य आप देखते हैं वो आपके रेटिना तक दो बराबर हिस्सों में पहुंचती है और बिखरी हुई होती हैं..आपका दिमाग तस्वीरों के इन दोनों हिस्सों को जोड़ देता है और एक पूरी तस्वीर आपके सामने होती है।

आंखों का रंग

अगर आपकी आंखों का रंग नीला है तो आप इंसानों के उस समूह का हिस्सा हैं..जो एक ही पूर्वज की संतान हैं। नीली आंखों वाला पहला मनुष्य आज से करीब 7 हजार वर्ष पहले अस्तित्व में आया था। इंसानों की आंखों का रंग शुरुआत में भूरा था..और इसके रंग में जेनेटिक मोशन की वजह से बदलाव आते रहे..यानी अगर आपकी आंखों का रंग भूरा है..तो आपकी आंखें वैसी ही हैं जैसी प्राचीन मनुष्य की हुआ करती थीं। एक इंसान एक मिनट में औसतन 17 बार पलकें झपकाता है..ऐसा करना जरूरी है..नहीं तो आपकी आंखों पर काफी दबाव पड़ सकता है। उम्र बढ़ने पर भी आपकी आंखों का आकार लगभग उतना ही रहता है..जितना पैदा होने के बाद.. यानी बचपन में था। आपकी आंखों से रोते वक्त, जलन के वक्त और जम्हाई लेते वक्त जो आंसू निकलते हैं..उनमें अलग अलग तत्व होते हैं। आपकी आंखें लगातार हिलती रहती हैं..ऐसा इसलिए होता है..क्योंकि एक जगह स्थिर हो जाने पर तस्वीरें धुंधली हो सकती हैं। आपने गौर किया होगा कि अगर आप किसी वस्तु को लगातार घूरते हैं तो वो आपकी नज़रों से गायब होने लगती है..या धुंधली हो जाती है।

एयरक्राफ्ट मेन्टेनेन्स इंजीनियरिंग...

एयरक्राफ्ट मेन्टेनेन्स इंजीनियरिंग एविएशन सेक्टर से संबंधित एक प्रमुख क्षेत्र है, जिसे मेन्टेनेन्स ब्रांच में शामिल किया गया है। यह एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें प्रोफेशनल्स को पद व पैसा दोनों मिल रहा है। इसमें कमर्शियल एवं मिलिट्री एयरक्राफ्ट, स्पेस क्राफ्ट, सेटेलाइट एवं मिसाइल आदि की डिजाइनिंग, कंस्ट्रक्शन, डेवलपमेंट, टेस्टिंग, ऑपरेशन एवं मेन्टेनेन्स आदि के बारे में विशेषज्ञता हासिल की जाती है। एयरक्राफ्ट मेन्टेनेन्स इंजीनियर का सीधा संबंध एविएशन डिवीजन से होता है। एयरक्राफ्ट के सफलतापूर्वक टेक ऑफ की जिम्मेदारी भी इन्हीं के जिम्मे होती है। ये इंजीनियर पूरी तरह से सुरक्षा पर फोकस करते हैं, ताकि एयरक्राफ्ट को बिना किसी अवरोध के उड़ाया जा सके। नागरिक उड्डयन मंत्रालय की एक घोषणा के अनुसार इस समय भारतीय एविएशन इंडस्ट्री विश्व की नौवीं सबसे बड़ी एविएशन इंडस्ट्री है तथा 2020 तक इसके तीसरे सबसे बड़े एविएशन मार्केट के रूप में बनने की उम्मीद है। इसी तरह से 2030 तक पहुंचते-पहुंचते इसके पहले स्थान पर काबिज होने का अनुमान है। फिक्की-केपीएमजी रिपोर्ट के अनुसार एविएशन इंडस्ट्री में वर्ष 2017 तक देश में रोजगार में दोगुनी वृद्धि होगी और यह बढ़ कर 1.17 लाख के करीब पहुंच जाएगा। आने वाले समय में इसमें एयरक्राफ्ट मेन्टेनेन्स इंजीनियर पदों के लिए भारी संख्या में प्रोफेशनल्स की आवश्यकता पड़ेगी।

बारहवीं के बाद रखें कदम

एयरक्राफ्ट मेन्टेनेन्स इंजीनियरिंग तीन वर्षीय ट्रेनिंग कोर्स है। इसमें प्रवेश के लिए छात्रों को 10+2 की परीक्षा फिजिक्स, केमिस्ट्री व मैथ्स के साथ उत्तीर्ण होना आवश्यक है। छात्र की आयु 23 वर्ष से अधिक न हो। इसमें फीस की राशि संस्थान पर निर्भर करती है। अमूमन तीन साल के कोर्स में कुल छह सेमेस्टर होते हैं। इनकी फीस करीब दो से ढाई लाख रुपए होती है। इसके अलावा हॉस्ट, यूनिफार्म, खाने, टूल-किट व अन्य खर्चे भी शामिल हैं। छात्र किस्तों में भी फीस दे सकते हैं।

एजुकेशन लोन

छात्रों को देश-विदेश में अध्ययन के लिए प्रमुख राष्ट्रीयकृत, प्राइवेट अथवा विदेशी बैंकों द्वारा एजुकेशन लोन प्रदान किया जाता है। यह राशि पांच लाख से लेकर अधिकतम 20 लाख रुपए तक हो सकती है। छात्र को जिस संस्थान में एडमिशन लेना है, वहां से जारी एडमिशन लेटर, हॉस्टल खर्च, ट्यूशन फीस एवं अन्य खर्चों का ब्योरा बैंक को देना होता है। अंतिम निर्णय बैंक को करना होता है। बैंक सभी कागजात जांचता है।

सैलरी

इसमें ज्यादातर सैलरी पैकेज एकेडमी करियर एवं काम के बारे में जानकारी पर निर्भर करता है। शुरू शुरू में इसमें प्रोफेशनल्स को करीब तीन से चार लाख रुपए सालाना का पैकेज मिलता है। अनुभव बढ़ने के साथ सैलरी भी बढ़ती जाती है। प्राइवेट सेक्टर में सैलरी अधिक मिलती है। सुविधाओं के मामले में सरकारी क्षेत्र आगे है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**